हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार | 16 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक : 65 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

योगी आदित्यनाथ ने भी माना 'हमारा' अति आत्मविश्वास महंगा पड़ा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़कर यह है स्वीकार किया कि अति आत्मविश्वास ने हमारी अपेक्षाओं को चोट पहुंचाई है। जो विपक्ष पहले हार मान के बैठ गया था, वो आज फिर से उछल-कूद मचा रहा है। योगी ने यह है बातें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की उपस्थिति में कही। हार के कारण गिनाते समय योगी ने यह बात स्पष्ट नहीं किया कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है, लेकिन उन्होंने संकेतों में बहुत कुछ कह दिया। सवाल यह है कि क्या योगी दिल्ली से निकले 400 पार के नारे से पर आपत्ति जता रहे हैं या फिर केंद्र ने जिस तरह से प्रत्याशी बदलने के उनकी स्कीम को अमली जामा नहीं पहने दिया उससे वह नाराज हैं, क्योंकि बीजेपी की हार का जो सबसे बड़ा कारण गिनाया जा रहा है उसमें यही कहा जा रहा है भाजपा अपने कर्मो से हारी है।योगी का यह कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने प्रदेश में 2014, 2017, 2019 और 2022 में बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए विपक्ष पर लगातार दबाव बनाए रखा, 2014 और उसके बाद के चुनावों में जितना मत प्रतिशत भाजपा को मिला था,

पीएम उषा अभियान के तहत बिहार को 600 करोड़ रुपए देगी मोदी सरकार, नीतीश कैबिनेट ने खोला बंद रास्ता

बिहार में पीएम उषा अभियान को लागू करने के प्रस्ताव को नीतीश कुमार सरकार की मंजूरी के बाद राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए केंद्र से अगले दो साल में 600 करोड़ रुपए मिलने का रास्ता खुल गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान (पीएम उषा) को बिहार में लागू करने के प्रस्ताव को नीतीश कुमार कैबिनेट की मंजूरी के साथ ही राज्य को उच्च शिक्षा के विकास में केंद्र से अगले दो सालों में 600 करोड़ रुपए मिलने का रास्ता साफ हो गया है। पीएम उषा को राष्ट्रीय स्तर पर जून, 2023 में ही शुरू किया गया था लेकिन इसे बिहार में अब स्वीकृति मिली है। पीएम उषा के तहत राज्य के विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों में आधारभूत संरचना, शिक्षण व्यवस्था, शोध, प्रशिक्षण आदि के विकास के लिए आर्थिक मदद मिलेगी। इसके तहत खर्च की राशि में केंद्र और राज्य का हिस्सा 60 और 40 फीसदी के अनुपात में होगा।पीएम उषा के तहत राज्य सरकार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों को लागू करना है। उच्च शिक्षा के संस्थानों में आधारभूत संरचना के विकास, परीक्षा प्रणाली में सुधार आदि पीएम उषा के मुख्य उद्देश्य हैं। राज्यों में रोजगार क्षमता बढ़ाना भी इस अभियान का मकसद है।उच्च शिक्षा के विकास के लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान

(रूसा) को नये रूप में जून, 2023 में पीएम उषा के नाम से लागू किया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत रूसा की जगह पीएम उषा लागू हुआ है। अभियान के लिए राज्यों में राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद का गठन किया गया है। परिषद के माध्यम से रूसा के तहत राज्यों को आर्थिक मदद मिल रही थी। रूसा का दूसरा चरण 2018 में लागू हुआ। इन दोनों चरणों में मिलने वाली राशि में बिहार का 62 करोड़ का हिस्सा बकाया है। उषा कार्यक्रम लागू नहीं होने के कारण यह बकाया राशि केंद्र से नहीं मिल रही थी।बिहार सरकार अब बकाया राशि की मांग राज्य उच्च शिक्षा परिषद के माध्यम से करेगी। पीएम उषा विभिन्न राज्यों में वित्तीय वर्ष 2023-24 में ही लागू हो गया था। बिहार में यह देरी से इस साल लागू हो रहा है। योजना के तहत बिहार के 19 जिलों के कॉलेजों को विशेष मदद मिलेगी। पीएम उषा के तहत बिहार के 19 जिलों के कॉलेजों को मदद का प्रस्ताव है। इन जिलों में मधेपुरा, गया, किशनगंज, पूर्णियां, जमुई, औरंगाबाद, मुंगेर, लखीसराय, खगड़िया, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, सुपौल और अररिया शामिल हैं।बिहार में पीएम उषा अभियान को लागू करने के प्रस्ताव को नीतीश कुमार सरकार की मंजूरी के बाद राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए केंद्र से अगले दो साल में 600 करोड़ रुपए मिलने का रास्ता खुल गया है।केंद्र सरकार से बिहार को चालू वित्तीय वर्ष में 30 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता चाहिए। बिहार को केंद्र सरकार द्वारा 23 जुलाई को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट में इसके लिए विशेष प्रावधान किए जाने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने दीर्घकालिक विकास के उद्देश्यों से यह राशि विभिन्न परियोजनाओं के वित्त-पोषण के लिए मांगी है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट के पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ चर्चा के दौरान बिहार की ओर से अपनी उम्मीदों एवं अपेक्षाओं की जानकारी केंद्र सरकार को दी जा चुकी है।

नीति आयोग की सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट ने बिहार सरकार की विशेष राज्य के दर्जे की मांग को सही ठहराया: मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली: नीति आयोग ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट को जारी कर दिया है।इस रिपोर्ट में सतत विकास का आकलन करने वाले एसडीजी इंडेक्स इंडिया में कुछ मापदंडों पर सुधार के बावजूद बिहार सबसे निचले पायदान पर है। इस रिपोर्ट के आने के बाद बिहार सरकार के मंत्रियों ने दावा किया कि नीति आयोग की सतत विकास लक्ष्य भारत सूचकांक 2023-24 की नवीनतम रिपोर्ट ने राज्य की अधिक केंद्रीय वित्तीय सहायता की लंबे समय से चली आ रही मांग को सही साबित कर दिया है।नीति आयोग के नवीनतम एसडीजी सूचकांक पर टिप्पणी करते हुए, जेडी के वरिष्ठ नेता और बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पीटीआई को बताया, आयोग की नवीनतम रिपोर्ट ने अधिक केंद्रीय वित्तीय सहायता की हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग को सही साबित कर दिया है... यही कारण है कि हम बिहार के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा या विशेष पैकेज मांग रहे हैं, जो अपने वित्त का प्रबंधन खुद कर रहा है। लेकिन बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में आता है।उन्होंने कहा, बिहार सबसे अधिक योग्य राज्य है जिसे केंद्र से विशेष वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। बिहार की अर्थव्यवस्था भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। बिहार ने न केवल लगातार विकास किया है, बल्कि सबसे विकसित राज्यों से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि हमें राज्य के समग्र विकास के लिए एक विशेष पैकेज की भी आवश्यकता है।चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार 2011-12 से ही राज्य के लिए एससीएस की मांग कर रही है। इससे पहले बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया था। बिहार को राज्य के समग्र विकास के लिए विशेष पैकेज/विशेष सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग ने पहले माना था कि बिहार ने पिछले दशक में कई क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति की है, लेकिन अतीत में अपने कमजोर आधार के कारण, राज्य को अन्य राज्यों के बराबर पहुंचने और सभी पहलुओं में इष्टतम विकास तक पहुंचने में कुछ और समय लग सकता है।इसी तरह की राय जताते हुए जेडीयू के वरिष्ठ नेता और बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने पीटीआई से कहा, मैं कहना चाहूंगा कि अब केंद्र सरकार को बिना किसी देरी के बिहार के लिए विशेष पैकेज या विशेष दर्जा की घोषणा करनी चाहिए।

'मैं पहले बीजेपी नेता बाद में डिप्टी CM' बीजेपी कार्यसमिति में केशव प्रसाद मौर्य ने किस ओर किया इशारा

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य पर सभी की नजर है। उनके हर कदम को लोग समझने की कोशिश कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद वह काफी खामोश नजर आ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री होने के बाद भी सरकार के कामों में उनकी दिलचस्पी नहीं दिख रही। यहीं कारण हैं कि उनको लेकर

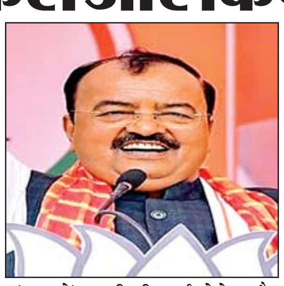

संगठन में वापसी की चर्चा जोरो पर है। वहीं, मौर्य ने भी अपने एक बयान में सरकार से ज्यादा पार्टी संगठन की प्रधानता पर जोर दिया है। भाजपा की एक दिवसीय राज्य कार्यसमिति की बैठक के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी की संरचना और उसका कैडर हमेशा सरकार से अधिक महत्व रखेगा। मौर्य ने कहा कि सभी मंत्रियों, विधायकों और जन प्रतिनिधियों को पार्टी कार्यकताओं का सम्मान करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी गरिमा बरकरार रहे।

मोहर्रम के जुलूस में ना फहराये फिलिस्तीन का झंडा: मौलाना शहाबुद्दीन बरेलवी

लखनऊ। मुहर्रम का महीना चल रहा है। इस दौरान जगह-जगह जुलूस निकाले जाते हैं। ये जुलूस इस्लाम-ए-पैगंबर के सबसे छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की याद में जुलूस निकाला जाता है। ऐसे में इस बार जुलूस में फिलिस्तीन देश का झंडा भी देखने को मिला है, जिसको लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने लोगों से खास अपील की है। रजवी बरेलवी ने मुहर्रम के जुलूस में फिलिस्तीनी झंडा न फहराने अपील

करते हुए कहा कि मुहर्रम जुलूस में किसी विदेशी झंडा का इस्तेमाल न करें। उन्होंने जुलूस में फिलिस्तीनी झंडा न लहराने की अपील की है।

कर्नाटक के डिप्टी CM को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की केस रद्द करने की याचिका

एजेंसी

कर्नाटक: सुप्रीम कोर्ट से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने डीके शिवकुमार की आय से अधिक संपत्ति के कथित मामले में उनके खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दर्ज मामले को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा, "माफ करें। खारिज कर दिया गया।इसके बाद डीके शिवकुमार ने कहा कि भी घोटाले

भारतीय जनता पार्टी द्वारा बनाए गए हैं। भाजपा का कार्यकाल घोटालों का जनक है, यही कारण है कि जनता ने उन्हें बाहर कर दिया है। अब, हम सब कुछ साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। वे इसे पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि उनके नाम सामने आ जाएंगे। सीबीआई ने सितंबर 2020 में कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जिसमें आरोप लगाया गया कि शिवकुमार ने 2013 और 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की, जब वह पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री थे।सुप्रीम कोर्ट कर्नाटक उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर, 2023 के आदेश के खिलाफ डीके शिवकुमार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। शिवकुमार ने एफआईआर को अदालत में चुनौती दी और कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2023 में उनकी याचिका खारिज कर दी।

विदेशी ताकतों ने पहुंचाया बीजेपी को नुकसान? लोकसभा चुनाव के परिणाम पर बोले शिवराज चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे सियासी हलचल मची हुई है। दरअसल, राजस्थान में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि विपक्ष के बीच कुछ 'विदेशी हाथ' सक्रिय हैं, जो नहीं चाहते कि भाजपा किसी भी तरह चुनाव जीते। जयपुर में राज्य भाजपा कार्यसमिति की बैठक में बोलते हुए, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा हमारे विरोधी - जिस में ये सच है कि

विदेशी ताकतें भी शामिल हैं - ये हमारे देश में कैसे भी बीजेपी की सरकार ना रहे इसकी कोशिश करते है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि जिस तेजी से भारत बढ़ रहा है, ये हमारे विरोधियों को रास नहीं आ रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई ताकतें किसी भी कीमत पर बीजेपी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं। हमें उनसे सावधान रहने की जरूरत है। विपक्षी कांग्रेस को "झूठ बोलने की मशीन" बताते हुए चौहान ने तर्क दिया कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि तब कुछ शक्तियों ने हस्तक्षेप किया था।बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में अपने संबोधन में शिवराज ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

केजरीवाल के स्वास्थ्य के साथ भाजपा कर रही खिलवाड़? AAP के आरोप पर तिहाड़ प्रशासन का आया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर भाजपा पर हमलावर है। आप का आरोप है कि भाजपा केजरीवाल को जेल में रखकर उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रही है और मधुमेह रोगी होने के कारण उन्हें चिकित्सा सहायता नहीं मिल रही है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि किसी भी मरीज की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करना अपराध है। जेल प्रशासन कई बार

दिल्ली के सीएम की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक कर चुका है। संजय सिंह ने दावा किया कि इससे साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल की जिंदगी से खिलवाड़ करने की साजिश रची जा रही है। इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने केजरीवाल की ज़िंदगी से खिलवाड़ करने का षड्यंत्र रचा है। जेल में अरविंद केजरीवाल के साथ कुछ भी अनहोनी हो सकती है। उन्होंने कहा कि अक्क्टर के डॉक्टर के द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि केजरीवाल जी का वजन घटा है और उनका सुगर लेवल कई बार 50 के नीचे गया है।वहीं, दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि मधुमेह से पीड़ित केजरीवाल का शुगर लेवल खतरनाक रूप से कम हो गया है।

जयशंकर ने निवर्तमान विदेश सचिव क्वात्रा की उनके योगदान के लिए सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को निवर्तमान विदेश सचिव विनय क्वात्रा की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रशंसा की। वर्तमान में राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत विक्रम मिस्त्री सोमवार को नए विदेश सचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे।क्वात्रा ने एक मई 2022 को विदेश सचिव का पदभार ग्रहण किया था। जयशंकर ने ह्यएक्सह्ण पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यनिवर्तमान विदेश सचिव विनय क्वात्रा को विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण और योगदान के लिए धन्यवाद।उन्होंने कहा,विशेष रूप से पिछले दशक में, उन्होंने हमारी कई प्रमुख नीतियों की रणनीति बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में मदद की है। उन्हें उनकी भविष्य की पारी के लिए शुभकामनाएं।विदेश सचिव के रूप में क्वात्रा को कई महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक मुद्दों से निपटना पड़ा, जिनमें यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से उत्पन्न स्थिति, गाजा में इजराइल-हमास की शत्रुता और पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ तनाव जैसी स्थिति शामिल थी।माना जाता है कि वह अमेरिका में भारत के अगले राजदूत बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। तरनजीत संधू के जनवरी में सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद खाली है। क्वात्रा 1988 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए और अपनी सेवा के शुरूआती वर्षों में जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन में सेवा दी।क्वात्रा ने एक मई 2022 को विदेश सचिव का पदभार ग्रहण किया था। जयशंकर ने ह्यएक्सह्ण पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यनिवर्तमान विदेश सचिव विनय क्वात्रा को विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण।

चुनाव बाद भी यात्रा मोड में क्यों हैं राहुल गांधी, क्या कांग्रेस को मिल गया चुनावी सफलता का कोई मंत्र?

संवाददाता

नई दिल्ली: इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के 99 सीटें क्या आई, उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के कार्यशैली में बड़ा बदलाव साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। विपक्ष के नेता के तौर पर पदभार संभालने के बाद राहुल गांधी की जमीनी सक्रियता लगातार जारी है। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े चुनाव के बाद नेता कुछ दिनों के लिए ब्रेक पर चले जाते हैं। लेकिन राहुल गांधी के साथ इस बार ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है। संसद के उद्घाटन सत्र में ही उन्होंने बता दिया कि इस बार उनकी भूमिका अलग रहने वाली है। जो कि कहीं ना कहीं भाजपा को टेंशन में ला रही होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि सोशल मीडिया और दिल्ली में सक्रियता के अलावा राहुल गांधी दूरदराज के इलाकों में भी जा रहे हैं। राहुल गांधी हाथरस में पीड़ितों से मुलाकात करने पहुंच गए जहां एक भगदड़ में 120 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट की एक समूह से

मुलाकात कर ली। उनकी समस्याओं को जाना और इस बहाने सरकार पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। राहुल गांधी गुजरात दौरे पर भी गए जहां उन्होंने पार्टी कार्यक्रम के अलावा राजकोट अग्नि त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। इतना ही नहीं राहुल गांधी असम और मणिपुर भी पहुंच गए। असम में उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की जबकि मणिपुर में राहुल ने राहत शिविरों का दौरा किया और केंद्र की मोदी सरकार से कई सवाल भी पूछे। राहुल लगातार प्रधानमंत्री से मणिपुर का दौरा करने की अपील कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वह राज्य में हिंसा भड़कने के बाद तीसरी बार पहुंचे थे लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वह अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली भी पहुंचे जहां उन्होंने आम लोगों से मुलाकात की। राहुल और कांग्रेस को लग रहा है कि जनीन पर संघर्ष के साथ ही उनकी पार्टी एर बार फिर उभर सकती है। राहुल गांधी की जमीनी सक्रियता को देखें तो ऐसा लगता है 99 सीटों से कांग्रेस को एक संजीवनी बूटी मिली है जिसकी बदौलत पार्टी एक बार फिर से उभरने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा राहुल गांधी अपने जमीनी कार्यकताओं को यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि जो लोग हमें खत्म करने की बात कर रहे हैं वह कमजोर हो चुके हैं। हमें जमीन पर मेहनत करनी चाहिए और पार्टी एक बार फिर से मजबूती के साथ उभर सकती है। राहुल गांधी अपने भीतर के जुझारूपन को दिखाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बना रहे। यही कारण है कि गुजरात जैसे राज्य का दौरा करने के दौरान वह दावा कर रहे हैं कि हम यहां भी भाजपा को हराने जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा ।

नया कानून आज की जरूरत: भीखूभाई दलसानिया

संवाददाता

पटना। विगत 1 जुलाई, 2024 से अधिसूचित किये गए भारतीय साक्ष्य सहिंता अधिनियम, भारतीय नागरिक सहिंता अधिनियम व भारतीय न्याय सहिंता अधिनियम से जुड़े नए कानूनों को लेकर भाजपा विधि प्रकोष्ठ द्वारा एक सेमिनार का आयोजन भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में सोमवार को आयोजित किया गया। सेमिनार का विषय था- " दंड सहिंता बनाम न्याय सहिंता।" इस मौके पर भाजपा के संघठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया ने कहा कि कार्यक्रम में विस्तार के दौरान 33 फीसदी नए कार्यकताओं को भी जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम आजाद हो गए 1947 में, लेकिन अपना तंत्र काम नहीं कर रहा था, इसलिए नए कानूनों की जरूरत थी। किसी समय में भारत को विश्व गुरु माना जाता था। सोने की चिड़िया माना जाता था। यहाँ कुछ था, तभी तो बाहर से लोग आए, नहीं रहता तो क्यों आते। लेकिन दुर्भाग्य ये रहा कि आजादी मिलने के बाद भी

यहाँ के शासकों का दृष्टि और मन पर प्रभाव हमेशा पश्चिम का रहा। हमारे यहां तो शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि जो अच्छा है उसे प्राप्त करनी चाहिए। जो कल्याणकारी है, पूरे विश्व से लेनी चाहिए। बिहार स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा ने कहा कि उक्त मामले में बिल लाने से पूर्व सभी संबंधित लोगों से राय ली गई। अंग्रेज जो कानून लाये थे वो था टू रूल इंडिया जबकि अभी का कानून आया है टू रन इंडिया। भारत सरकार के पटना हाई कोर्ट में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के एन सिंह ने भारत की परंपरा का अनुसरण करने पर बल दिया। कार्यक्रम को भाजपा एम एल सी अनिल शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विन्धयाचल राय ने करते हुए कार्यक्रम को जिला स्तर तक बढ़ाने की बात कही। प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश मंत्री रत्नेश कुमार, हरेंद्र प्रसाद सिंह, टी एन ठाकुर, संजय राम, कृष्ण मुरारी प्रसाद, कौटिल्य कुमार, मनोज कुमार सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार कर्ण ने किया।

बिहार में बदली मुहर्रम की छुट्टी की तारीख; अब इस दिन स्कूल बंद, शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

संवाददाता

बिहार के सामान्य स्कूलों में मुहर्रम की छुट्टी अब 17 जुलाई को होगी। पूर्व में घोषित अवकाश तालिका में 18 जुलाई की तिथि निर्धारित थी। क्योंकि मुहर्रम 17 जुलाई को है। इसलिए इसमें संशोधन किया गया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने सोमवार को आदेश जारी किया है। विभाग ने कहा है कि यह संशोधित तिथि सामान्य स्कूलों के लिए निर्धारित की गयी है।

वहीं मुहर्रम के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए राजधानी पटना में 353 स्थानों पर दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। इनके साथ सशस्त्रऔर लाठी बल को भी रखा गया है। रविवार को डीएम डॉ. चन्द्रशेखर सिंह और एसएसपी राजीव मिश्रा की ओर से इनकी प्रतिनियुक्ति की गई है।

जो इंसानियत से प्यार नहीं करता वह असल में भगवान को नहीं पा सकता - डॉक्टर सरवर जमाल

मानवता और आध्यात्मिकता पर डॉ सरवर जमाल की अंतर्दृष्टि

विशेष संवाददता

पटना, 15 जुलाई, 2024: एक प्रमुख बिजनेस लीडर और परोपकारी डॉ सरवर जमाल ने हाल ही में मानवता के प्रति प्रेम और आध्यात्मिकता की खोज के बीच गहरे संबंध पर जोर दिया। हाल ही में एक कार्यक्रम में विद्वान ने टिप्पणी की, "जो मानवता से प्यार नहीं करता वह वास्तव में ईश्वर को नहीं पा सकता।

विद्वान का बयान कुरान और हदीस की शिक्षाओं से प्रभावित है। पवित्र कुरान (4:36) विश्वासियों को निर्देश देता है, "अल्लाह की पूजा करो और उसके साथ किसी को भी भागीदार न बनाओ, और माता-पिता, और रिश्तेदारों, अनाथों, गरीबों, निकट पड़ोसियों, दूर के पड़ोसियों, अपने निकट के साथियों, यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करो।

, और जो लोग तुम्हारे दाहिनी ओर हैं, निस्संदेह अल्लाह उन लोगों को पसन्द नहीं करता जो अहंकारी और अहंकारी हैं।

इसके अलावा, अल्लाह के दूत, भगवान उन्हें आशीर्वाद दें और उन्हें शांति प्रदान करें, को कहा, "सबसे अच्छे लोग वह हैं जो लोगों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाते हैं" (हदीस, अल-मुजाम अल-अव्सत)।

विद्वान के शब्द इन शिक्षाओं से मेल खाते हैं, जो इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि आध्यात्मिक विकास के लिए करुणा और परोपकारिता आवश्यक है। मानवता से प्रेम और सेवा करके, व्यक्ति दया और दयालुता के दैवीय सिद्धांतों के साथ जुड़ जाता है, सामाजिक सद्भाव और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देता है।

उनका संदेश इस्लामी शिक्षाओं के मूल मूल्यों को दशार्ता है और उच्च आध्यात्मिक संबंध प्राप्त करने में करुणा और सामुदायिक समर्थन की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डालता है।

केंद्रीय प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी से मेघालय के मुख्यमंत्री माननीय श्री कोनार्ड संगमा जी ने आज नई दिल्ली के पंचशील भवन में मुलाकात की। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि बैठक के दौरान मेघालय में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र के विस्तार को लेकर चर्चाएं हुई।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए चलाएं विशेष अभियान : डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी : जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मूलन, विमुक्ति एवं पुनर्वास से संबंधित जिला टास्क फोर्स की बैठक समाहरणालय स्थित विमर्श कक्ष में आयोजित की गई ` उन्होंने बताया बाल श्रम उन्मूलन के लिए लोगों की जागरूकता जरूरी है। इसके लिए सामाजिक सहयोग की जरूरत है। प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर टास्क फोर्स की बैठक सुनिश्चित करें डीएम रिची पाण्डेय ने बालश्रम उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान, बाल श्रमिकों की पहचान, अभियान चलाकर विमुक्ति एवं नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया। इसके लिए गठित धावा दल शहर के मुख्य मार्ग के दोनों तरफ एवं जिले के सभी प्रखंडों के लगी दुकानों, होटल गैरेज, ईंट भट्ठा की जांच करें। यदि वहां बाल श्रमिक पाए जाते हैं तो उन्हें विमुक्त कराएं और निर्धारित प्रावधान के अनुसार नियोजक को

दंडित करें। साथ ही विमुक्त कराए गए बच्चों के पुनर्वास की व्यवस्था कराएं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के साथ लोगों को जागरूक भी करें। लोगों को बताएं कि बाल श्रम प्रतिबंधित है। दोषी नियोजकों पर 20 हजार जुमार्ना की वसूली सुनिश्चित करें` बैठक के दौरान बाल श्रम की घातक प्रथा से मुक्ति कराने हेतु किए गए प्रयासों के लिए पंचायत, प्रखंड और जिला को विशेष पुरस्कार प्रदान करने की चर्चा शामिल रहें` मौके पर प्रथम संस्था के जिला समन्वयक सुधीर कुमार, बीरेंद्र कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी चंद्रनाथ राम, वरुण कुमार, स्वेता कुमारी, पिंटू कुमार, प्रमोद कुमार, परिजत परिमल, सुशांत कुमार, वरीय लिपिक दिलीप कुमार शास्त्री, निशांत प्रेम, संतोष कुमार आदि शामिल रहें`

जेडीयू खत्म नहीं होगी, पूरे बिहार में छा जाएगी; मनीष वर्मा बोले- 2025 का चुनाव स्वीप करेंगे

संवाददाता

पटना: हाल ही में जेडीयू में शामिल हुए मनीष वर्मा को सीएम नीतीश ने राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी है। सोमवार को पार्टी महासचिव बनने के बाद पहली बार पटना में जेडीयू कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होने आगामी चुनाव के लिए अभी से जुट जाने की आह्वान किया। साथ ही कहा कि जो लोग बिहार में जेडीयू के खत्म होने की बात करते हैं। उनको मैं जवाब देना चाहता हूं कि जदयू कभी खत्म नहीं होगी। और पूरे बिहार में छा जाएगी। आने वाले चुनाव में जेडीयू स्वीप करेगी। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने कहा कि रूपौली में मिली हार से मुझे दुख हुआ था। जिस दिन उपचुनाव का नतीजा आया, उसी दिन मुझे दिल्ली से पटना आना था। लेकिन चुनाव में हार-जीत

चलती रहती है, लेकिन कभी मन से हार नहीं मानना चाहिए। चुनाव किसी एक उम्मीदवार का नहीं होता। बल्कि पूरी पार्टी का होता है। जब कैंडिडेट जीतता है, तो पूरी पार्टी खुश हो जाती है, और हारता है तो पार्टी निराश हो जाती है। उन्होने कहा कि ये बहुत बड़ी बात है कि कोई व्यक्ति पार्टी में आता है, और उसे तुरंत इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिल जाती है। ये हमारे नेता नीतीश कुमार के बड़े दिल को दशार्ता है। और मैं इस जिम्मेदारी को निभाने का काम करूंगा। हमें बिहार के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत होना है। हमारे कार्यकर्ता ही हमारी पूंजी है। हमारा दल ऐसी पार्टी है, जिसमें सभी धर्मों और जातियों को लोग जुड़े है। लोहिया और आंबेडकर के विचारों पर ही ये पार्टी चलती है। नीतीश कुमार ने पूरे बिहा को बदलने का काम किया है। आपको बता दें रूपौली उपचुनाव में जेडीयू प्रत्याशी कलाधर मंडल को हार का सामना करना पड़ा। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह ने जीत हासिल की थी। आरजेडी की बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं। रूपौली में मिली हार से भी मनीष वर्मा दुखी थे। मनीष वर्मा बीते हफ्ते ही जेडीयू में शामिल हुए थे। और अगले ही दिन उन्हें पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने जदयू का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त कर दिया था। पूर्व आईएएस मनीष वर्मा बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले हैं। उनके पिता डॉ अशोक वर्मा बिहारशरीफ के एक बड़े डॉक्टर के रूप में जाने जाते रहे। वर्मा की प्राथमिक शिक्षा बिहारशरीफ के एक सरकारी स्कूल से हुई। आईआईटी, दिल्ली से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक पूरा करने से पहले उन्होंने पटना के एक स्कूल में भी पढ़ाई की। 2000 में यूपीएससी में सफलता हासिल करने से पहले वर्मा ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ भी काम किया है।

ब्रीफ न्यूज

लालू और तेजस्वी पर मुसलमान समाज ने भरोसा नहीं किया; रुपौली की हार पर बरसे जेडीयू के नीरज कुमार

संवाददता

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि मुस्लिम समाज ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर भरोसा नहीं किया। पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा सीट पर उप-चुनाव में राजद उम्मीदवार बीमा भारती की करारी हार को लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए जेडीयू प्रवक्ता ने कहा कि रुपौली के आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम समाज ने राजद नेतृत्व पर भरोसा नहीं किया है। रुपौली सीट पर 10 जुलाई को हुए उप-चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा-रामविलास के बागी और बाहुबली शंकर सिंह ने निर्दलीय जीत दर्ज की है। जेडीयू के कलाधर मंडल दूसरे और राजद की बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं।जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू ने अपने 16 उम्मीदवारों में 4 अंत्यत पिछड़ा को कैंडिडेट बनाया था। जबकि राजद ने अपने 23 उम्मीदवारों में सिर्फ 2 उम्मीदवार अति पिछड़ा से दिया था। नीरज कुमार ने कहा कि यह राजद के अति पिछड़ा प्रेम के दावों की पोल खोलता है। रुपौली में हारीं बीमा भारती अति पिछड़ा वर्ग से आती हैं और 2020 के विधानसभा चुनाव में रुपौली सीट से पांचवीं बार जीती थीं। पहली बार निर्दलीय और एक बार आरजेडी के टिकट पर विधायक बनीं बीमा भारती पिछले तीन चुनाव से जेडीयू के टिकट पर जीत रही थीं।बीमा भारती को लालू यादव ने जेडीयू से बुलाकर पूर्णिया लोकसभा से टिकट दिया था जहां कांग्रेस से लड़ने की कोशिश में अपनी पार्टी का विलय करने वाले पप्पू यादव ने भी निर्दलीय ही जीत दर्ज की है। पप्पू यादव के खिलाफ लड़ीं बीमा भारती की जमानत जब्त हो गई थी क्योंकि आरजेडी को पूरा आधार वोट यादव और मुसलमान पप्पू यादव की तरफ हो गया। पूर्णिया के पत्रकारों का कहना है कि पप्पू यादव के खिलाफ लड़ने के कारण रुपौली में भी मुसलमानों ने बीमा के बदले शंकर सिंह को वोट दे दिया जो पहले एक बार लोजपा के टिकट पर यहां से जीत जुके हैं। शंकर सिंह राजपूत जाति की निजी सेना नॉर्थ लिबरेशन आर्मी के कमांडर रहे हैं जिसका मुखिया कभी बूटन सिंह हुआ करते थे। बूटन सिंह की पत्नी लेसी सिंह जेडीयू में हैं और नीतीश सरकार में लगातार मंत्री बन रही हैं। यह सेना पप्पू यादव से लड़ने के लिए बनाई गई थी।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतनराम मांझी समेत एनडीए के सारे बड़े नेताओं ने रुपौली में प्रचार किया था। नीतीश ने अपनी सभा में बीमा भारती के लिए कहा था कि जो साथ छोड़कर जाता है, उसका गड़बड़ हो जाता है। वैसे बीमा के लिए रुपौली चुनाव में राहत की बात ये रही कि पूर्णिया लोकसभा में उनको कुल 27120 वोट मिला था और उसमें रुपौली क्षेत्र से 11 हजार से कम वोट था। लेकिन विधानसभा उप-चुनाव में उन्हें अकेले रुपौली में ही 30619 वोट मिला है। बीमा और कलाधर दोनों अति पिछड़ा वर्ग के नेता हैं और उनकी लड़ाई में मुसलमानों का शंकर सिंह की तरफ झुक जाने से एनडीए और महागठबंधन को तगड़ा सबक मिल गया।

नीतीश की JDU को मांझी ने दिया झटका? मोदी के मंत्री बोले- बिहार को विशेष राज्य का दर्जा संभव नहीं

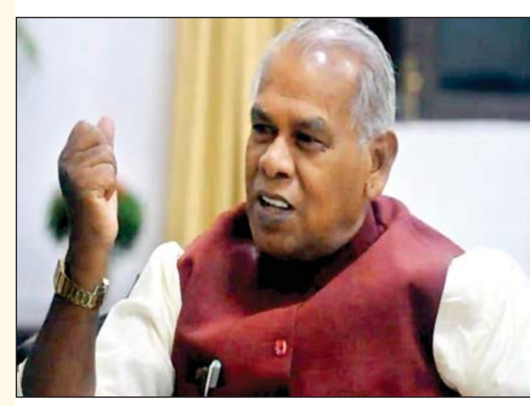

संवाददता

पटना: जेडीयू के सहयोग से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इस बीच पार्टी ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी चिर प्रतीक्षित मांग को तेज कर दिया है। पिछले दिनों नीतीश सरकार के मंत्री विजय चौधरी, अशोक चौधरी और श्रवण कुमार समेत कई नेता इसे लेकर भी मुहिम चला रहे हैं। दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज को लेकर प्रस्ताव पास किया गया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इसका समर्थन किया है। इस बीच केन्द्रीय सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री एवं हम पार्टी के सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने ऐसा बयान दिया है जो जदयू की मुहिम को हतोस्ताहित करने वाला है। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा मिलना संभव नहीं हैजहानाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए जीतनराम मांझी ने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा देना या नहीं देना नीति आयोग तय करता है। जो राज्य कमजोर हैं, उन राज्य को मजबूत बनाने के लिए एनडीए सरकार द्वारा विशेष व्यवस्था की जाएगी। लेकिन बिहार जैसे प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा मिलना संभव नहीं है। विकास के लिए जो भी जरूरत होगी उसे सरकार पूरा करेगी। कई राज्य विशेष राज्य का दर्जा की मांग उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने साफ कर दिया कि ऐसे में किसी एक राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है।इससे पहले हाजीपुर में एक कार्यक्रम में पहुंचे मांझी ने यहां तक कह दिया कि विशेष दर्जे की मांग करना पत्थर पर सिर पटकने जैसा है। इसकी मांग करने वालों के लिए कहा कि ये ठीक नहीं है। विशेष राज्य के दर्जे की मांग बेमानी है। मांझी ने कहा किया कि नीति आयोग ने ये साफ कर दिया है। दूसरी ओर जेडीयू लगातार विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज की अपनी वर्षों पुरानी मांग पर अडिग है।जहानाबाद परिसदन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए जीतनराम मांझी ने रुपौली विधानसभा उपचुनाव के परिणाम पर बयान दिया। रुपौली में नीतीश कुमार और लालू यादव दोनों फेल कर गए और निर्दलीय शंकर सिंह ने दोनों के कैंडिडेट को हरा दिया। इसका असर 2025 के चुनाव पर क्या होगा। इस सवाल पर जीतनराम मांझी ने कहा कि उप चुनाव से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। विरोधी द्वारा भ्रामक प्रचार के कारण लोकसभा में एनडीए को 50- 60 सीटों का नुकसान हुआ। विरोधी द्वारा प्रचार किया गया कि संविधान और आरक्षण खतरा में है जबकि पहले से और देश मजबूत हुआ है।केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि गरीबों और बेरोजगार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एमएसएमई योजनाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत बिहार के सभी जिले में एमएसएमई के तहत प्रशिक्षण केन्द्र बनाए जाएंगे। कलस्टर सेंटर भी बनाए जाएंगे। कलस्टर सेंटर से छोटे-छोटे उद्यमियों को सब्सिडी पर लोन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सूखे नारियल को प्रोसेसिंग कर रस्सी, कपड़े, पैडेस्टर आदि सामान बनाए जाते हैं जिसका निर्यात विदेशों में भी होता है। बिहार में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है। इसको उपयोग में लाने के लिए हर जिले में एक प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की होने वाली बैठक को लेकर प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

संवाददाता

- कार्यक्रम के उचित प्रबंधन के लिए दी गई जिम्मेदारी, प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने प्रदेश पदाधिकारियों, कार्यकताओं से किया संवाद

पटना, 15 जुलाई। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 18 जुलाई को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में होनी है। इस कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कार्यक्रम स्थल पहुंचे और पूरी व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकताओं से संवाद किया। उन्होंने सारी व्यवस्थाओं को बारीकी से जायजा लिया और जहां भी कमियां दिखी उसे दूर करने की भी बात कही। श्री चौधरी के साथ प्रदेश पदाधिकारी, कई मोर्चा के अधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उपस्थित प्रदेश मीडिया संयोजक दानिश इकबाल ने बताया कि इस बैठक में कई प्रदेश स्तरीय नेता, बिहार सरकार के मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद, सभी विधायक, पूर्व विधायक , सभी जिला के अध्यक्ष , मंडल अध्यक्ष के साथ प्रदेश कार्यसमिति के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति होगी। इस बैठक में पूरे प्रदेश से 4000 से अधिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता आने वाले हैं इस कार्यसमिति बैठक के लिए तैयारी अंतिम चरण में है। आज यातायात , खानपान, आमंत्रित लोगों की आगवानी और स्वागत को लेकर जिम्मेदारी तय कर दी गई है। इस कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में बाहर से लोग आएंगे, इस कारण व्यवस्था दुरुस्त रहे, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ आगे के चुनावों में मजबूती से जाने की रणनीति पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने के लिए अध्यक्ष श्री चौधरी के साथ संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर, शिवेश राम, राजेश वर्मा, राजेन्द्र सिंह, एमएलसी अनिल शर्मा, कार्यालय मंत्री प्रवीण चंद्र राय, सह कार्यालय मंत्री सुग्रीव, प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा, संतोष रंजन राय, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा , पटना महानगर अध्यक्ष अभिषेक कुमार सहित प्रदेश के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंडियन रिपोर्टर्स पत्रकार संगठन झारखंड प्रदेश ने ईरा महाराष्ट्र अध्यक्ष संजय के असमायिक निधन पर गहरा दुख जताया, बताया अपूरणीय क्षति

संवाददाता
एस. कुमार

सिरका। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (ईरा) झारखंड प्रदेश समेत ईरा जिला रामगढ़ के सदस्यों ने राज्य महाराष्ट्र के ईरा प्रदेश अध्यक्ष संजय कोटेचा के असामयिक निधन पर गहरा दुख जताया है. सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है. बताया कि इससे ईरा पत्रकार परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंची है. अवसर पर ईरा प्रदेश झारखंड अध्यक्ष रविकांत बनर्जी ने कहा कि पत्रकारों का जीवन अपने समाज और देश के लिए समर्पित होता है, वे जो देखते हैं वही दिखाने का कार्य आम जनमानस के लिए करते है, सभी के बातों को बेबाग तरीके से रखते है, जबकि पत्रकार संगठन में जिम्मेवारियों को निभाते हुए पत्रकार हित में हर संभव कार्य करते रहते है, इसी प्रकार ईरा महाराष्ट्र के अध्यक्ष स्वर्गीय संजय कोटेचा के द्वारा ईरा संगठन के प्रति आस्था व्यक्ति करते हुए राज्य में लगातार पत्रकार हित में कार्य किया, जिसके कारण ईरा पत्रकार संगठन का प्रचार प्रसार और मजबूती मिली. पत्रकार हितों को लेकर हमेशा सरकार के समक्ष अपनी बातें रखते रहे, जनसेवा भावना से कलम को साथ लेकर कार्य करते रहे, उनके लगातार प्रयास से ईरा संगठन पत्रकार संगठन महाराष्ट्र में नई बुलंदियों को छू रहा था, लेकिन एकाएक इस प्रकार की दुखद घटना ने सभी पत्रकार बंधुओ को शोकाकुल कर रख दिया है. जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती. ईरा झारखंड प्रदेश महाराष्ट्र के ईरा अध्यक्ष स्वर्गीय संजय कोटेचा के परिवार के साथ हमेशा खड़ा है, साथ ही दुख में पड़े परिवार को ऊपर वाले से सहनशक्ति देने की प्रार्थना भी करता है. ईरा संगठन उनके कार्यों को हमेशा याद रखेगा। शोक व्यक्त करने वालों में हीरा ईरा रामगढ़ जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, सचिव बिजेंद्र पासवान, ईरा जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष तपन बनर्जी, उपाध्यक्ष गोपाल गिरि, ईरा प्रदेश सदस्यता प्रभारी मोहम्मद एहसान मंजर, ईरा पलामू प्रमंडल सदस्यता प्रभारी रामनिवास पाठक, ईरा दक्षिणी छोटा नागपुर सदस्यता प्रभारी बबलू उरांव, ईरा रामगढ़ जिला सदस्यता प्रभारी कृष्ण कुमार, सदस्य सुरेंद्र राम, बबन राउत, सुनील कुमार, श्याम ठाकुर, अजय तांती, दीनानाथ महतो, पवन सिंह, मो. अयुब, मो. शोएब अख्तर, सज्जाद आरिफ समेत कई पत्रकार शामिल है।

लोकसभा की तरह विधानसभा में भी तीन गुना सीट जीतने का कांग्रेस ने लिया संकल्प

लोकसभा की तरह विधानसभा में भी तीन गुना सीट जीतने का संकल्प लें जिलाध्यक्ष: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

संवाददाता

- कांग्रेस जिलाध्यक्षों की मैराथन बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने दिया तीन गुना सीट जीतने का लक्ष्य
- लोस चुनावों के बाद बिहार कांग्रेस ने की मैराथन समीक्षा बैठक, रखा तीगुना सीट जीतने का लक्ष्य

पटना, सोमवार, 15 जुलाई 2024 लोकसभा चुनाव के बाद बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के साथ आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में मैराथन समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिला से आए अध्यक्षों के साथ लोकसभा चुनाव के बाबत प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने पांच घंटे से ज्यादा गहन चर्चा की जिसमें प्रत्येक जिलाध्यक्षों से चर्चा की गई।बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने मजबूती से प्रत्येक लोकसभा क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दिखाई और सभी जिलाध्यक्षों ने अपने सहयोगी संगठनों के साथ भी अच्छी साझेदारी करके सभी सीटों पर मजबूती से लड़ाई लड़ी। कहां कहां कमियां रह गई थी उसको लेकर आज समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें सभी जिला के अध्यक्षों से क्या क्या कमियां रह गई उसका फीडबैक लिया गया। ताकि आगामी चुनावों को लेकर संगठन को मजबूत किया जा सकें और उन खामियों को दूर करके अभी से चुनाव को लेकर जिम्मेदारियां तय की जाएं। इस तरीके की बैठक से बहुत सारी जानकारियां मिली जिसको लेकर हमलोग अभी से तैयारी में जुट जाएंगे। लोकसभा चुनाव में एक से तीन सांसद होने पर उन्होंने जिलाध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में भी तीन गुना सीटों पर जीत की दर्ज करने का लक्ष्य रखा। साथ ही बैठक में सभी जिलाध्यक्षों को तीन महीने के अंदर बूथ लेवल एजेंट बनाने का निर्देश दिया ताकि विधानसभा चुनाव से पहले संगठन मजबूती से बूथ स्तर तक काम कर सकें। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्रखंड अध्यक्षों की भी अविलंब नियुक्ति करके सभी जिला कमिटियों को पूर्ण करें। साथ ही जो कार्य में शिथिलता बरत रहें हैं उन्हें बदलने की भी आवश्यकता उन्होंने बताई।इस बैठक में विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, पूर्व सांसद अजय निषाद, कोषाध्यक्ष निर्मलेन्दु वर्मा, ब्रजेश पाण्डेय, राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल, डा0 अजय कुमार सिंह, शरवतजहां फातिमा,प्रभात कुमार सिंह, डा0 संजय यादव, शशि भूषण राय, अभय सिंह सार्जन, सतीश कुमार मंटन, अबू तमीम, धनंजय शर्मा, शशि रंजन, परवेज जमाल, राज किशोर चौधरी, अजय सिंह, विधुशेखर पाण्डेय, भारत भूषण दूबे, अरविन्द कुमार मुकुल, मुकेश झा, गोपाल शर्मा, कंचना कुमारी, राजेन्द्र सिंह, ओम प्रकाश गर्ग, नूरी बेगम, विमल कुमार यादव, मनोज कुमार मिश्र, सीताराम चैधरी, गुड्डू पासवान सहित सभी जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षगण मौजूद रहे।

पीएम श्री केद्रीय विद्?यालय क्रमांक-2, बोली रोड में प्रवेशन पाठ्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता

पटना:पीएम की केन्द्रीय विद्यालय बेली रोड, पटना में आज नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों का पंचदिवतीय फेस-टू-फेस प्रवेशन पाठ्?यक्रम के प्रथम भाग का शुभारंभ हुआ। दिनांक 15-07-2024 से 19-07-2024 तक सम्पन्न होनेवाले इस कार्यक्रम में केन्द्रीय वि?द्यालय संगठन, पटना संभाग के कुल 65 नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षक भाग ले रहे हैं। इसका उद्?देश्य नवनियुक्त शिक्षकों को के. वि. सं. के नियमों, उपनियमों, कार्यप्रणाली, वित्तीय क्रियाकलाप, नई शिक्षा नीति- 2020 संबंधी दिशानिदेशों से अवगत कराना तथा तदनुकूल कार्य करने हेतु प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम में के.वि.सं., पटना संभाग के प्रशासनिक अधिकारी श्री भीम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में वि?द्यालय के प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने शिक्षकों को सफलता के मूलमंत्र दिए तथा विद्या प्रवेश, नई शिक्षा नीति, एफ.एल.एन, निपुण आदि अवगत कराया क उन्होंने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महती भूमिका को रेखांठित किया तथा आदर्श नागरिक निर्माण में अपना भरपूर योगदान देने का आह?वान किया। मौके पर मुख्य अतिथि श्री भीम कुमार ने शिक्षकों को सी.सी.एस. कंडक्ट रूल तथा टीचर्स कोड ऑफ कंडक्ट रूल पर विस्तार से बताया । इस कार्यकर में पाठ्यक्रम के सह-निदेशक श्रीमती मधु कुमारी उप-प्राचार्य ने इस पाठ्यक्रम की उपयोगिता से लोगों को अवगत कराया एवं उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। संसाधक के रूप में श्री राजीव रंजन (प्रधानाध्यापक) एवं श्री एस. के. राजू (प्रधानाध्यापक) उपस्थित रहे ।

पूर्व मंत्री राज कुमार महासेठ को पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धाजंलि उन्हें याद कर आंखें नम हो जाती है वैश्य समाज दुर्भाग्यशाली है

संवाददाता

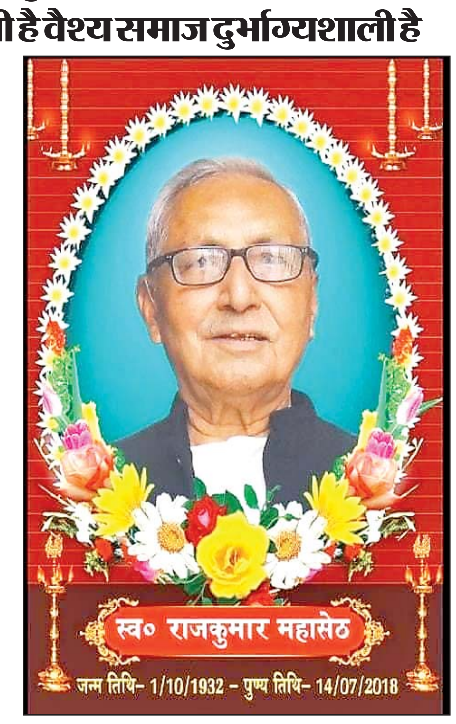

त्र संजय वर्मा)वैश्य समाज के शलाका पुरुष भीष्म पितामह वैश्य राजनीति के अग्रदूत बिहार सरकार के पूर्व मंत्री राज कुमार महासेठ को पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धाजंलि उन्हें याद कर आंखें नम हो जाती है वैश्य समाज दुर्भाग्यशाली है जो अपने समाज इस धरोहर को भूल गया है राज कुमार महासेठ एक व्यक्ति नही पूरी तरह से संस्था थे जिन्होंने समाज को राजनीति की मुख्य धारा से जोड़ा उन्हें समाज मे प्रतिष्ठा दिलाई विधानसभा विधान परिषद में समाज के हक हुकूक अधिकार के लिये आवाज बुलंद किया ऐसे महामानव की पुण्यतिथि जयंती बड़ा से बड़ा आयोजन कर मनाया जाना चाहिये पर दुर्भाग्यवश ऐसा नही हो रहा राजकुमार महासेठ क्या पूर्व वित्तमंत्री समाजवादी नेता शंकर प्रसाद टेकरीवाल पूर्व एमएलसी रामदेव साहू रामचन्द्र प्रसाद ई कृष्णा प्रसाद जैसे समाज के पुरोधा व्यक्तित्व को भी समाज ने बिल्कुल भुला दिया जबकि अन्य जातियां अपने समाज के बड़े से लेकर छोटे मंझोले नेताओं की जयंती पुण्यतिथि धूमधाम से मनाती है घिन्न आती है उन वैश्य नेताओ और दर्जनों वैश्य संगठनों के दुकानदारों पर जो सिर्फ और सिर्फ अपना उल्लू साधना या स्वार्थों की पूर्ति तक ही सीमित है पुनः महामानव राज कुमार महासेठ के चरणों में सादर पुष्प समर्पित करता हूँ

17 तारीख को मोहर्रम पर्व है जिसको लेकर जिला प्रशासन अलर्ट हो गई है.

संवाददाता

नगर थाना अध्यक्ष सुदर्शन राम के द्वारा सीवान शहर में ड्रोन कैमरा से निगरानी की जा रही है.मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो जिसको लेकर नगर थाना अध्यक्ष सुदर्शन राम शहर के विशुनपक्का चूड़ी मंडी झगरहवा बड़ नया किला मैदान तथा अन्य जगहों पर पुलिस बल के साथ घूम घूमकर जांच किया गया है इस दौरान दुकान व मकान के आगे या छत पर ईट पत्थर है तो उसे जल्द से जल्द हटाने को कहां गया.आपको बता दे कि नगर इंस्पेक्टर सुदर्शन राम के नेतृत्व में पुलिस बल सीवान शहर के सड़कों पर उतर शहर में ड्रोन से निगरानी की ताकि मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण संपन्न कराई जा सके. वहीं लोगों से अपील की गई है कि मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारा के साथ मनाएं.

राशन कार्ड धारकों को मिलेगा 5 लाख तक के इलाज की सुविधा

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:जिले के वैसे राशन कार्डधारी जिनका नाम प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थी सूची में नहीं उनके लिए खुशखबरी है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तर्ज पर ही जिले में अब मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू होने जा रही है। इसके तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से वंचित राशन कार्ड धारकों को इस योजना से जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तर्ज पर ही 2013 खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन कार्डधारियों को इसका लाभ मिल सकेगा। किसी कारणवश जो राशनकार्ड प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं ले सके उन लोगों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ मुहैया कराया जाएगा। आगामी18 जुलाई से सीतामढ़ी ज़िला अंर्तगत सभी पीडीएस (राशन दुकानों) पर सभी राशन कार्डधारी परिवारों को 5 लाख रुपये तक का मुफ़्त ईलाज कीडी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राशन कार्डधारी परिवार के सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है । उक्त विशेष अभियान के दौरान शत प्रतिशत राशन कार्डधारी परिवारों के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है ।जिला अंतर्गत सभी पीडीएस /एफपीएस पर कॉमन सर्विस सेंटर के वीएलई /ऑपरेटर को टैग किया गाया है और कार्यपालक सहायक को भी ब्लॉक स्तर से लगाया जायेगा। जिसकी मॉनिटरिंग जिला स्तर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा किया जाएगाजिले का 29 लाख से अधिक लाभार्थियों को मिलेगा योजना का लाभःअइढटखअ और टटखअ के तहत अब जिले के जिससे 646609 परिवार के 2924442 लोगों को योजना का लाभ मिलेगा. जिसमें 753991 लोगों का अब तक कार्ड बनाया जा चुका है.कार्ड बनाने को राशन कार्ड अनिवार्यः कार्ड बनाने के लिए सरकार के स्तर से सीएससी संचालकों को जिम्मा दिया गया है। जन वितरण प्रणाली विक्रेता के यहां कैंप लगेगा और वहां वंचित लोग आएंगे और सीएससी संचालक आयुष्मान कार्ड बनायेंगे। बताया कि आयुष्मान कार्ड धारक व्यक्ति साल में पांच लाख खर्च तक इलाज फ्री में करा सकता है। किसी के पास राशन कार्ड है, तो उसके परिवार के सभी सदस्यों को आयुष्मान भारत के तहत इलाज का लाभ मिलेगा। पीएम आयुष्मान योजना की सूची में अगर किसी का नाम नहीं होगा, तो उस राशन कार्ड धारी का सीएम आरोग्य योजना के अन्तर्गत लाभ मिलेगा।

मांझी बोले-अनंत-राधिका की शादी में लोग फूहड़ ड्रेस में थे

पटना। 12 जुलाई को भारत के बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी हुई। इस शादी में बॉलीवुड, हॉलीवुड से लेकर राजनीति की बड़ी-बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। शादी के दूसरे दिन 13 जुलाई को हुए आशीर्वाद समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे। शादी में बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव भी परिवार के साथ शामिल हुए। वहीं प्रदेश के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने इस शादी में शामिल नहीं होने की वजह बताई है। उन्होंने कहा कि इस शादी में फूहड़ प्रदर्शन हुआ है। फूहड़ कपड़ों के कारण शादी में शामिल लोगों के अंग दिख रहे थे। हमारा परिवार ऐसी जगह नहीं जा सकता था। हम एडजस्ट नहीं कर सकते थे। रविवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जहानाबाद में कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए ये बातें कहीं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से जहानाबाद में पत्रकारों ने सवाल किया कि आप मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में क्यों नहीं गए क्या आपको निमंत्रण मिला था या फिर निमंत्रण ही नहीं मिला इसका जवाब देते हुए मांझी ने कहा कि अंबानी के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए हमें निमंत्रण मिला था। हम लोग छोटे तबके से हैं। जिस संस्कृति में वहां पर स्वागत हुआ और बारात निकली, उसको हम लोग कहते हैं कि फुहड़ ड्रेस में सभी लोग थे। सभी अंग दिख रहा था। ऐसी स्थिति में अपनी बेटी और बहू को वहां पर नहीं ले जा सकते थे। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जिस तरह के सूट और पैंट पहन के लोग वहां जाते हैं। कमर हिलाते हैं, वैसा हम नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि अलग से उन्हें शुभकामनाएं भेज दी है। जाना उचित नहीं समझे। क्योंकि, वहां पर अमीरी का जो प्रदर्शन है, उसमें मेरा परिवार एडजस्ट नहीं कर पाएगा। देश की चर्चित और महंगी शादियों में शुमार अनंत अंबानी की शादी में राजनीतिक, सामाजिक, फिल्म और क्रिकेट जगत के साथ-साथ देश के कई नामचीन हस्तियां शामिल हुई थीं। बिहार से लालू यादव की पूरी फैमिली शादी में शामिल हुई थी। इसके अलावा चिराग पासवान भी अपनी मां के साथ शादी में पहुंचे। रविवार को मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत और राधिका की वेडिंग रिसेप्शन पार्टी हुई।

संक्षिप्त डायरी

पटना में 2 बच्चों के शव मिले परिजन बोले हत्या हुई

पटना। के गर्दनीबाग इलाके में सोमवार सुबह 11 और 12 साल के 2 बच्चों का शव मिला है। दोनों पड़ोसी थे। परिजनों ने बताया कि बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे, शरीर पर चोट के निशान थे। 12 साल के विवेक के पिता विनोद कुमार का आरोप है कि बच्चों की आंखें फोड़ी गई है। जीभ और सीने में चाकू मारा गया है। रस्सी से दोनों के हाथ बंधे थे। पिता का ये भी आरोप है कि कई दिनों से ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट का काम रुका हुआ था। उसे शुरू करने के लिए बच्चों की बलि दी गई है। ग्रीन सिटी में बच्चों की हत्या कर के शवों को यहां फेंका गया है। इधर पुलिस इसे डूबने से मौत बता रही है। सिटी एसपी पश्चिम अभिनव धीमान ने कहा कि 3 बच्चे रविवार को इस इलाके में खेलने आए थे। एक घर लौट गया, दोनों इधर ही खेलते रहे। इलाके के सीसीटीवी में बच्चे रविवार दोपहर करीब 2 बजे जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। शुरूआती जांच में लगता है कि बच्चों की डूबने से मौत हुई है। शव पर कपड़े नहीं थे, वो पानी से भरे गड्ढे के पास पड़े थे। पुलिस हाथ बंधे होने की बात से फिलहाल इनकार कर रही है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि पोस्टमॉर्टम जांच के बाद ही मौत की सही वजह पता चल पाएगी। इधर, गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने पटना के बेऊर स्थित 70 फीट सड़क के पास करीब साढ़े 4 घंटे तक सड़क जाम रखा। आगजनी की, ग्रीन सिटी के गेट पर हल्की तोड़फोड़ भी हुई है। जिन बच्चों के शव मिले हैं, वे गर्दनीबाग थाना क्षेत्र सरिस्ताबाद मोहल्ले के रहने वाले थे। एक बच्चे का नाम विवेक (12) है। जबकि, दूसरे का नाम प्रत्यूष (11) है। प्रत्यूष घर का इकलौता था। विवेक चौथी में पढ़ता था। जबकि, प्रत्यूष 6वीं में पढ़ता था। परिवार ने देर रात ही बच्चों के गायब होने की सूचना पुलिस को दी थी। परिवार का आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने एक्शन नहीं लिया। बच्चों की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने करीब साढ़े चार घंटे सड़क जाम रखा। शव को भी परिजन अपने साथ रखे हुए थे। पुलिस-प्रशासन के समझाने के बाद लोगों ने प्रदर्शन बंद किया है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। दो बच्चों का शव मिलने के बाद से आक्रोशित परिजन करीब 4 घंटे से भी ज्यादा समय से रोड जाम किए हुए हैं। आक्रोशित परिजनों ने ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट के मेन गेट पर तोड़फोड़ की है। बड़ी संख्या में भीड़ बन रहे अपार्टमेंट के पास जुटी हुई है। बच्चों का शव मिलने के बाद से लोगों ने सड़क जाम कर रखा है। SDM श्रीकांत कुण्डलिक, City SP सेंट्रल चंद्र प्रकाश भी मौके पर पहुंचे हैं। ASP विक्रम सियाग भी मौके पर पहुंचे हैं। दो घंटे से सड़क जाम है। परिजन आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने ग्रीन सिटी प्रोजेक्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे को जब्त किया है। एक गार्ड को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल उससे पूछताछ चल रही है। पटना के गर्दनीबाग इलाके में सोमवार सुबह दो बच्चों के शव मिले हैं। दोनों की उम्र 11 और 12 साल है। दोनों पड़ोसी थे। दोनों बच्चे के हाथ-पैर बंधे थे, शरीर पर चोट के निशान थे। सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में दोनों के शव पड़े थे। मॉर्निंग वॉक कर रहे लोगों की नजर शवों पर पड़ी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पति की मौत 2 घंटे बाद पत्नी की गई जान

समस्तीपुर। में सोमवार की सुबह पति की मौत के ठीक दो घंटे बाद पत्नी की भी मौत हो गई। जैसे ही यह खबर गांव में फैली मृतकों के घर पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजन और ग्रामीण उन्हें भाग्यशाली दंपती कह अंतिम संस्कार में जुट गए हैं। सुबह से ही उनके घर पर बैंड बाजा बज रहा है। लोगों का कहना है कि दंपती के बीच अटूट प्रेम था और दोनों ने साथ जीने और मरने की कसम को पूरा किया। मोहिउद्दीन नगर के अंदौर गांव में हुई इस घटना के बाद दंपती को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चा हो रही है। आज शाम पूरे धूम-धाम से दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। दरअसल, किसान परमानंद प्रसाद (75) काफी दिन से बीमार थे। उनकी पत्नी सुशीला देवी (70) दिन-रात उनकी सेवा करती थीं। सोमवार की सुबह करीब 4 बजे परमानंद प्रसाद का निधन हो गया। इसकी सूचना के बाद घर पर पहुंचे परिजन और ग्रामीण उनके अंतिम संस्कार की तैयारी में जुट गए। इसी दौरान परमानंद की पत्नी सुशीला देवी अचानक बेहोश हो गई। करीब 6 बजे उनकी भी मौत हो गई। लोगों ने बताया कि वह पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई। इस उम्र में भी वह अपने पति की देखरेख, दवा, उन्हें स्नान कराना आदि सब काम समय पर करतीं थीं। इस सूचना के बाद आसपास के ग्रामीण भी बुजुर्ग दंपती को देखने के लिए उनके घर पर जुट रहे हैं। बुजुर्ग दंपती की एक साथ मौत को लोग शुभ बता रहे हैं। उनकी इकलौती संतान शिक्षक शंभू कुमार द्वारा गाजे-बाजे के साथ उनकी अंतिम विदाई की तैयारी की जा रही है।

पड़ोसी ने की बाप-बेटे पर 5 राउंड फायरिंग एक की मौत

सीवान। में जमीन विवाद में फायरिंग की गई। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई, वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल है। रिश्ते में दोनों पिता-पुत्र है। घायल पिता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, इस मामले में फरार आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी है। पुलिस आरोपी के भाई और परिजन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना सीवान के दरौली थाना क्षेत्र के कनैला गांव की है। मृतक की पहचान मखदूम सराय थाना क्षेत्र के केजीएन कॉलोनी निवासी संटू आलम (24) है। वहीं, घायल पिता ओसिहर अंसारी (45) हैं। ओसिहर अंसारी का कनैला गांव में नानी का घर है। यहां ओसिहर की कुछ जमीन है। इस जमीन को लेकर पड़ोसियों से विवाद चल रहा था। उसी विवाद के सिलसिले में आज संटू आलम और ओसिहर कनैला गांव गए थे। इसी दौरान पड़ोसी ने उनपर फायरिंग कर दी। घायल ओसिहर अंसारी ने बताया कि मैंने अपना खेत बटाई पर दिया है। मेरे पड़ोसी बटाईदार को खेत जोतने नहीं दे रहे थे। इसको लेकर मैं बातचीत करने आया था। मैंने उनसे कहा कि जब यह जमीन मेरी है तो आप इसे खेत जोतने से क्यों रोक रहे हैं तभी सामने से मनोव्वर अंसारी उर्फ गोलू अंसारी बंदूक लेकर आए और ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। कुल पांच राउंड फायरिंग की। पड़ोसी इरफान अंसारी ने बताया कि संटू और उनके पिता के ऊपर गोली चला दी है। गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। जांच में विवाद का पता चला। तसौर उर्फ गोलू अंसारी ने संटू अंसारी और ओसियर अंसारी पर गोली चलाई है।

पूर्णिया में शराबी पति ने की पत्नी की हत्या

पूर्णिया। में शराबी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। मृतका का शव संदिग्ध हालत में उसके ससुराल के कमरे में पड़ा हुआ मिला। हत्या से पहले उसकी खूब पिटाई की। फिर गला दबाकर मार डाला। 5 साल पहले ही दोनों की शादी हुई थी, जिससे दो बच्चे भी हैं। वारदात के बाद शराबी पति, सास और ससुर फरार है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। शरीर पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। घटना भवानीपुर के महत्मा चाप गांव की है। मृतका की पहचान भवानीपुर थाना के महत्मा चाप गांव निवासी इंद्रजीत मंडल (30) की पत्नी रंजू देवी (25) है। घटना के संबंध में मृतका के पिता हिरण मंडल ने बताया कि पति शराब के नशे में अक्सर उनकी बेटी को मारता पीटता था। कल रात भी वो शराब के नशे में घर आया था। किसी बात को लेकर पत्नी से बहस हो गई। जो मारपीट में बदल गई। मारपीट से भी आरोपी का मन नहीं भरा तो उसने नशे की हालत में पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। देर रात बेटी के मायके से उसकी सास का कॉल आया और पेट दर्द से मौत की बात बताई गई। सुबह जब वे बेटी के ससुराल पहुंचे तो पति, सास और ससुर सभी घर छोड़कर फरार थे। जब वे कमरे में गए तो बेटी की लाश पड़ी थी। बच्चे बिलख रहे थे। गले में काला निशान था। शरीर पर कई जगह ताजे जख्म के निशान थे। बच्चों ने बताया कि पिता ने रविवार की रात मम्मी से मारपीट की थी। इसी के बाद पिता ने गला दबाकर मां की हत्या कर दी। वारदात के बाद से मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस में शव को अपने कब्जे में ले लिया है और पोस्टमॉर्टम में जुट गई है।

भागलपुर में दरवाजे पर गाड़ी लगाने को लेकर हुआ था विवाद बिना दुल्हन लौटी बारात

भागलपुर। में शादी के दौरान फायरिंग का मामला सामने आया है। इस घटना में दूल्हे के मौसा की सिर में गोली लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। फायरिंग दुल्हन के फुफेरे भाई ने की और कट्टा लहराते मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद विवाह कार्यक्रम रोक दिया गया। इसके साथ ही बिना दुल्हन बारात लौट गई। मामला नवगछिया के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, इस्माइलपुर प्रखंड के शिव मंदिर टोला में रविवार की रात शादी समारोह का आयोजन था। दरवाजा लगाते समय दुल्हन के फुफेरे भाई ने कहा कि गाड़ी दरवाजे तक लाएं। लेकिन दूल्हे के मौसा ने कहा बिजली का पोल है। इससे गाड़ी वहां तक नहीं जा सकेगी। इससे नाराज शराब के नशे में धुत आरोपी साजन ने 2 बार हवाई फायरिंग की। इसे रोकने के लिए जब दूल्हे के मौसा मौके पर पहुंचे तो आरोपी ने उनके सिर में गोली मार दी। दरअसल, अर्जुन मंडल की बेटी पिंकी कुमारी की शादी 14 जुलाई की रात होनी थी। भागलपुर के पीरपैंती के मोहनपुर निवासी दीपक कुमार से शादी होनी थी। बारात पंडाल तक पहुंची, लेकिन दूल्हे की गाड़ी दरवाजा तक नहीं पहुंची। दुल्हन की मां गुंजन देवी ने कहा कि हम लोग शादी की विधि विधान कर रहे थे। इसी दौरान लोग इधर-उधर दौड़ने लगे।

गांव-पंचायतों में जनसंवाद अभियान चलाएगी भाकपा माले

समस्तीपुर। में भाकपा माले जिला कमेटी का दो दिवसीय बैठक का आज अंतिम दिन था। सोमवार को विभूतिपुर के पतैलिया पुस्तकालय पर संबोधित करते हुए भाकपा माले पोलिट ब्यूरो सदस्य धीरेंद्र झा ने कहा कि भाजपा के दमनकारी, महंगाई एवं बेरोजगारी वाली अडानी- अंबानी की सरकार से जनता मुक्ति चाहती है। मोदी सरकार वाजिब हकों को नकार रही है। राज्य को विशेष राज्य का दर्जा मिलना देश के विकास के लिए जरूरी है। अगर सरकार इस बार नकारती है, तो विधानसभा चुनाव में भाजपा-जदयू को भारी फजीहत झेलनी होगी। माले केंद्रीय कमेटी सदस्य मंजू प्रकाश ने कहा कि दक्षिण बिहार की तरह भाकपा माले का तेवर वाला आंदोलन उत्तर बिहार में भी तेज होगा। दलितों-गरीबों का व्यापक और विराट आंदोलन खड़ा किया जाएगा। राज्य सरकार घोषणानुसार सभी गरीबों को 2 लाख रुपए और 5 डिसमिल जमीन देना होगा। विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं में जारी लूट-भ्रष्टाचार, गिरती कानून-व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा।

पुलिस गाड़ी के सामने महिला ने बनाई रील वीडियो

सहरसा। में एक महिला का बीच सड़क पर पुलिस वाहन को रोककर रील बनाने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला भोजपुरी गाने पर डांस करती नजर आ रही है। इस दौरान सड़क पर महिला के पीछे नवहट्टा थाने की गाड़ी भी दिख रही है। महिला के रील बनाने के कारण पुलिस की गाड़ी रुक जाती है। वहीं, रील बनाने वाली महिला का एक और वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह लोगों से आग्रह करती है कि उनका वीडियो देखने वाले सभी लोग सहरसा के तो रहने वाले नहीं होंगे, सब अलग-अलग जगह के रहने वाले हैं, इसलिए मुझे ज्यादा से ज्यादा फेमस कर दीजिए। बताया जाता है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो एक सप्ताह पुराना है। इसे लेकर नवहट्टा थाना के थानाध्यक्ष गुड्डू कुमार ने बताया कि वीडियो एक सप्ताह पहले का है। थानाध्यक्ष ने पुलिस गाड़ी को रोक कर रील बनाने की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही बताया है कि वरीय अधिकारी अपने काम से जा रहे थे, उसी समय महिला को रील बनाते हुए देखा गया।

26 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार। में मानसून एक्टिव है और झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 26 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश के दौरान पटना समेत उत्तर और दक्षिण बिहार के कई हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। वहीं, मुजफ्फरपुर के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। कटरा प्रखंड में बागमती और लखनदेई नदी ने शनिवार को विकराल रूप धारण कर लिया। बाढ़ के पानी से बकुची, पतारी, अंदामा, बसघट्टा, नवादा, गंगेया गांव के करीब 50 हजार से ऊपर की आबादी घिर गई है। इधर मुंगेर में बारिश के बाद दियारा क्षेत्र के निचले इलाके में गंगा का पानी भर गया है। गंगा के पानी में इलाके के बच्चे पेड़ से झूल कर कूद रहे हैं, स्टंट कर रहे हैं। जबकि प्रशासन की ओर से लगातार लोगों को सावधान रहने को कहा जा रहा है। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले दो से तीन दिनों तक राज्य में मानसून सामान्य रहेगा। लेकिन, 15 से 18 जुलाई तक कहीं भी भारी बारिश की संभावना नहीं है। इस स्थिति में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इससे लोग उमस भरी गर्मी महसूस करेंगे। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के कारण उत्तर बिहार की नदियां उफान पर हैं। घाघरा, गंडक, बागमती, कमला बलान, कोसी, महानंदा और परमान नदी खतरे के निशान से ऊपर हैं। वहीं, पूर्णिया के संथाल टोली पहाड़िया में बाढ़ का पानी घुस गया है। गांव के 500 महादलित परिवार पानी के बीच रहने को मजबूर हैं। वहीं, गांव से बाहर निकलने के लिए नाव की सुविधा न होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। 24 घंटे में गंगा का जलस्तर पटना के दीघा घाट पर 14 सेमी और गांधी घाट पर 14 सेमी बढ़ा है। दीघा घाट पर खतरे का निशान 50.45 मीटर पर है। यहां गंगा का जलस्तर 48.13 मीटर है, जो लगातार बढ़ रहा है। वहीं, गांधी घाट पर लाल निशान 48.60 मीटर है, जबकि गंगा 47.55 मीटर पर बह रहा है। राजधानी पटना में सोमवार को बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। पटना में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना नहीं है। लोगों को उमस भरी गर्मी महसूस होगा। नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि से बगहा के निचले इलाकों में पानी भर गया है। खासकर इस बाढ़ के कारण सिसही और चिउरही पंचायत के नैनहा, गदीयानी टोला, बीरता, मदरहवा, सिसई, चीउरही आदि गांवों की तकरीबन 5 हजार आबादी पूरी तरह से प्रभावित है। लोग ऊंची जगहों पर मचान बनाकर रह रहे हैं।

आगरा में 109 शिक्षकों ने दिया सामूहिक इस्तीफा:डिजिटल अटेंडेंस के विरोध में 7 दिन से आंदोलन कर रहे

आगरा। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों का ऑनलाइन अटेंडेंस का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। अभी तक काली पट्टी और ज्ञापन देकर शिक्षक विरोध जता रहे थे। मगर, अब शिक्षकों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। एत्मादपुर, बाह और फतेहाबाद संकुल के 109 शिक्षकों ने खंड शिक्षाधिकारी को पुरानी मांग और ऑनलाइन अटेंडेंस के विरोध में सामूहिक इस्तीफा सौंपा। डिजिटल उपस्थिति के विरोध में सातवें दिन भी शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन व बहिष्कार जारी रहा। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन व प्राथमिक शिक्षक संघ के द्वारा प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जा रहा है। विरोध के चलते शिक्षक लगातार विभागीय व्हाट्सएप्प ग्रुप से लेफ्ट हो रहे हैं ।

जनपद के करीब 2 हजार शिक्षकों ने अपने आपको विभागीय व्हाट्सएप्प ग्रुप से बाहर कर लिया है इसी क्रम में प्रतिनियुक्ति के पदों से त्यागपत्र का भी सिलसिला लगातार जारी है। सोमवार को ब्लॉक एत्मादपुर के 40, फतेहाबाद के 44 व बाह के 25 संकुल शिक्षकों ने अपने पद से इस्तीफा खण्ड शिक्षा अधिकारी को सौंप दिया। यूटा के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर के द्वारा की गई विभागीय असहयोग की अपील से अवगत कराते हुए उनसे प्रतिनियुक्ति के पद यथा- ए.आर.पी. व शिक्षक संकुल के पद से तत्काल त्यागपत्र देने का अनुरोध किया। जिला महामंत्री राजीव वर्मा ने बताया है कि पदाधिकारियों की ब्लॉकवार टीम गठित कर दी गयी हैं । आगामी तीन दिन में टीम के सदस्य जनपद भर के सभी संकुल शिक्षक से त्यागपत्र दिलवाने का प्रयास करेंगे। वहीं संगठन के जिलाध्यक्ष केशव दीक्षित के नेतृत्व में आगामी तीन दिनों में जनप्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि जब तक शिक्षकों को 30 ईएल, हाफ सीएल, प्रतिकर अवकाश इत्यादि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती तबतक शिक्षक डिजिटल उपस्थिति कदापि नहीं देंगे।

उन्होंने शिक्षाधिकारियों को भी चेतावनी दी है कि यदि शिक्षकों को विभागीय कार्यवाही का भय दिखाकर मानसिक दबाव डालकर ऑनलाइन उपस्थिति के लिए टॉर्चर किया तो परिणाम ठीक नहीं होंगे। वहीं, उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश दीक्षित ने बताया कि शिक्षकों ने संगठन के आवाह्न पर काली पट्टी बांधकर लगातार विरोध प्रदर्शन जारी रखा है और कहा कि तब तक केवल शिक्षकों उपस्थिति की दोहरी व्यवस्था खत्म नहीं होगी, डिजिटल उपस्थिति बहिष्कार जारी रहेगा। प्राथमिक शिक्षक संघ की पहल पर विकास खंड फतेहाबाद में, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ फतेहाबाद के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा एवं ब्लॉक कोषाध्यक्ष बिंदु यादव के नेतृत्व में फतेहबाद के 44 संकुल शिक्षकों ने अपने संकुल प्रभारी पद से इस्तीफा दिया।

अभी अन्य संकुल शिक्षकों द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तीफा दिए जाने का मन बना लिया हैं ।

संक्षिप्त डायरी

तीजे ने चाची को गोली मारी:बच्चों के खेलने को लेकर हुई कहासुनी

आगरा। आगरा में रविवार की रात आपसी कहासुनी में भतीजे ने चाची को गोली मार दी। गोली लगने चाची गंभीर रूप से घायल हो गई है। परिजन तुरंत उसे अस्पताल ले गए। हालत नाजुक देखते हुए उसे एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। रविवार शाम करीब 8 बजे थाना सैंया अंतर्गत गांव तोड़ूपुरा में बंटी बघेल व कोमल में बच्चों को खेलने को लेकर विवाद हो गया। विवाद में बंटी व कोमल पक्ष की महिलायें व पुरुष आमने सामने आ गए। इसी बीच बंटी पुत्र मनोहर घर से तमंचा लेकर आया और गोली चला दी। ग्रामीणों ने बताया कि गोली कोमल की पत्नी ममता उम्र करीब 42 वर्ष महिला की आंख के ऊपर लगी है। गोली लगने से महिला गंभीर घायल हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को उपचार हेतु एसएन हॉस्पिटल आगरा भेज दिया। वहीं गांव में सन्नाटा छा गया। परिजन ममता को तत्काल पास के अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत में उसे एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

अनंत-राधिका को वृंदावन आने का निमंत्रण

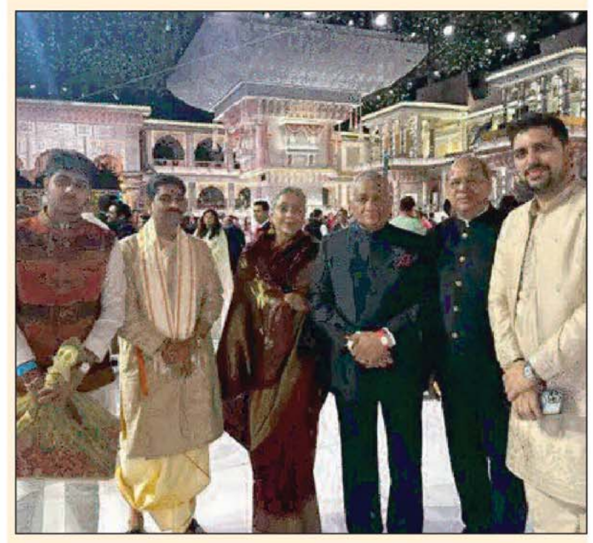

मथुरा।उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी में शामिल होने के लिए मथुरा वृंदावन से ब्रजवासी भी मुंबई पहुंचे। प्रख्यात भागवत प्रवक्ता देवकी नंदन महाराज ने आशीर्वाद समारोह में अनंत अंबानी को रामायण भेंट की तो बांके बिहारी मंदिर के पुजारी गोपी गोस्वामी ने उनको बांसुरी भेंट की। इस दौरान ब्रजवासियों ने अनंत अंबानी और उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट को वृंदावन आने का निमंत्रण दिया। आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए धमार्चार्य अंबानी परिवार में विवाह कार्यक्रमों की श्रंखला के अंतिम चरण में शुभ आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। वृंदावन से आमंत्रित देवकी नंदन महाराज ने अनंत-राधिका अंबानी को उपहार में रामायण की प्रति भेंट कर, आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट के दौरान उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी । 12 जुलाई को अनंत अंबानी और राधिका का विवाह सम्पन्न हुआ।

शनिवार को मुंबई में भारतीय संस्कृति की थीम में सजाये गये जिओ सेंटर में नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान करने के लिये देश के प्रमुख सनातनी संतों एवं कथाकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। प्रियाकान्तजु मंदिर के संस्थापक देवकी नंदन महाराज ने नव दंपति को रामायण की प्रति भेंट कर वृंदावन आने का न्यौता दिया ।

जिसे अनंत-राधिका अंबानी ने स्वीकार करते हुये जल्द वृंदावन दर्शन की बात कही । शुभकामनाएं देते हुये देवकी नंदन महाराज ने कहा कि जिस तरह भारतीय संस्कृति और संस्कारों के अनुरूप संत-महात्माओं को सम्मान किया गया वह प्रशंसनीय है .मंदिर सचिव विजय शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि आयोजन स्थल को काशी के मंदिरों की थीम पर सजाया गया था। ठाकुर जी के भजन के बीच नव युगल प्रत्येक धर्म गुरू से मिले और आशीर्वाद लिया। प्रारम्भ में अंबानी परिवार के पूर्वजों की शॉर्ट फिल्म दिखाकर उन्हें नमन किया। आयोजन में सभी विदेशी मेहमानों के लिये साड़ी और कुर्ता पायजामा की थीम रखी गयी थी।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल हुए।

विश्व धरोहर स्मारक बुलंद दरवाजा में बनाई बिरयानी

आगरा। फतेहपुसीकरी में बुलंद दरवाजा परिसर में गैस चूल्हे पर बिरयानी पकाई गई। इसका वीडियो सामने आया तो एएसआई विभाग में हड़कंप मच गया। लापरवाही बरतने पर दो सुरक्षाकर्मियों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। बुलंद दरवाजा विश्व धरोहर स्मारक है। हर साल जायरीन यहां जियारत के लिए आते हैं। रविवार को भी जायरीनों की बहुत भीड़ पहुंची थी। इसी भीड़ में एक परिवार ने बुलंद दरवाजा परिसर में सिलेंडर लगाकर पतीले में बिरयानी बनाई। वीडियो की जानकारी होते ही एएसआई विभाग ने उस परिवार को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वो परिवार नहीं मिला। पुरातत्व विभाग के

संरक्षक सहायक दिलीप सिंह ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर जवानों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। कड़ी कार्रवाई करने को अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जा रही है। परोसी जा रही है बिरयानी 22 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि एक छोटा सिलेंडर रखा है। उसके पास ही एक महिला बैठी है, जो बड़े से भगौने से बिरयानी निकाल कर परोस रही है। आसपास गंदगी भी बहुत दिख रही है। वीडियो में स्मारक के अंदर की गदंगी भी सवाल खड़े कर रही है।विश्व धरोहर स्मारक के लिए बहुत सारे नियम होते हैं। संरक्षित रखने के लिए एएसआई सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने से लेकर पर्यटकों की बहुत सारी गतिविधियों को प्रतिबंधित रखते हैं। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि सिलेंडर, भगोना, चावल, मांस आदि परिसर के अंदर पहुंचा कैसे। सुरक्षाकर्मियों ने क्या चेकिंग की और जिस समय बिरयानी बन रही थी, उस समय किसी को जानकारी क्यों नहीं हुई। प्रतिबंधित है खाना बनाना किसी भी विश्व धरोहर स्मारक में खाना बनाना या इस तरह की अन्य गतिविधियां करना प्रतिबंधित है। इसके बाद भी परिसर में सिलेंडर पहुंच गया।

घर में मिला लार्वा तो लगेगा जुमार्ना आगरा में शुरू हुआ चैकिंग अभियान

आगरा। आगरा में डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ रहा है। इसके चलते स्वास्थ्य विभाग ने चैकिंग अभियान शुरू कर दिया है। चैकिंग अभियान के दौरान अगर किसी घर में लार्वा मिला, तो जुमार्ना लगाया जाएगा। घरों की चैकिंग की जाएगी। जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव का कहना है कि मलेरिया विभाग की टीम घरों में कूलर, हौज और जहां पानी बरा है, वहां जांच करेगी। पहली बार लार्वा मिलने पर 100 रुपए का जुमार्ना लगेगा। दूसरी बार पर 500 रुपये का जुमार्ना भरना होगा। डेंगू, मलेरिया की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। कूलर, हौज और घरों में पानी भरकर रखने के स्थान पर समय-समय पर पानी बदलने की लोगों से अपील की है। इस अभियान के दौरान उन क्षेत्रों और मकानों की सूची भी बनाई जाएगी, जहां पर मच्छरों का प्रजनन अधिक पाया जाएगा। इन स्थानों की सूची बनाकर यहां पर मच्छर मारने की दवा का छिड़काव कराया जाएगा। सीएमओ ने बताया कि अभियान के दौरान दस्त रोग के संचरण की संभावना देखते हुए फ्रंटलाइन वर्कर्स अपने साथ ओआरएस पैकेट और क्लोरीन की गोलिया भी अपने साथ रखेंगी और दस्त से बचाव के प्रति लोगों को जागरुकर करेंगी। बुखार की होगी जांच31 जुलाई तक चलने वाले दस्तक अभियान के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) घर-घर जाकर दस्तक देंगी।

संकरी गलियों में इस्तेमाल करें फायर बाइक डीजी फायर ने आगरा में फायर स्टेशन का किया निरीक्षण

आगरा। आगरा में डीजी फायर अभिनाश चंद्र ने शास्त्रीपुरम में बने फायर स्टेशन का निरीक्षण किया। फायर स्टेशन पर मौजूद उपकरणों की जानकारी ली। संकरी गलियों में फायर बाइक के इस्तेमाल के निर्देश दिए। डीजी फायर अभिनाश चंद्र सोमवार को आगरा पहुंचे। शास्त्रीपुरम में बने फायर स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएफओ सहित शास्त्रीपुरम, संजयप्लेस, ईदगाह, ताजनगरी के अग्निशमन अधिकारी मौजूद रहे। डीजी फायर ने फायर स्टेशन पर मौजूद आधुनिक उपकरण, हाइड्रोलिक टूल्स, कॉम्बी टूल्स, कटिंग टूल्स, ब्रीदिग अप्रेस्टस उपकरणों

जानकारी ली। शास्त्रीपुरम फायर स्टेशन की साफ सफाई और रख रखाव को देख संतोष जाहिर किया। फायर स्टेशन में पौधारोपण भी किया।डीजी फायर ने कहा कि संकरी गलियों में बड़ी गाड़ियां नहीं जा पाती हैं। घनी आबादी में भी दिक्कत आती है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घने बाजारों में नहीं जा पाती हैं। ऐसे में फायर बाइक का इस्तेमाल किया जा सकता है। फायर बाइक में छोटी टंकी लगी होती है। पाइप लगा होता है। इससे प्राथमिक स्तर पर आग बुझाने का काम शुरू किया जा सकता है। आगरा में फायर बाइक की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। शॉर्ट सर्किट से लगती है सबसे ज्यादा आग डीजी फायर ने कहा कि सबसे ज्यादा आग लगने की घटनाएं शॉर्ट सर्किट से लगती है। ऐसे में फायर एनओसी देने से पहले सभी नियमों और सुरक्षा का बारीकी से निरीक्षण करें। बिजली की तारों की व्यवस्था क्या है, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की स्थिति में एग्जिट पोइंट्स क्या हैं, पानी की क्या व्यवस्था है, आग बुझाने के उपकरण कितने हैं आदि की जानकारी रखनी चाहिए।

यमुना एक्सप्रेस वे पर ट्रैक्टर ट्राली के संचालन पर प्रतिबंध लगाने का किया विरोध

मथुरा। मोरकी इंटर कॉलेज में रविवार को किसानों ने पंचायत की। उन्होंने यमुना एक्सप्रेस वे पर ट्रैक्टर-ट्राली के संचालन पर प्रतिबंध लगाने का विरोध किया। भारतीय किसान यूनियन (अरा.) के मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर ने कहा कि अगर दो दिन में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसान पंचायत आगे कोई भी बड़ा निर्णय ले सकती है। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।किसान पंचायत के बाद किसानों ने एसडीएम मांट के नाम कोलाहार चौकी इंचार्ज इंस्पेक्टर जितेंद्र तेवतिया को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में लिखा है कि एसडीएम मांट 15 जुलाई शाम तक प्राधिकरण के अधिकारियों से किसानों की वार्ता कराएं। अन्यथा किसान दूसरा निर्णय लेंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

कांग्रेसियों ने निकाला पैदल मार्च पार्किंग और हाउस टैक्स में मनमाना चार्ज वसूलने का लगाया आरोप

आगरा। सोमवार को कांग्रेस पार्टी ने पैदल मार्च निकालकर नगर निगम में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस का आरोप था कि लोगों से मनमाना हाउस टैक्स वसूला जा रहा है। जलभराव से पूरा शहर तालाब बना है। पार्किंग के नाम पर गुंडई की जा रही है। नगर निगम में लोगों की समस्याओं की सुनवाई न होने को लेकर सोमवार दोपहर को कांग्रेस कार्यकताओं ने हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एमजी रोड से पैदल मार्च निकाला। नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। सभी कार्यकर्ता नगर निगम परिसर में पहुंचे। यहां पर धरने पर बैठ गए। शहर अध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि जनता नगर निगम से परेशान हैं। लोगों पर मनमाने तरीके से हाउस टैक्स लगा दिया गया है। किसी को 10 हजार तो किसी को 20 हजार का बिल भेज दिया है। हाउस टैक्स का कोई मानक नहीं है। इसके अलावा दूसरी बड़ी समस्या संजय प्लेस में पार्किंग की है। पार्किंग वसूली के नाम पर गुंडागर्दी हो रही है। लोगों की बाइकों को जबरन उठाया जा रहा है। पार्किंग के गुंडे लोगों से बदसलूकी करते हैं। इस पर तुरंत रोक लगे। वहीं मानसून में सबसे बड़ी दिक्कत जलभराव की है। नालों की सफाई नहीं हुई है। हल्की सी बारिश में शहर जलमग्न हो जाता है। पेयजल के लिए भी लोग परेशान हैं। तीन-तीन दिन पानी नहीं आता है। उन्होंने अपर नगर आयुक्त के माध्यम से नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि अगर जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करने पर बाध्य होगी।

लड़की ने भगवान लड्डू गोपाल संग शादी रचाई:युवती का कान्हा पर आया दिल

मथुरा। जब प्रीत कान्हा से लग जाए तो वह उनका होकर रह जाता है। हल्द्वानी की रहने वाली युवती का दिल कान्हा से लगा तो वह सब कुछ छोड़कर उनका हो गई। युवती ने वृंदावन से लड्डू गोपाल मंगाए और हल्द्वानी में पूरे विधि विधान से रचाया विवाह। इस अनौखी शादी में शामिल हर शख्स भगवान के प्रति इस अटूट भक्ति को देख युवती की सराहना करने लगा। कान्हा के प्रेम में हुई दीवानी हमने सुना है मीरा ने कान्हा की चाहत में अपना सब कुछ छोड़ दिया और वृंदावन में गलियों में घूम घूम कर हरी गुण गाने लगी थी। ऐसा ही कुछ हुआ है हल्द्वानी की रहने वाली 21 वर्षीय युवती के साथ। युवती का दिल जब कान्हा पर आया तो उसने सब कुछ छोड़कर उनके साथ रहने की जिद परिवार से कर डाली। वृंदावन से ले जाए गए कान्हा हल्द्वानी की रहने वाली हर्षिका को समझाने का परिवार के लोगों ने प्रयास किया लेकिन जब कोई सफलता नहीं मिली तो उसकी जिद के आगे झुक गए। हर्षिका की कान्हा जी से शादी के लिए उनके परिजन वृंदावन आए और यहां से लड्डू गोपाल लिए। उनका आकर्षक श्रृंगार कराया गया।भगवान लड्डू गोपाल को लेने के बाद परिजन भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने गए वहां उन्होंने हर्षिका की शादी का कार्ड दिया। इसके बाद परिजन लड्डू गोपाल को लेकर हल्द्वानी पहुंचे। जहां शुरू हुई शादी की रस्म। कान्हा जब हल्द्वानी पहुंचे तो गांव वालों ने स्वागत किया।5 वीं तक पढ़ी दिव्यांग हर्षिका पंत कान्हा को अपना बनाने के लिए पिछले 15 वर्ष से करवा चौथ का व्रत रख रहीं थीं। हर्षिका ने जब अपने और कान्हा के प्रेम के बारे में परिवार को बताया तो सभी लोग असमंजस में पड़ गए। लेकिन बेटी की जिद और कान्हा को दामाद बनाने की चाहत के आगे वह मान गए।

अनंत अंबानी की शादी के कार्ड पर मथुरा में विवाद

मथुरा। मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी की जहां दुनियाभर में चर्चा है। वहीं शादी के कार्ड को लेकर ब्रज के पुजारियों में विवाद छिड़ गया है। कुछ मंदिरों के पुजारियों ने शादी का कार्ड चढ़ाने के बाद वापस ले जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है- कुछ लोग कार्ड लेकर आए थे। मंदिर में चढ़ाने के बाद कार्ड अपने साथ ले गए। कुछ पुजारियों का कहना है कि कार्ड कहीं नहीं गया। जिनके नाम से आया है, उनके पास है। बताया जा रहा है कि यह कार्ड काफी महंगा था। इसमें भगवान की सोने की 4 प्रतिमा थी। इसके अलावा कार्ड में एक कीमती शॉल भी रखा था।अनंत अंबानी की शादी के कार्ड ब्रज के बांके बिहारी मंदिर, गोवर्धन के दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारबिंद मंदिर जतीपुरा, मथुरा के यमुना जी मंदिर, टटिया स्थान सहित कई अन्य धमार्चार्य और साधु संतों को भेजे गए थे। कार्ड लेकर आने वाले लोगों ने मंदिरों में कार्ड अर्पित किया। इसके फोटो और वीडियो भी बनाए। मथुरा के यमुना जी मंदिर और गोवर्धन के दानघाटी मंदिर

के पुजारियों ने कार्ड को भगवान के चरणों में अर्पित करने के बाद वापस ले जाने का आरोप लगाया। पुजारियों का कहना है कि कुछ लोग अनंत अंबानी की शादी का कार्ड लेकर आए और भगवान के चरणों में रखा। कुछ देर बाद ही कार्ड वापस लेकर चले गए।विश्राम घाट यमुना मंदिर समिति के संरक्षक एवं वर्तमान में मंदिर के सेवायत पुजारी सुभाष चतुर्वेदी ने बताया- कुछ लोग अनंत अंबानी की शादी के कार्ड को लेकर विश्राम घाट यमुना मंदिर पर आए थे। अटैचीनुमा कार्ड था। कार्ड को यमुना जी के चरणों में रखने को कहा गया, उन लोगों ने फोटो खींचा, कार्ड को खोलने के लिए भी कहा। हमने कार्ड खोला, इस दौरान उन्होंने एक फोटो खींच ली। इसके बाद कहा कि कार्ड वापस कर दीजिए। जब उन्होंने कार्ड वापस मांगा तो हमें अच्छा नहीं लगा। हमने तुरंत कार्ड वापस दे दिया। यह यमुना जी का घोर अपमान था।मंदिर के सेवायत ने कहा- हमने देखा कि कार्ड में यमुना जी मंदिर विश्राम घाट लिखा हुआ था। वो अंबानी परिवार का कार्ड था। मंदिर के नाम निमंत्रण था। मैंने खुद कार्ड खोलते हुए देखा था। जिसने भी यह काम किया है, वो गलत है। कार्ड की कीमत की वजह से ऐसा किया गया है। पुजारी ने लिफाफा लेने से किया इनकार कार्ड लेकर आए व्यक्तियों ने पुजारी को एक लिफाफा भी दिया, लेकिन मंदिर के पुजारी ने लिफाफा नहीं लिया। पुजारी ने कहा कि यमुना जी का अपमान कर रहे व्यक्तियों से वो लिफाफा कैसे ले सकते हैं। यह सब घटना वहां लगे उउळश कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। मंदिर के पुजारी ने कहा- यह यमुना जी का अपमान हुआ है और जिन व्यक्तियों ने ऐसा किया है, उनको यमुना मंदिर पर आकर माफी मांगनी चाहिए। यमुना जी के कार्ड को यमुना जी के चरणों में रखना चाहिए। यह निंदनीय है और इसका विरोध करते हैं।

इंटरव्यू के दौरान आपका फर्स्ट इम्प्रेशन ही दिलाता है सफलता

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।

कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी

अगर आपको बेहतर सैलरी चाहिए तो कॉलेज से करें ये कोर्सेज, इन कोर्सेज के करने से आपकी अच्छी नौकरी के चांसेस और भी बढ़ जाते हैं।

हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सको करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते हैं तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती हैं। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फ्रेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको यहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा

रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीड़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हों।

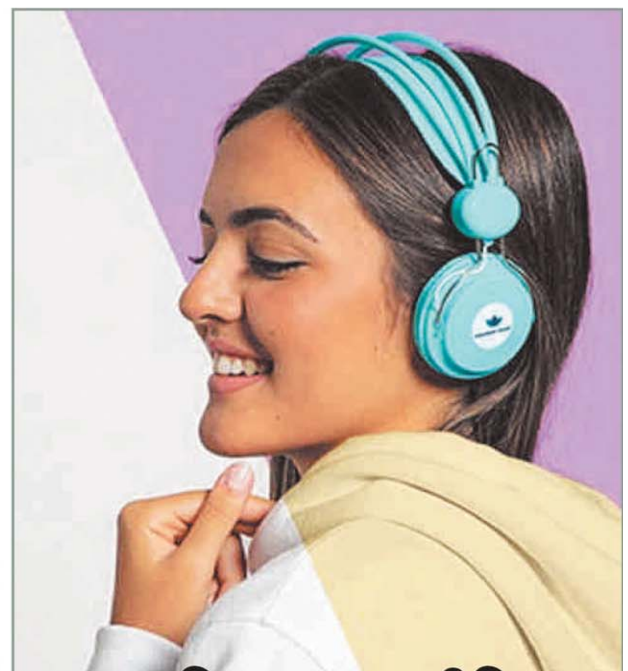

बिना एक्सपीरियंस संगीत में दिलचस्पी रखने वाले भी बना सकते हैं इसमें करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।

बी.ए. करने के बाद नहीं मिल रही है नौकरी? इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आटर्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं। आटर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 145 , निफ्टी 84 अंक ऊपर आया

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिंग शेयरों में खरीददारी बढ़ने और विदेशी कोषों के प्रवाह से बाजार में ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 145.52 अंक करीब 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,664.86 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.55 अंक तकरीबन 0.35 फीसदी बढ़कर 24,586.70 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 132.9 अंक करीब 0.54 फीसदी बढ़कर 24,635.05 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एसबीआई, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम और आईटीसी सेंसेक्स के शीर्ष-5 सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, मारुति, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एलएंडटी और रिलायंस के शेयर भी बढ़ें हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान में रहे। एशियन पेंटर्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इसके अलावा टीसीएस, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर नीचे आये। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और शंघाई ऊंचे स्तर पर पहंचे जबकि हांगकांग का बाजार गिरा है। यूरोपीय बाजार भी नीचे आये हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,021.60 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में उछाल आया। इस दौरान निफ्टी अपने नए सर्वकालिक शीर्ष स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 290 अंक उपर आया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में तीन फीसदी से अधिक की तेजी आई।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.55 डॉलर पर

मुंबई । विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.55 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी के प्रवाह से रुपये को समर्थन मिला और गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.53 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.55 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.21 पर रहा।

सोना 73,150 और चांदी 92,850 रुपए के करीब

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की भी शुरुआत सुस्त रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 164 रुपये की गिरावट के साथ 73,105 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 126 रुपये की गिरावट के साथ 73,143 रुपये के भाव पर

कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 206 रुपये की गिरावट के साथ 92,903 रुपये पर खुला। इस समय यह 267 रुपये की गिरावट के साथ 92,842 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2419.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,420.70 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,414.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.10 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.16 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 31.08 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वीरहेल्थ केयर को 100 करोड़ का राजस्व प्राप्त करने की उम्मीद

नई दिल्ली । वीरहेल्थ केयर को अगले दो से तीन साल में 100 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में यह बात कही। बयान में कहा गया ?कि कंपनी ने 50,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 41.50 लाख रुपये) मूल्य का निर्यात ठेका पूरा कर दिया है। इसके अलावा 197,793 अमेरिकी डॉलर (करीब 165 लाख रुपये) मूल्य का एक और निर्यात ठेका जुलाई के अंत तक पूरा कर दिया जाएगा। कंपनी के अनुसार कंपनी को शीर्ष अमेरिकी संस्थागत आपूर्तिकर्ता से 106,673 अमेरिकी डॉलर (करीब 89 लाख रुपये) का अतिरिक्त निर्यात ठेका भी मिला है। समझौते की शर्तों के तहत ठेका तीन महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। इसके अलावा उसने कहा कि उसे उसी शीर्ष अमेरिकी संस्थागत आपूर्तिकर्ता से मासिक रूप से दोबारा ठेका मिलने की उम्मीद है। कंपनी साथ ही गुजरात के वापी में अपने मौजूदा संयंत्र का नवीनीकरण कर रही है, ताकि एक बड़ा संयंत्र स्थापित किया जा सके जो अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएस एफडीए) तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुरूप होगा।

सेबी अगले माह सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की नीलामी करेगी

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, सन प्लांट बिजनेस लिमिटेड और सुमंगल इंडस्ट्रीज समेत सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की 12 अगस्त को नीलामी करेगा। यह कदम इन कंपनियों द्वारा निवेशकों से अवैध रूप

से एकत्र की गई धनराशि को वसूलने के सेबी के प्रयासों का हिस्सा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुसार, नीलामी 12 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। सेबी ने सुमंगल इंडस्ट्रीज, सनहेवन एग्रो इंडिया, रविकिरण रियल्टी इंडिया, मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, पुरुषत्तम इन्फोटेक इंडस्ट्रीज, जीवन साथी ड्रीम प्रोजेक्ट्स और सन प्लांट बिजनेस तथा उनके प्रवेर्तकों/निदेशकों के खिलाफ वसूली कार्यवाही में संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित कीं। सेबी ने नीलामी में सहायता के लिए एड्रोइट टेक्निकल सर्विसेज को नियुक्त किया है।

एसबीआई ने दिया ग्राहकों को झटका... कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा दीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सस्ते कर्ज के इंतजार में बैठे लाखों लोगों को तगड़ा झटका लगा है। एसबीआई ने अपने कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बैंक ने बताया कि उसके इंटर्नल बेंचमार्क मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) को 5 से 10 आधार अंक बढ़ा गया गया है। नई ब्याज दरें 15 जुलाई से ही लागू हो चुकी हैं।

एसबीआई की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, बैंक ने 1 साल के लोन पर एमसीएलआर 0.10 फीसदी बढ़ा है, जो अब 8.85 फीसदी हो गया। इस तरह, 3 महीने के लोन पर एमसीएलआर 0.10 फीसदी बढ़कर 8.4 फीसदी, 6 महीने पर 0.10 फीसदी बढ़कर 8.75 फीसदी और 2 साल के लोन पर एमसीएलआर 0.10 फीसदी बढ़कर 8.95 फीसदी हो गया है। बैंक ने 3 साल के खुदरा लोन पर ब्याज बढ़ाकर 9 फीसदी किया है।

एसबीआई की ओर से बताया गया कि एमसीएलआर में बढ़ोतरी का असर बैंक के सभी ग्राहकों पर नहीं पड़ेगा। जैसा कि आपको पता है कि अब ज्यादातर खुदरा कर्ज को रेपो रेट जैसे बाहरी बेंचमार्क से जोड़ दिया गया है, जबकि कुछ पुराने कर्ज ही एमसीएलआर से जुड़े हैं। इसके बाद एमसीएलआर में बढ़ोतरी का असर सिर्फ उन्हीं ग्राहकों पर होगा, जिनके कर्ज आज भी बैंक के आंतरिक बेंचमार्क से जुड़े हैं।

अगर किसी व्यक्ति ने 30 लाख रुपये का लोन 20 साल के लिए उठाया था तब उस पिछले महीने तक 8.90 फीसदी की दर से ईएमआई चुकानी थी। यह हर महीने 26,799 रुपये बैठती थी। इस ब्याज पर 20 साल में 34,31,794 रुपये ब्याज के रूप में चुकाने थे। अब बैंक ने ब्याज बढ़ाकर 9 फीसदी किया हैं, तब अगले महीने से ईएमआई 26,992 रुपये होगी। इसका मतलब हुआ कि हर महीने ईएमआई में 193 रुपये की बढ़ोतरी और सालभर में 2,316 का बोझ बढ़ेगा।

महंगाई ने तोड़ी कमर, चौथे महीने बढ़कर 3.36 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली । जून में थोक मूल्य मुद्रास्फीति की दर लगातार चौथे महीने बढ़कर 3.36 फीसदी पहुंच गई। यह दर 16 महीने का उच्चतम स्तर पर है। फरवरी 2023 में थोक महंगाई 3.85 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर अगस्त 2023 के बाद पहली बार 10 फीसदी से ऊपर चली गई लगातार तीसरे महीने जून में यह 10.87 फीसदी रही। वहीं प्याज के दामों जून 2023 के मुकाबले 93.35 फीसदी की वृद्धि हुई। आलू के दाम 66.37 फीसदी और सब्जियों के दामों 38.76 फीसदी बढ़ोतरी हुई। फलों के दाम भी 10.14 फीसदी बढ़े। दालों के दाम भी 21.64 प्रतिशत बढ़े। धान की थोक महंगाई दर 12 फीसदी से ज्यादा रही जबकि मोटे अनाज नौ फीसदी और गेहूं छह फीसदी से ज्यादा महंगा हुआ। आंकड़ों के मुताबिक कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के दाम में एक साल पहले के मुकाबले 12.55 फीसदी बढ़े। इसमें कच्चे तेल की कीमत 14 फीसदी से ज्यादा रही। खनिजों के दाम करीब 10 फीसदी बढ़े। रसोई गैस जहां 1.49 फीसदी महंगी हुई है, वहीं पेट्रोल की कीमत में 1.35 फीसदी और डीजल में 1.78 फीसदी की गिरावट आई। थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों में सबसे ज्यादा 64.23 फीसदी का भारांश विनिर्मित उत्पादों का है। इनकी महंगाई दर जून में 1.43 फीसदी रही। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में औसत थोक महंगाई दर 2.38 फीसदी रही। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह शून्य से 2.87 फीसदी रही।

अडाणी-हिंडनबर्ग पर सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के लिए बड़ा झटका है

वाशिंगटन, (एजेंसी)। विदेशी समूहों द्वारा भारत के उद्योगों के खिलाफ नकारात्मक अभियान चलाया जाना कोई नई बात नहीं है। नई बात यह है कि विदेशी समूहों के ऐसे अभियानों को भारत में विपक्ष का सहयोग और समर्थन मिल जाता है। याद कीजिये हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को आधार बना कर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने गौतम अडाणी समूह के खिलाफ संसद से सड़क तक कितना हंगामा किया था। कांग्रेस ने तो एलआईसी और एसबीआई के डूबने तक की भविष्यवाणी तक कर दी थी। अडाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जेपीसी जांच की मांग के चलते विपक्ष ने संसद का कीमती समय और करदाताओं की मेहनत का पैसा बर्बाद करने में कोई कोताही नहीं बरती थी। यह मामला उच्चतम न्यायालय भी गया था जहां विशेषज्ञ समिति की जांच से जो तथ्य सामने आये उससे प्रदर्शित हुआ कि आरोपों में कोई दम नहीं था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्यों भारत के एक प्रमुख उद्योग समूह के खिलाफ नकारात्मक अभियान चलाया गया? सवाल उठता है कि दुनिया में अमीरों की सूची में पहले नंबर के करीब पहुँच रहे गौतम अडाणी को पीछे धकेलने के अंतरराष्ट्रीय समूहों के प्रयासों को भारत से कुछ नेताओं ने क्यों समर्थन दिया?

हम आपको बता दें कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का अडाणी समूह के खिलाफ अभियान किस तरह हवा-हवाई था इसका अंदाजा आपको इसी से लग जायेगा कि उच्चतम न्यायालय ने अडाणी समूह पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी के संबंध में लगे आरोपों की जांच का जिम्मा सीबीआई या विशेष जांच दल को सौंपने से इंकार करने के अपने तीन जनवरी के फैसले की समीक्षा का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तीन जनवरी के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने वालों में शामिल अनामिका जायसवाल की तरफ से दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। हम आपको याद दिला दें कि पीठ ने पांच मई के अपने आदेश में कहा था, ''समीक्षा याचिका पर गौर करने के बाद रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नहीं दिखाई देती है। उच्चतम न्यायालय नियम 2013 के आदेश 47 नियम एक के तहत समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता है। लिहाजा समीक्षा याचिका खारिज की जाती है।'' इस याचिका पर न्यायाधीशों ने चैंबर में विचार किया।

इसके पहले इस साल तीन जनवरी को शीर्ष अदालत ने शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोपों की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने का आदेश देने से इंकार कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) आरोपों की 'व्यापक जांच' कर रहा है और इसका आचरण 'भरोसा जगाता है।' हम आपको बता दें कि समीक्षा याचिका में दावा किया गया था कि इस फैसले में 'गलतियां और त्रुटियां' थीं, और याचिकाकर्ता के वकील को हासिल कुछ नई सामग्री के आलोक में फैसले की समीक्षा के लिए पर्याप्त कारण थे। याचिका में कहा गया था कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में न्यायालय को केवल आरोपों के बाद की गई 24 जांच की स्थिति के बारे में सूचित किया था लेकिन उसने इनके पूरा होने या अधूरे होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि बाजार नियामक ने अडाणी समूह पर लगे 24 आरोपों में से 22 मामलों में अपनी जांच पूरी कर ली है। न्यायालय का तीन जनवरी का फैसला जनवरी, 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से अडाणी समूह पर लगाए गए गंभीर आरोपों के संदर्भ में आया था। हम आपको याद दिला दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर कीमतों में हेराफेरी सहित कई आरोप लगाए जाने के बाद अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को गलत बताते हुए खारिज कर दिया था।

थोक मुद्रास्फीति बढ़कर जून में 3.36 प्रतिशत पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में थोक मुद्रास्फीति जून में लगातार चौथे महीने बढ़कर 3.36 प्रतिशत हो गई। खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.61 प्रतिशत थी। जून 2023 में यह शून्य से 4.18 प्रतिशत नीचे रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा ?कि जून 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे रसायन तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि रही। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जून में 10.87 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मई में यह 9.82 प्रतिशत थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 प्रतिशत रही, जो मई में 32.42 प्रतिशत थी। प्याज की महंगाई दर 93.35 प्रतिशत रही, जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 प्रतिशत रही। दालों की महंगाई दर जून में 21.64 प्रतिशत रही। ईंधन और बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.03 प्रतिशत रही, जो मई में 1.35 प्रतिशत से थोड़ी कम है। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति जून में 1.43 प्रतिशत रही, जो मई में 0.78 प्रतिशत से अधिक थी। जून में थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अनुरूप थी। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य तौर पर खुदरा मुद्रास्फीति को ही ध्यान में रखता है।

बजट सत्र में पेश हो सकता है बीमा कानून संशोधन विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगामी बजट सत्र के दौरान बीमा अधिनियम, 1938 में संशोधन करने वाला विधेयक पेश कर सकती है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि संशोधन विधेयक में शामिल किए जाने वाले कुछ प्रावधानों में समग्र लाइसेंस, अंतर पूंजी, सॉल्वेंसी मानदंडों में राहत, कैप्टिव लाइसेंस जारी करना, निवेश नियमों में बदलाव, मध्यवर्तियों के लिए एकमुश्त पंजीकरण और बीमा कंपनियों को अन्य वित्तीय उत्पाद वितरित करने की अनुमति देना शामिल हैं। इस कदम से बैंकिंग क्षेत्र की तरह विभेदित बीमा कंपनियों के प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। बैंकिंग क्षेत्र को वर्तमान सार्वभौमिक बैंक, लघु वित्त बैंक और भुगतान बैंक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। समग्र लाइसेंस के प्रावधान से जीवन बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा या सामान्य बीमा पॉलिसियों को 'अंडरराइट' करने की अनुमति मिलेगी। बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियां केवल जीवन बीमा कवर ही दे सकती हैं, जबकि साधारण बीमा कंपनियां स्वास्थ्य, मोटर, आग लगने जैसे गैर-बीमा उत्पाद दे सकती हैं। इरडा बीमा कंपनियों के लिए समग्र लाइसेंसिंग की अनुमति नहीं देता है। इसके बाद एक बीमा कंपनी एक इकाई के रूप में जीवन और गैर-जीवन, दोनों उत्पाद नहीं दे सकती है।

सूत्रों ने बताया कि विधेयक का मसौदा तैयार है, इस मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के पास भेजा जाना है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, पॉलिसीधारकों को मिलने वाले रिटर्न में सुधार करने, अधिक प्रतिभागियों के प्रवेश को सुगम बनाने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, बीमा उद्योग की परिचालन और वित्तीय दक्षता बढ़ाने और कारोबारी सुगमता पर केंद्रित हैं।

ज़ोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल बनें अरबपति, स्टॉक ने अचानक भरा दम तो बढ़ गई नेटवर्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज़ोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल अब अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हो गए है। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो के शेयरों में अचानक आए उछाल के बाद दीपिंदर गोयल की संपत्ति में बेहताशा बढोतरी हुई है। कंपनी के शेयरों में सोमवार को उछाल आया, जिसके बाद कंपनी का शेयर 232 रुपते प्रति शेयर पर पहुंच गया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 52 सप्ताह के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए है।

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2023 से फर्म के शेयर में 300 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1.8 ट्रिलियन रुपये से अधिक हो गया और गोयल 41 वर्ष की आयु में अरबपति बन गए। सीईओ की कुल संपत्ति 8,300 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वर्तमान में, उनके पास कंपनी में 4.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो 36.95 करोड़ शेयरों के बराबर है। कंपनी ने 2023 से शेयर बाजार में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। सोमवार को फर्म का बाजार पूंजीकरण 2 ट्रिलियन रुपये को पार कर गया।

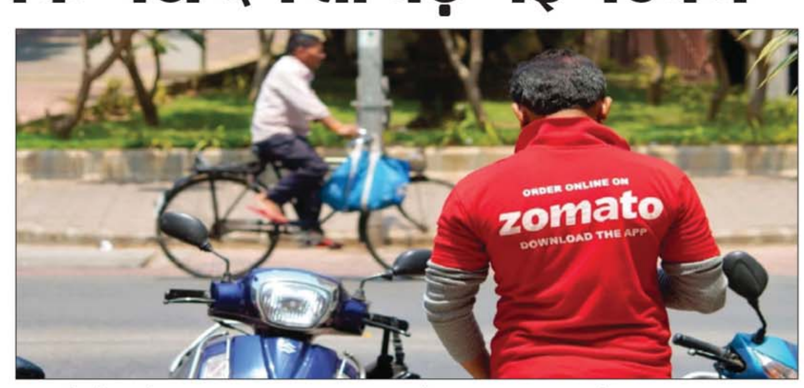

कंपनी के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय इसकी त्वरित वाणिज्य इकाई, ब्लिंकिट की सफलता को दिया जा सकता है। इकाई के जल्द ही लाभदायक बनने की उम्मीद है और ज़ोमैटो ने पहले कहा था कि ब्लिंकिट संभवतः 2024-25 वित्तीय वर्ष (FYwz) की पहली तिमाही तक ब्रेक-ईवन EBITDA प्राप्त कर सकता है। ब्लिंकिट की वृद्धि ने ज़ेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को भी पीछे छोड़ दिया है।

इससे कंपनी को निवेशकों के बीच सकारात्मक भावना बनाने में मदद मिली है। रिपोर्ट में गोल्डमैन Sachs के एक हालिया नोट का हवाला दिया गया है और कहा गया है कि ब्लिंकिट का निहित मूल्य अब ज़ोमैटो के मुख्य खाद्य वितरण व्यवसाय से अधिक है। Sachs को उम्मीद है कि ब्लिंकिट का सकल ऑर्डर मूल्य (जीओवी) 2023-24 वित्तीय वर्ष से 2026-27 वित्तीय वर्ष के दौरान 53 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा। इसके अलावा, 2028-29 वित्तीय वर्ष तक GOV और EBITDA के मामले में इकाई के खाद्य वितरण विंग से आगे निकलने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि ब्लिंकिट को 2022 में ज़ोमैटो ने खरीद लिया था। सोमवार को दोपहर 12:55 बजे तक कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 227.40 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था।

आ सकती हैं सीएनजी, फ्लेक्स-फ्यूल वाली और भी बाइक

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो के बाद टीवीएस मोटर जैसी बड़ी कंपनियां भी वाहनों में सीएनजी ईंधन के उपयोग पर विचार कर रही हैं। बजाज ऑटो ने भी दावा किया है कि फ्रीडम 125 की परिचालन लागत पेट्रोल से चलने वाली पारंपरिक बाइक के मुकाबले 50 फीसदी कम है।

टीवीएस मोटर के प्रवक्ता ने कहा, 'सभी प्रौद्योगिकी विकल्प (सीएनजी, ईवी, मल्टी-फ्यूल आदि) काफी दिलचस्प हैं और उसमें हमारी रुचि है।' मगर अधिकारी ने कहा कि कंपनी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि उसकी योजना एक अन्य ई-दोपहिया को बाजार में उतारने के अलावा एक पेट्रोल मॉडल और एक ई-तिपहिया लॉन्च करने की है। प्रवक्ता ने कहा, 'हम उस दिशा में काम कर रहे हैं। हमने इस साल टीवीएस आईक्यूब के कई वेरिएंट लॉन्च किए हैं। जहां तक प्रौद्योगिकी का सवाल है तो हम बुनियादी तौर पर यह देखते हैं कि टीवीएस वाहन मालिकों के लिए क्या अच्छा रहेगा।'दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल ऐंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) भी वैकल्पिक ईंधन पर बड़ा दांव लगा रही है। एचएमएसआई ने भारत मोबिलिटी एक्सपो के दौरान भारतीय बाजार के लिए विशेष रूप से विकसित अपनी फ्लेक्स-फ्यूल-पावर्ड बाइक का प्रदर्शन किया है। इस बाइक में 85 फीसदी तक एथनॉल मिलाया जा सकता है। एचएमएसआई के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) योगेश माथुर ने कहा कि उनकी कंपनी भी एक वैकल्पिक ईंधन रणनीति तैयार कर रही है।

हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तृत खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि वे ईवी और फ्लेक्स-फ्यूल विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बाद में हम इसके बारे में विस्तार से बताएंगे।'बजाज को अपनी सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 को विकसित करने में करीब डेढ़ साल लगे। कंपनी दावा करती है कि यह बाइक यह पेट्रोल से चलने वाली किसी भी बाइक के मुकाबले ईंधन लागत में 50 फीसदी की बचत करती है। इसमें 2 किलोग्राम का सीएनजी टैंक लगा है जो 200 किलोमीटर चलने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा 2 लीटर का अतिरिक्त पेट्रोल टैंक भी लगाया गया है।

कंपनी ने दावा किया है कि सीएनजी बाइक का इस्तेमाल करते हुए उपभोक्ता अपने ईंधन बिल पर सालाना करीब 15,000 रुपये की बचत कर सकते हैं। बजाज ऑटो न केवल सीएनजी स्टेशन नेटवर्क का विस्तार करने, बल्कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए ईंधन स्टेशनों पर दोपहिया वाहनों के लिए विशेष व्यवस्था करने के लिए तेल विपणन कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनियां स्वच्छ ईंधन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उदाहरण के लिए, फ्रीडम 125 बाइक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन को पेट्रोल के मुकाबले

26.7 फीसदी कम करती है। इसी प्रकार यह गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बन के उत्सर्जन को 85 फीसदी और नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन को 43 फीसदी कम करती है।

पोषणयुक्त आहार एवं कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प के उजाले

ललित गर्ग

भारत सरकार एवं वैज्ञानिकों के प्रयास नि :संदेह सराहनीय हैं कि आर्थिक संकट में भी सस्ती वैक्सीन उपलब्ध कराने के सभी प्रयास जारी हैं। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार भी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी कर अपने नागरिकों को सस्ता एवं स्वच्छ उपचार उपलब्ध करा सके तो कुपोषण, भूखमरी एवं बीमारियों से निजात मिल सकेगा। कुपोषण एवं भूखमरी से मुक्ति के लिये भी सरकारों को जागरूक होना होगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में भूख, कुपोषण एवं बाल स्वास्थ्य पर समय-समय पर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिन्ताजनक स्थिति विश्व का कड़वा सच है लेकिन एक शर्मनाक सच भी है और इस शर्म से उबरना जरूरी है। कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। इन स्थितियों के बीच भारत में इस गंभीर स्थिति पर नियंत्रण पाने की दिशा में सरकार ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। भारत सरकार पोषणयुक्त आहार एवं कुपोषणमुक्त भारत के संकल्प को आकार देने में जुटी है, आजादी के बाद मोदी सरकार ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता पाई है, जो समस्या से मुक्ति की दिशा में सरकार के संकल्प का उजाला है।

कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिये सरकार विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है। हालाँकि उनके वित्तपोषण और कार्यान्वयन में अभी भी अंतराल मौजूद हैं। इस मुद्दे को समग्र रूप से संबोधित करने के लिये एक व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक है। कुपोषण की स्थिति तब विकसित होती है जब शरीर विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्त्वों से वंचित हो जाता है, भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक 'कुपोषण मुक्त भारत' सुनिश्चित करने के लिये राष्ट्रीय पोषण मिशन अभियान शुरू किया था, जिसमें बड़ी सफलता मिली है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान वर्ष 2018 में शुरू किया गया, मिशन का उद्देश्य एनीमिया की वार्षिक दर को एक से तीन प्रतिशत अंक तक कम करना है। मध्याह्न भोजन योजना का उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच पोषण स्तर में सुधार करना है, जिसका स्कूलों में नामांकन, प्रतिधारण और उपस्थिति पर प्रत्यक्ष एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 का उद्देश्य अपनी संबद्ध योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से सबसे कमजोर लोगों के लिये खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है, जिससे भोजन तक पहुँच कानूनी अधिकार बन जाए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिये बेहतर सुविधाएँ प्राप्त करने हेतु 6,000 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित किये जाते हैं। समेकित बाल विकास सेवा वर्ष 1975 में शुरू किया गया था और इस योजना का उद्देश्य 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों तथा उनकी माताओं को भोजन, पूर्व स्कूली शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच और अन्य सेवाएँ प्रदान करना है। इन सब योजनाओं का असर कुपोषण को नियंत्रित करने पर पड़ रहा है।

अंतरिम बजट 2024-25 में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि अमृत काल के दौरान समावेशी विकास के लिए, बेहतर पोषण वितरण, प्रारंभिक बचपन की देखभाल और समग्र विकास में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। विजन इंडिया 2047 के प्रयासों को पूरा करने के लिए, फीडिंग इंडिया भूख को कम करने और कुपोषण मुक्त राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों को डिजाइन करने और लागू करने की दिशा में काम कर रहा है। एक बहुआयामी रणनीति के माध्यम से, फीडिंग इंडिया बड़े पैमाने पर व्यवस्थित हस्तक्षेप, कम आय वाले सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों को सीधे भोजन सहायता और युवाओं के नेतृत्व वाले स्वयंसेवी आंदोलन के माध्यम से कुपोषण के बारे में सामाजिक जागरूकता बढ़ाकर अपने मिशन को आगे बढ़ाता है। फीडिंग इंडिया एक ऐसे भारत के लिए प्रतिबद्ध है जो आर्थिक रूप से संपन्न हो, नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं को आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करे और जो कुपोषण मुक्त हो। अपनी स्थापना के बाद से, फीडिंग इंडिया ने 30 से अधिक शहरों में 150 कार्यान्वयन भागीदारों के माध्यम से 150 मिलियन से अधिक भोजन उपलब्ध कराया है और 2030 तक वंचित समुदायों को अतिरिक्त 300 मिलियन पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।÷

असल में भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में हर इलाके की खास जरूरतों के हिसाब से अलग व्यवस्था की दरकार है, न कि सब जगह एक ही पैमाने पर बने कार्यक्रम को लागू करना। पिछले कई बरस से यही तरीका अपनाया जाता रहा है। देश से कुपोषण की समस्या जड़ से खत्म करने के लिए नए सिरे से हो रहे प्रयास तीन अहम बातों पर आधारित हैं- बर्ताव में बदलाव, संक्रमण रोकने का प्रबंधन और पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाले कुपोषण के चक्र को तोड़ना। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।

कुपोषण के कई रूप हैं, जैसे बच्चों का नाटा रह जाना, कम वजन, एनीमिया प्रमुख हैं। इनमें से कुछ में समय के साथ सुधार हुआ है। ओडिशा, छत्तीसगढ़ जैसे गरीब राज्यों में भी सुधार देखा गया। यह किसी विडंबना से कम नहीं है कि कुपोषण के साथ भारत अधिक वजन, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी नई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है, जिसे पोषण संबंधी गैर-संचारी रोग भी कहा जाता है। हर पांच में से एक महिला और हर सात में से एक भारतीय पुरुष आज बढ़ते वजन से पीड़ित हैं। शहरी क्षेत्र में दिनोंदिन यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास उसकी डाइट पर भी निर्भर करता है। विटामिन, मिनरल, कैल्सियम, प्रोटीन, फाइबर आदि भरपूर डाइट से बच्चे का विकास सही ढंग से होगा ही, वह तंदुरुस्त भी रहेगा। हकीकत ये है कि ज्यादातर माताएं संतुलित आहार व डाइट क्या है? जानती तक नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार गर्भावस्था से लेकर किशोरावस्था की उम्र तक बच्चों की डाइट में परिवर्तन होता रहता है।

ग्रामीण क्षेत्रों व मलिन बस्तियों के बच्चों को उचित डाइट नहीं मिल पाती, नतीजतन वे कम वजन व लंबाई और बार-बार बीमारी से जूझते हैं। कई बार कुपोषण की चपेट में भी आ जाते हैं। बढ़ते बच्चों का डाइट चार्ट के अनुसार खानपान जरूरी है। शुरुआत भ्रूणावस्था से हो जाती है। इसके लिए गर्भवती को आयरन, कैल्शियम व फॉलिक एसिड लेना चाहिए। खजूर, गुड़, चना, दूध व दूध से बनी चीजें, चिकन-अंडा, मुरमुरे, अनार, सेब, चीकू, अमरूद, पनीर व दाल का सेवन करें। खूब पानी पीएं। इस उम्र में शिशु को चावल की खीर, दूध में साबूदाना, पिसे हुए पनीर को दलिया मिलाकर खिलाएं। खजूर भी अच्छा है, इसमें मैग्नीशियन, आयरन, फास्फोरस व अन्य पोषक तत्व होते हैं। उम्र बढ़ने के साथ रोटी व हरी सब्जियां भी शुरू कर दें। यह बढ़ती उम्र है, बच्चे को कैल्शियम की ज्यादा जरूरत होती है, इसलिए दूध ज्यादा दें। अंडा-पनीर भी कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। हरी सब्जियां, मौसम के फल व अन्य भोजन खिलाएं। 12 से 13 साल तक बच्चे के भोजन में हर चीज शामिल कर लें।

भारत सरकार एवं वैज्ञानिकों के प्रयास निःसंदेह सराहनीय हैं कि आर्थिक संकट में भी सस्ती वैक्सीन उपलब्ध कराने के सभी प्रयास जारी हैं। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार भी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी कर अपने नागरिकों को सस्ता एवं स्वच्छ उपचार उपलब्ध करा सके तो कुपोषण, भूखमरी एवं बीमारियों से निजात मिल सकेगा। कुपोषण एवं भूखमरी से मुक्ति के लिये भी सरकारों को जागरूक होना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोषणयुक्त आहार पर बल दे रहे हैं। कुपोषणमुक्त भारत बनाने की मुहिम में उनके प्रयासों एवं योजनाओं ने उम्मीदें के नये पंख लगाये हैं। आहार की गुणवत्ता को किसी भी व्यक्ति के जीवन में भोजन के सभी स्रोतों के संदर्भ में देखना जरूरी है। चाहे वह सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत दिया गया भोजन हो, मिड-डे मील के तहत उपलब्ध कराया जा रहा भोजन हो, आइसीडीएस या देश के बाजारों में उपलब्ध खाद्य पदार्थ हो, वर्तमान चुनौती उच्च अनाज और कम प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों की है।

संपादकीय

सुनवाई जरूरी

तम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी त अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा। क किसान मोर्चा में शामिल अलग-अलग किसान संगठनों का कहना है त्रे प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेताग लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों को न सौंपेंगे। इस बार दिल्ली कूच करने की बजाय देशव्यापी विरोध की री कर रहे हैं। महाराष्ट्र, झारखंड़, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को वे व्रता देंगे। इन राज्यों में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। फसल बीमा, ानों को पेंशन बिजली के निजीकरण को बंद करने के साथ सिंधु और री सीमा पर शहीद किसानों का स्मारक बनाने की मांग भी कर रहे हैं।

समर्थन मूल्य को लेकर यह आंदोलन 2020 में शुरू हुआ था। यूं तो इसे बड़े किसानों का आंदोलन कहा जा रहा है लेकिन किसानों का एक वर्ग मोदी सरकार की कृषि नीतियों से संतुष्ट नहीं है। सरकार की तरफ से मिले आश्वासन और आम चुनाव के दौरान आंदोलन कुछ वक्त के लिए ठहर सा गया था। देश में छोटे किसानों की तादाद बहुत है। दूसरे वे लोग हैं, जो कृषि कार्यों के जरिए जीवन यापन करते हैं। उन सबको इन आंदोलनों या मांगों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। ांकि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार हर देशवासी को है। वह कार के समक्ष अपनी कोई भी मांग रखने को आजाद है। मगर पिछले ोलन के दरम्यान प्रदर्शनकारियों के कारण कई स्थानों पर जन-जीवन त-व्यस्त हो गया था। आगजनी और पथराव हुआ था। सुरक्षाबलों पर यार भी प्रयोग हुए। इसी दरम्यान पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के बार्डर पर धरनारत किसानों को हटाने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार को बैरिकेड़ हटाने और चड़ीगढ़-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खोलने का आदेश है। पांच महीनों से अवरुद्ध इस मार्ग के खोलने से कारोबारियों और मित यात्रियों को होने वाली असुविधा से निजात मिल सकेगी। हम कृषि न देश हैं इसलिए उनकी जरूरतों और मांगों की अनदेखी नहीं की जा ती। मगर उन्हें भी उग्र विरोध से बचना चाहिए। अड़ियल रुख दिखाने की ाय सरकार को भी छोटे किसानों के हितों की रक्षा में कोई कोताही नहीं नी चाहिए।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

ाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था ण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को पूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया दलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता न आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य रित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया ने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर -निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक त्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, एक वर्ग है- स्नातक।

विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन त्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता किन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि त्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण द्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का ण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, भावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

ट्रंप पर हमला अर्थात बैलेट पर बुलेट का प्रहार

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में शनिवार शाम करीब 6:15 बजे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उस वक्त जानलेवा हमला हुआ जबकि वो चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस हमले की जितनी भी निंदा की जाए वह कम ही होगी, क्योंकि लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि बिना हिंसा और खून-खराबे के सरकारें बदल जाती हैं। बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान बात-चीत से निकाल लिया जाता है। बावजूद इसके लोकतांत्रिक देशों में हिंसा बढ़ रही है, जो वाकई चिंता का विषय है। जहां तक पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले की बात है तो जब वो चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे तभी फायरिंग हुई और उनके दाहिने कान का ऊपरी हिस्सा जख्मी हो गया। अधिक मात्रा में बहते खून को रोकने ट्रंप ने कान में हाथ लगाया और एक सफल नेता की तरह लोगों को आश्वस्त किया कि कुछ नहीं हुआ है। इसके फौरन बाद ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर अपनी कुशल-क्षेम समर्थकों और शुभचिंतकों को दी और विरोधियों को बतला दिया कि वो ऐसे हमलों से डरने वाले नहीं हैं। वो चुनाव मैदान में डटे हुए हैं और आगे भी बने रहेंगे। उन पर हमला करने वाला आरोपी युवक उसी वक्त मार गिराया गया। उसकी पहचान भी कर ली गई है। बहरहाल इस दुःखद घटना ने अमेरिका ही नहीं बल्कि दुनिया के उन तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक सवाल तो छोड़ ही दिया है कि जहां बैलेट से सरकारें बदली जा सकती हैं वहां बुलेट का क्या काम है? आखिर क्या वजह रही होगी कि एक नौजवान को देश के पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की यूं जान लेने की सूझ पड़ी थी? अमेरिका में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले भी राष्ट्रपतियों, पूर्व राष्ट्रपतियों और उम्मीदवारों को निशाना बनाया गया और उनकी हत्या कर दी गई। अमेरिका के इतिहास पर सरसरी निगाह डालें तो मालूम चलता है कि यहां की राजनीति में भी हिंसा के स्याह पन्ने जुड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स को यदि सही माना जाए तो राष्ट्रपति पद पर रहते हुए चार नेताओं की हत्या कर दी जाना कोई मामूली बात नहीं है। इस पर अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या की गुत्थी तो आज तक सुलझाई नहीं जा सकी है, जो कि अपने आप में अविश्वसनीय घटना लगती है। इनसे पहले अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की 14 अप्रैल, 1865 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड की 2 जुलाई, 1881 को गोली मारकर हत्या की गई। इसी तरह से 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिनले को 6 सितंबर, 1901 को गोली मारी गई और उनकी मौत इसी कारण 14 सितंबर 1901 को हुई। अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी को नवंबर 1963 में गोली मारी गई थी। इतिहास के पन्नों में दर्ज इस हत्या के कारणों का खुलासा आज तक नहीं हो सका, जिसे लेकर समय-समय पर दावे-प्रतिदावे भी किए जाते हैं। इसी तरह से राष्ट्रपति के अनेक उम्मीदवारों को वक्त-वक्त पर बंदूक की गोली का निशाना बनाया गया और उन्हें हलाक कर दिया गया। वैसे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह हिंसा और खून-खराबे की रत्तीभर भी इजाजत नहीं है, लेकिन अफसोस कि देखने में यही आता रहा है कि जब-जब चुनाव आते हैं, किसी न किसी तरह से बुलेट के हिमायती सिर उठाना शुरु कर देते हैं। इसे राजनीतिक हिंसा का नाम दिया जाता है, जबकि इसके पीछे के कारणों की अनदेखी कर दी जाती है। देश और दुनियां के बदलते हालात और नई-नई चुनौतियों को एक कारण माना जाता है, लेकिन इससे आगे भी कुछ है, जिस पर अब विचार करने की आवश्यकता आन पड़ी है। विचार करना होगा कि जिनके हाथों में देश की दशा और दिशा तय करने की ताकत होती है, जब वो चुनाव मैदान में उतरते हैं तो उनकी भाषा क्या

संयमित होती है? क्या वो हथियार उठाने और एक-दूसरे को चुनौती देने जैसे बयानों से बचते हैं? क्या वो वर्ग और जाति में बांटकर लोगों को आपस में लड़ाने और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने से गुरेज करते हैं? क्या जनता से किए गए चुनावी वादे भी कभी सौ फीसद पूरे किए जाते हैं? और सबसे अहम सवाल यह कि जिस मकसद के लिए लोकतंत्र को अपनाया गया क्या उसे पूरा करने के लिए भी कभी जी-जान से मेहनत की गई है? यदि इन तमाम सवालों के जवाब हां में मिलने लगें तो फिर देखिए बुलेट पर कैसे बैलेट प्रभावी सिद्ध होता है। चुनाव के दौरान आगे इस तरह के जानलेवा हमले न हों, इस पर जरुर विचार करने और सार्थक हल खोजने की आवश्यकता है।

भारतीय संस्कृति और मर्यादा का अंतस

प्रत्यक्ष पर्यावरण प्रकृति की संरचना है। भारत के प्राचीनकाल में भी प्राकृतिक पर्यावरण की उपस्थिति मनमोहक थी। प्रकृति को देखते, उसके विषय में सोचते और सुनते मनुष्य ने भी सृजन कर्म में जाने अनजाने भागीदारी की। आज का भारत हमारे पूर्वजों, अग्रजों के सचेत कर्मों का परिणाम है। मनुष्य द्वारा किए गए सुंदर सत्कर्म संस्कृति हैं। प्रकृति स्वाभाविक है। लेकिन संस्कृति मनुष्य की रचना है। संक्षेप में विश्व के प्रत्येक जीव की लोकमंगल कामना और उसके लिए किए गए कर्म संस्कृति है। संस्कृति किसी एक व्यक्ति या समूह के कर्मफल का परिणाम नहीं होती।

भारतीय संस्कृति के विकास में विज्ञान और दर्शन की महत्ता है। कोई अंधविश्वास नहीं। रूप, रस, गंध, शब्द और स्पर्श प्रत्यक्ष इंद्रिय बोध के हिस्से हैं। पूर्वजों की 'मंगल भवन अमंगल हारी÷ कर्मठ चेतना से संस्कृति का विकास हुआ। सारांशतः भारत के बुद्धि विवेक और ज्ञान प्रज्ञान का सर्वोत्तम संस्कृति है। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस समरस स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति भारत के लोगों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, आशा, संवेदना, अनुभूति, प्रीति, धीरज, साहस संयम और मर्यादा का अंतस है। भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष की तपसाधना का सृजन है। मार्शल ने लिखा है, ÷अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती का लंबा इतिहास होना चाहिए।÷

ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन शब्द प्रमाण है। प्राचीन समाज का विज्ञान है और तत्कालीन समाज की संस्कृति का दर्पण है। वैदिक साहित्य में सामाजिक संगठन के स्वर्ण सूत्र हैं। यहां दर्शनशास्त्र है। विज्ञान है। योग और भौतिक विज्ञान है। प्राचीन इतिहास में इस भूखंड की आस्था जैसा प्रश्नाकुल दर्शन अन्यत्र नहीं मिलता। यहां आस्था और वैज्ञानिक विवेक साथ-साथ चलते हैं। हिन्दू धर्म में एक साथ तर्क और प्रतिप्रश्न दिखाई पड़ते हैं। यहां धर्म का विकास हुआ है। यह इतिहास बड़ा मजेदार है। पहले प्रकृति का अध्ययन, विवेचन और विश्लेषण। फिर प्रकृति की शक्तियों का आदर। इन्हें देवता कहा गया। प्रकृति में नियमबद्धता देखी गई। वैदिक ऋषियों ने इस नियमबद्धता

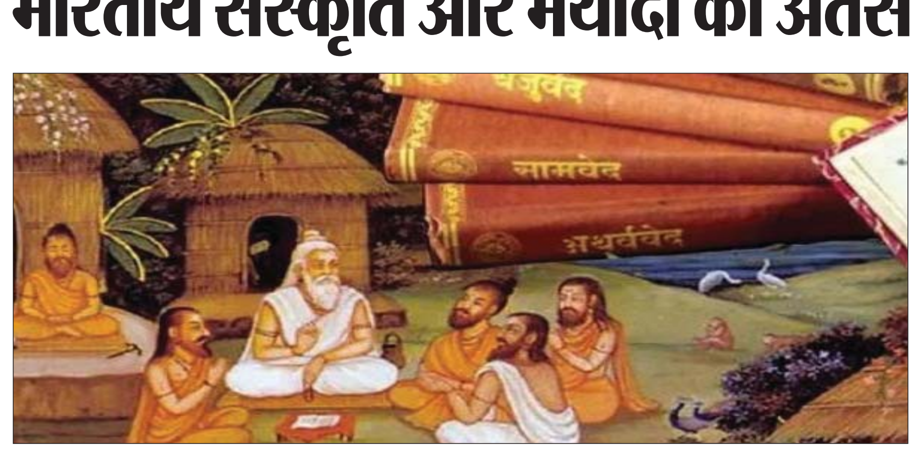

को मनुष्य के जीवन के लिए मार्गदर्शी व प्रेरक बताया। भारत में इसी सबसे विश्वप्रिय दृष्टिकोण का विकास हुआ। कौटिल्य ने दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर दुनिया का पहला अर्थशास्त्र लिखा। इसी तरह अभिनय कला के सभी सरोकारों को समझते हुए भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र लिखा। चरक ने चरक संहिता और पाणिनि की अष्टाध्यायी और पतंजलि का योगसूत्र हिन्दुओं की ओर से सारी दुनिया के लिए पुरस्कार है।

ब्रिटिश सत्ता के दौरान यूरोपीय सभ्यता को श्रेष्ठ और भारतीय संस्कृति को छोटा और हेय बनाने का प्रयास किया गया है। पंडित नेहरू भी यूरोप की संस्कृति से प्रभावित थे। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' की भूमिका में लिखा, ÷जब पश्चिम के लोग समुद्र पार से यहां आए, तब भारत के द्वार दरवाजे एक खास दिशा की ओर खुल गए। आधुनिक औद्योगिक सभ्यता बिना किसी शोरगुल के इस देश में प्रवेश कर गई। नए विचारों और नए भावों का हम पर हमला हुआ और भारतीय बुद्धिजीवी अंग्रेज बुद्धिजीवियों की तरह सोचने का अभ्यास करने लगे।÷ इस वक्तव्य के अनुसार भारतीय बुद्धिजीवियों द्वारा अंग्रेज बुद्धिजीवियों की तरह सोचना खास प्रतिष्ठा है।

अंग्रेज बुद्धिजीवियों के हित साम्राज्यवादी थे। उनके लक्ष्य ईसाईयत के प्रचार से जुड़े थे। सभ्यता इकहरी नहीं होती। प्रत्येक सभ्यता का एक दर्शन होता है। एक उद्देश्य होता है। स्वयं को प्रकट करने की अपनी शैली होती है। यह सारी बातें हिन्दू धर्म और परंपरा में पहले से मजबूत रही हैं। लेकिन नेहरू और उनसे प्रभावित बुद्धिजीवी यूरोप से वैचारिक आयात कर रहे थे। इसलिए इतिहास के अनेक प्रश्न महत्वपूर्ण हैं। हिन्दू इतिहास संकलन की शैली यूरोपीय इतिहास संकलन से भिन्न है। भारतीय बुद्धिजीवियों ने महाकाव्यों, पुराणों और वैदिक साहित्य के रूप में भारत की सभ्यता और संस्कृति की नीव मजबूत की थी। लेकिन प्राचीन भारत में यूरोपीय ढंग से इतिहास का संकलन नहीं हुआ।

अंग्रेजों ने अपनी सत्ता चलाने के लिए भारत के सम्यक अध्ययन को जरूरी पाया।

ब्रिटिश विद्वानों ने इतिहास की यूरोपीय शैली को अपनाते हुए भारतीय इतिहास का विवेचन किया। मार्क्सवादी विद्वान रामशरण शर्मा ने 'प्रारंभिक भारत का परिचय÷ (पृष्ठ 6) में लिखा है, ÷ब्रिटेन वालों ने जब यहां शासन कायम किया तब उन्हें औपनिवेशिक प्रशासन के हित में इसकी आवश्यकता प्रतीत हुई। जब 1765 में बंगाल और बिहार ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन में आए, तब शासकों को हिन्दुओं के उत्तराधिकार की न्याय व्यवस्था करने में कठिनाई का अनुभव हुआ। अतः 1776 में सबसे अधिक प्रामाणिक मानी जाने वाली मनुस्मृति का अंग्रेजी अनुवाद 'ए कोड ऑफ जेंटू लॉज' के नाम से कराया गया।÷ यह सब बातें मार्क्सवादी विद्वान की हैं। 1784 में कोलकाता में 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' की स्थापना विलियम जोन्स ने की। उन्होंने 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नाटक का अंग्रेजी में अनुवाद किया। इसी समय वर्ष 1785 में विलकंस ने भगवदगीता का अंग्रेजी में अनुवाद किया। ब्रिटिश सत्ताधीश भारत को ठीक से समझने में लगे थे। वस्तुतः भारत की सभी संस्थाओं को अंग्रेजीराज की मजबूती के लिए इस्तेमाल करने का काम उस समय के आधुनिक विद्वानों के द्वारा किया जा रहा था।

रामशरण शर्मा ने लिखा है, ÷उन्हें महसूस हो गया कि जिन विदेशी लोगों पर उन्हें शासन करना है, उनके रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था का गहन ज्ञान प्राप्त करना होगा। क्रिश्चियन मिशनों के धर्म प्रचारकों ने भी हिन्दू धर्म की दुर्बलताओं को जानना आवश्यक समझा ताकि वे धर्म परिवर्तन करा सके और इसके द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मजबूत बना सकें। इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मैक्समूलर के संपादकतत्व में विशाल मात्रा में प्राचीन धर्म ग्रंथों का अनुवाद किया गया। ये अनुवाद 'सैकरेड बुक्स ऑफ द ईस्ट' सीरीज में 50 खंडों में प्रकाशित हुआ। भारतीय इतिहास और समाज के अध्ययन का इनका उद्देश्य ब्रिटिश सत्ता का समर्थन था। पाश्चात्य विद्वानों ने भारतीय इतिहास और समाज की संरचना के सम्बंध में कई भ्रामक नतीजे निकाले थे। उनके मत में प्राचीन भारत के लोगों को इतिहास का विशेषतया काल और क्रम का बोध नहीं था कि भारत के लोग स्वेच्छाकारी शासन के अभ्यस्त रहे। वे आध्यात्मिक और पारलौकिक समस्याओं में ही डूबे रहे।÷ विंसेंट स्मिथ (1843-1920) ने 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया' नाम का ग्रंथ लिखा। स्मिथ भी ईमानदार नहीं रहे।

ब्रिटिश विद्वानों के इतिहास ग्रंथ पक्षपातपूर्ण रहे हैं। उन्होंने इतिहास का विरुपण किया है। हम भारत के लोग जन्म से, अनुभव से, अध्ययन और परिश्रम से विश्व की प्रतिष्ठित संस्कृति के उपासक हैं। संप्रति विदेशी सभ्यता और संस्कृति को आधुनिकता बताकर तथ्य गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। हमारा वर्तमान हमारे भूत का विस्तार है और हमारे आज के श्रमतप भविष्य का भारत रच रहे हैं। आधुनिकता के नाम पर विदेशी संस्कृति का आह्वान और हिन्दू संस्कृति की उपेक्षा स्वीकार्य नहीं है। भारत की आधुनिकता भारत की परंपरा का ही विकास होनी चाहिए।

- हृदयनारायण दीक्षित

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

शिवा राजकुमार राम चरण, जान्हवी कपूर की फिल्म आरसी16 से टॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार

कन्नड़ स्टार शिवा राजकुमार बहुप्रतीक्षित फ़िल्म ऋ16 से टॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसमें उनके साथ राम चरण और जान्हवी कपूर भी हैं। फ़िल्म निर्माताओं ने हाल ही में शिवा राजकुमार के जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करके काफ़ी उत्साह पैदा किया। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि इसमें करुणादा चक्रवर्ती शिवा राजकुमार को तेलुगु दर्शकों के सामने पेश किया गया है। शिवद्य राजकुमार के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, आरसी16 के निर्माताओं ने उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर साझा किया और लिखा, करुणादा चक्रवर्ती का स्वागत करते हुए एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जो उनके कद से मेल खाती है। टीम को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ देती है। इस घोषणा ने फिल्म के लिए उत्सुकता बढ़ा दी है, जो 2024 की सबसे बेसब्री से प्रतीक्षित रिलीज़ में से एक है। निर्देशक बुची बाबू सना ने भी शिवा राजकुमार के कलाकारों में शामिल होने पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने एक्स पर लिखा, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, प्यारे शिवन्ना श्चनिम्माशिवन्ना। हम आपको तेलुगु सिनेमा में स्वागत करते हुए बेहद रोमांचित हैं, सर... सेट पर आपको देखने के लिए बेताब हैं। शिवा राजकुमार ने पहले एक साक्षात्कार के दौरान ऋ16 में अपनी भागीदारी की पुष्टि की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि वे इस फिल्म में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे। उन्होंने दो फिल्मों पर हस्ताक्षर करने का उल्लेख किया, एक तमिल में और एक तेलुगु में, और कहा, तेलुगु फिल्म में राम चरण हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि उप्पेना के निर्देशक बुची बाबू सना इस परियोजना का निर्देशन करेंगे। राम चरण और जान्हवी कपूर अभिनीत आरसी16, 2024 में एक महत्वपूर्ण फिल्म बनने जा रही है। शिव राजकुमार के साथ, फिल्म एक सम्मोहक कथा और शानदार प्रदर्शन देने का वादा करती है, जिससे यह प्रशंसकों और आलोचकों के बीच एक बहुप्रतीक्षित रिलीज बन जाती है।

एशा देओल ने अभिनय को बताया अपना जुनून

इन दिनों देओल परिवार के सितारे फिल्म इंडस्ट्री में काफी सक्रिय हैं। बॉबी देओल एनिमल के बाद कई अन्य आगामी फिल्मों का हिस्सा हैं। उनके बड़े भाई सनी देओल ने भी गदर 2 के साथ शानदार वापसी की है और हाल में ही बॉर्डर 2 की घोषणा भी की है। अभिनेत्री एशा देओल भी बीते कुछ वर्षों में काफी सक्रिय रही हैं। अब वह जल्दी ही तेलुगु सिनेमा में फिल्म हीरो-हीरोइन से डेब्यू करने वाली हैं। तेलुगु फिल्म में डेब्यू को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि उनके दिल में साउथ को लेकर हमेशा से एक खास जगह रही है। वह दिल से काफी ज्यादा उनके जैसे ही हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म हीरो-हीरोइन को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने कहा, इस फिल्म में बहुत रोमांस है। यह एक बहुत ही जीवंत और ताजा प्रेम कहानी है। तेलुगु सिनेमा इस समय काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां काम करने का यह सबसे सही समय है। अपने करियर को लेकर उन्होंने कहा कि अभिनय उनका जुनून है। उन्होंने इससे पहले जो भूमिकाएं की हैं, वो सब एक तरह के ही किरदार रहे हैं, लेकिन अब समय भी बदल गया है और जिस तरह की फिल्में बनाई जा रही हैं, उनमें भी बदलाव आ गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उनका मानना है कि यह खोज करने का एक बढ़िया समय है। तेलुगु फिल्म में डेब्यू को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि उनके दिल में साउथ को लेकर हमेशा से एक खास जगह रही है। वह दिल से काफी ज्यादा उनके जैसे ही हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म हीरो-हीरोइन को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने कहा, इस फिल्म में बहुत रोमांस है। यह एक बहुत ही जीवंत और ताजा प्रेम कहानी है। तेलुगु सिनेमा इस समय काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां काम करने का यह सबसे सही समय है। अपने करियर को लेकर उन्होंने कहा कि अभिनय उनका जुनून है। उन्होंने इससे पहले जो भूमिकाएं की हैं, वो सब एक तरह के ही किरदार रहे हैं, लेकिन अब समय भी बदल गया है और जिस तरह की फिल्में बनाई जा रही हैं, उनमें भी बदलाव आ गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उनका मानना है कि यह खोज करने का एक बढ़िया समय है।

रांझणा निर्देशक की इस फिल्म में काम करेंगे तृप्ति डिमरी-धनुष

फिल्म एनिमल में काम करने के बाद नेशनल क्रश बनने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनकी नई फिल्म बैड न्यूज 19 जुलाई, 2024 को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनके पास और भी कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है। इसी बीच, उनके और धनुष के भी साथ में काम करने की चर्चा चल पड़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस तरह की अटकलें लगाई जा रही है कि तृप्ति डिमरी दक्षिण भारतीय अभिनेता धनुष के साथ एक फिल्म में अभिनय करने वाली हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिसका नाम तेरे इश्क में है। यह एक प्रेम कहानी होगी।

इसी साल शुरू होगी शूटिंग

धनुष और आनंद एल राय ने हिट फिल्म रांझणा में एक साथ काम किया था। इन दिनों धनुष अपने दक्षिण भारतीय प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में लगे हुए हैं, जिसके बाद वो जल्द ही तेरे इश्क में की शूटिंग शुरू करेंगे।

चर्चा है कि अक्टूबर 2024 में ही तेरे इश्क में की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। फिल्म को वाराणसी समेत उत्तर प्रदेश के कई शहरों में शूट किया जाएगा।

तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्में

बैड न्यूज के बाद तृप्ति डिमरी की कई सारी फिल्में रिलीज होने वाली है। तृप्ति ने भूल भुलैया 3 में मुख्य भूमिका निभाई। इसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन भी नजर आएंगे। फिल्म दिवाली पर रिलीज होगी। इसके अलावा वो राजकुमार राव के साथ विकी विद्या का वो वाला वीडियो में भी अभिनय करते हुए दिखाई देंगी। इन दोनों के अलावा अनुराग बासु की भी एक फिल्म के लिए तृप्ति के साथ बातचीत चल रही हैं।

एक और एक्शन भूमिका के लिए गहन एमएमए प्रशिक्षण ले रहे आदित्य रॉय कपूर

आदित्य रॉय कपूर एक और एक्शन जॉनर प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राष्ट्र कवच ओम (2022) और गुमराह (2023) जैसी फिल्मों में प्रभावशाली एक्शन सीक्वेंस देने के बाद, उन्होंने हाई-ऑक्टेन सीरीज़ द नाइट मैनेजर (2023) में अपने किरदार से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अब, कपूर अपने अगले एक्शन प्रोजेक्ट के लिए कमर कस रहे हैं, जिसकी शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होने वाली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस महत्वपूर्ण भूमिका की तैयारी के लिए, कपूर ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स पर ध्यान केंद्रित करते हुए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण शुरू किया है। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, कपूर पिछले कई हफ़्तों से सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर रोहित नायर के साथ लगन से काम कर रहे हैं। सूत्र ने बताया, आदित्य हमेशा से ही फिटनेस के लिए समर्पित रहे हैं, लेकिन इस भूमिका के लिए उन्हें पारंगत होना ज़रूरी है। उन्होंने कुछ हफ़्ते पहले रोहित के साथ प्रशिक्षण शुरू किया और इस भूमिका में पूरी प्रामाणिकता लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। वह फ़िल्म शुरू होने से पहले अगले दो महीनों तक इस गहन प्रशिक्षण को जारी रखेंगे। वेब सीरीज़ का नाम रक्तबीज है। आदित्य शो का नेतृत्व करेंगे और सामंथा रूथ प्रभु के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

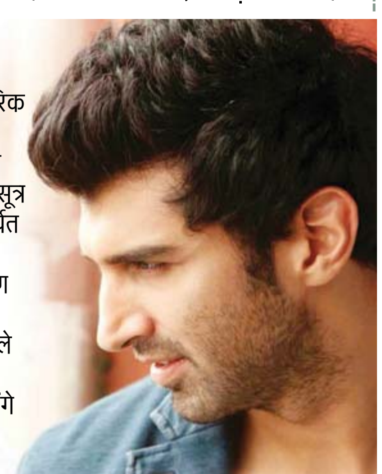

बदले की भावना पर तापसी ने कहा, सबसे अच्छा बदला, कोई बदला न लेना

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू का मानना है कि सबसे अच्छा बदला ठंडे दिमाग से लिया जाता है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके हालिया पोस्ट से पता चलता है कि वह आंतरिक शांति पाने के लिए इस पर काम करने के लिए भी तैयार हैं। तापसी ने इंस्टाग्राम पर स्टोरीज सेक्शन में एक कोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, सबसे अच्छा बदला कोई बदला नहीं लेना है। आगे बढ़ो। खुश रहो। आंतरिक शांति पाओ। उनके इस कोट ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। 36 वर्षीय स्टार सोशल मीडिया पर अक्सर कुछ ने कुछ पोस्ट करती रहती है। फिल्मी पर्दे की बात करें तो तापसी रोमांटिक थ्रिलर हसीन दिलरुबा की दूसरी किस्त फिर आई हसीन दिलरुबा में नजर आएंगी। फिल्म में सनी कौशल और विक्रांत मैसी भी हैं, जिसका फर्स्ट पार्ट 2021 में रिलीज हुआ था। विनील मैथ्यू द्वारा निर्देशित, हसीन दिलरुबा एक युवा विवाहित महिला की कहानी है, जो थ्रिलर किताबों की शौकीन है और पुलिस को उस पर पति की हत्या का शक है। इसके अलावा, तापसी के पास दो अन्य प्रोजेक्ट भी हैं। उनके पास प्रतीक गांधी के साथ कॉमेडी-ड्रामा फिल्म वो लड़की है कहां है। साथ ही वह अक्षय कुमार, वाणी कपूर, फरदीन खान और एमी विर्क के साथ खेल खेल में नजर आएंगी। खेल खेल में का निर्देशन हैप्पी भाग जाएगी, हैप्पी फिर भाग जाएगी और पति पत्नी और वो जैसी फिल्में बनाने वाले मुदस्सर अजीज ने किया है।

सोनाक्षी को मजेदार लगी थी काकूदा की कहानी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा बीते कुछ समय से काफी चर्चा में हैं। उनकी शादी की खबरों ने काफी सुर्खियां बटोरी हैं। अब एक बार फिर से वह फिल्मी दुनिया में सक्रिय हो गई हैं। हाल में ही उन्होंने अपनी नवीनतम फिल्म काकूदा पर बातचीत की। उनकी यह हालिया रिलीज फिल्म जी 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि वह विभिन्न जॉनर की फिल्में करना चाहती हैं और वह ऐसी भूमिकाएं नहीं करेंगी, जिनमें उन्हें गाने और कुछ दृश्य ही मिले। एक हालिया इंटरव्यू के दौरान, जब सोनाक्षी से पूछा गया कि क्या मुख्यधारा की फिल्मों में कम काम करना कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी बात है। अभिनेत्री ने कहा, ये तो अच्छा है ना। मैं बड़ी भूमिकाएं और महत्वपूर्ण भूमिकाएं ही करना चाहूंगी। अकीरा (2016), जिसमें मैं मुख्य किरदार में थी, यह मेरे लिए खून चखने जैसा था। मैं कभी भी एक फिल्म में दो गाने और चार सीन करने के दौर में वापस नहीं जाना चाहती। मैं इस दौर का आनंद ले रही हूं। ये चलता रहना चाहिए।

अपनी हालिया रिलीज फिल्म काकूदा पर उन्होंने कहा कि इसकी स्क्रिप्ट उन्हें काफी मजेदार लगी थी। उन्होंने कहा, काकूदा की स्क्रिप्ट मेरे पास आई, तो इसे पढ़ना मेरे लिए काफी मजेदार था। इसे पढ़ते समय मैं बहुत खुश था। हालांकि, मुझे हॉरर फिल्में पसंद नहीं हैं, लेकिन इस फिल्म में भरपूर कॉमेडी थी। फिल्म के निर्देशक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आदित्य ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने इस शैली को बहुत अच्छी तरह से समझा है और इस पर उनकी पकड़ शानदार है। उन्हें पता है लोगों को कहां डराना है, कहां हंसाना है, वह सभी चीजों को अच्छे तरीकों से करते हैं। उनके जैसे निर्देशक के साथ पहली बार इस तरह की फिल्म में काम करना काफी मजेदार है।

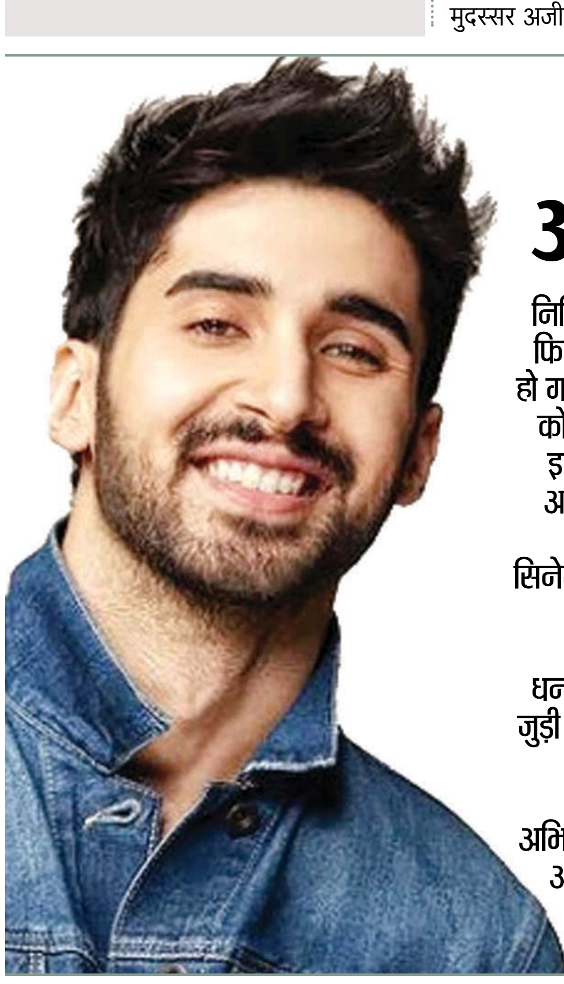

किल को लेकर लक्ष्य का बड़ा खुलासा अभिनेता ने लोगों का किया धन्यवाद

निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित फिल्म किल को रिलीज हुए हफ्ता हो गया है। बड़े पर्दे पर फिल्म किल को काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म की कहानी हत्या की अनोखी साजिश पर आधारित है। यह फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को लेकर किल के अभिनेता लक्ष्य ने लोगों का धन्यवाद दिया साथ ही फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प बात से भी पर्दा उठाया। 2015 में टेलीविजन सीरीज वॉरियर हाई से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले अभिनेता लक्ष्य की पहली हिंदी फिल्म है किल।

किल लगातार सिनेमाघरों में बनी हुई और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म को काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म की सफलता को देखते हुए किल के मुख्य अभिनेता लक्ष्य ने फिल्म को लेकर एक बड़ा और दिलचस्प खुलासा किया है, जिसे सुनकर लक्ष्य, राघव जुयाल और आशीष विद्यार्थी के प्रशंसक खुशी से झूठ उठेंगे।

लक्ष्य ने फिल्म को लेकर किया बड़ा खुलासा

ऐसे में फिल्म के अभिनेता लक्ष्य ने कहा, जो लोग यह फिल्म देख रहे हैं, आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। फिल्म को काफी प्यार मिल रहा है। ऐसे ही आप इस फिल्म के लिए अपने प्यार को बरकरार रखिए और साथ ही फिल्म को स्पोर्ट करते रहिए। फिल्म को लेकर लक्ष्य ने आगे कहा, आपने ऐसा सिनेमा कभी नहीं देखा होगा। और मैं वादा करता हूं कि अगर आप लोग इस फिल्म को हिट कराते हैं, तो जरूर हम इस फिल्म का पार्ट-2 लेकर आएंगे।

किल का प्रीमियर

किल का प्रीमियर 7 सितंबर 2023 को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में किया गया था, जहां यह फिल्म पीपुल्स च्वाइस अवार्ड- मिडनाइट मैडनेस के लिए फर्स्ट रनर-अप रही। इसे जून 2024 में ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित किया गया था। किल को 5 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। फिल्म को लोगों के साथ ही आलोचकों की भी सकारात्मक समीक्षा मिली है। यह फिल्म लोगों को बेहद पसंद भी आ रही है। यह एक हिंदी एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्माण करण जौहर, गुनीत मोंगा, अपूर्व मेहता और अचिन जैन ने मिलकर किया है। फिल्म में लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल, आशीष विद्यार्थी, हर्ष, छाया और तान्या मानिकतला ने मुख्य भूमिका निभाई है।

पीछा नहीं छोड़ रहा फ्लॉप का टैग

साल 2014 में टीवी शो मेरी आशिकी तुम से ही के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली अभिनेत्री राधिका मदान ब बॉलीवुड में नाम कमा रही हैं। उनकी भी तक अंग्रेजी मीडियम, मर्द को दर्द नहीं होता, पटाखा, सजनी शिंदे की वायरल वीडियो और कुत्ते समेत कुल आठ फिल्में रिलीज हो चुकी है, जिनमें से कुछ सीधे ओटीटी पर भी आई थी। उनकी नई फिल्म सरफिरा 12 जुलाई को रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके साथ-साथ क्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। राधिका की यह फिल्म टिकट खिड़की पर कैसा प्रदर्शन करेगी, यह तो आने वाले दिनों में पता चल ही जाएगा.

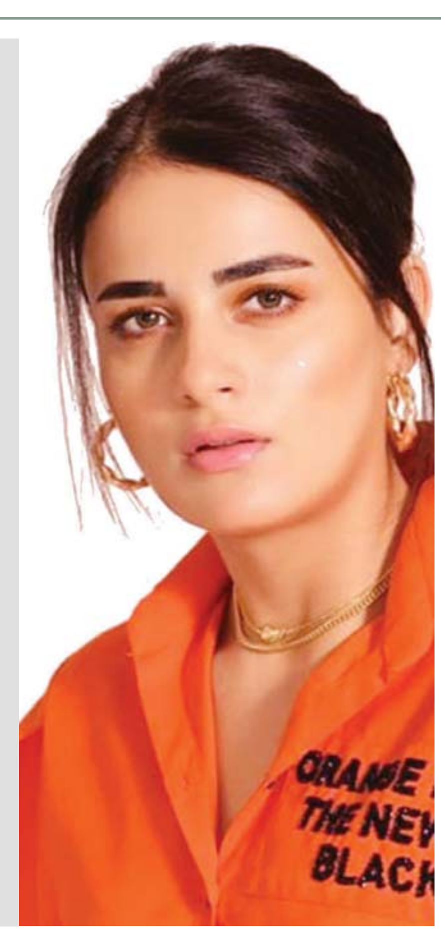

टीम इंडिया ने 4-1 से जीती टी20 सीरीज, शुभमन रहे लीडिंग स्कोरर

हरारे (एजेंसी)। भमन गिल के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जिमबाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से जीत हासिल कर ली है। भारत ने सीरीज का पहला मुकाबला 13 रन से गंवा दिया था लेकिन इसके बाद टीम इंडिया ने जोरदार वापसी की। यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा की ताबड़तोड़ पारियां, रवि बिश्नोई की फिरकी और मुकेश कुमार की तेज गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम ने लगातार 4 मुकाबले जीतकर सीरीज का सुखद अंत कर दिया। 5वें टी20 में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए पावरप्ले में 3 विकेट गंवा दिए थे लेकिन सैमसन ने 58 रन बनाकर स्कोर 167 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी जिमबाब्वे की टीम 125 रन पर आऊट हो गई और मैच 42 रन से गंवा दिया। मुकेश ने 4 विकेट लिए।

यशस्वी जायसवाल ने टीम इंडिया को बढ़िया शुरूआत दी। उन्होंने रजा की पहली दो गेंदों पर छक्के जड़े। जायसवाल (12), अभिषेक शर्मा (14), शुभमन गिल (13) पावरप्ले में ही आऊट हो गए। इसके बाद सैमसन और पराग ने पारी को आगे बढ़ाया। सैमसन ने रजा पर छक्का जड़ा। पराग ने ब्रेंडन मावुता पर 107 मीटर का अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला छक्का मारा। सैमसन ने 13वें ओवर में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 45 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से 58 रन बनाए। इसके बाद रियान पराग ने 24 गेंदों पर 22, शिवम दुबे ने 12 गेंदों पर 26 तो रिंकू सिंह ने 11 रन बनाकर स्कोर 167 तक पहुंचा दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिमबाब्वे को पहले ही ओवर में झटका लगा जब वेस्ले 0 पर मुकेश की गेंद पर बोल्ड होंगे। तीसरे ओवर में मुकेश ने ब्रियान को भी पवेलियन की राह दिखा दी। मारुमनि ने 27 तो डियोन मायर्स ने 32 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 34 रन बनाकर पारी संभाली लेकिन इनके विकेट गिरते ही जिमबाब्वे की पारी लड़खड़ा गई। कप्तान सिकंदर रजा 8, जोनाथन कैम्बेल 4, क्लाइव 1 रन बनाकर आऊट हो गए। फराज अकरम (27) ने एक छोर संभालकर जोर लगाया लेकिन पुछल्ले बल्लेबाजों से सहयोग न मिलने के कारण वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। भारत के लिए मुकेश कुमार ने कुल 4 विकेट लिए।

टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर

170 रन : शुभमन गिल
133 रन : ऋतुराज गायकवाड़
141 रन : यशस्वी जायसवाल
124 रन : अभिषेक शर्मा

गेंदबाजी में मुकेश कुमार 8 विकेट के साथ टॉप विकेटटेकर बने।

कपिल की अपील का असर, अंशुमान गायकवाड़ को मिली 1 करोड़ की सहायता

-बीसीसीआई सचिव जय शाह ने परिवार से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम के पूर्व कोच और क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ वर्तमान में ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। 71 साल के दिग्गज का इलाज लंदन में चल रहा था और इसकी जानकारी मिलते ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से मदद का हाथ बढ़ाया गया। गायकवाड़ के इलाज के लिए बोर्ड की ओर से 1 करोड़ रुपये की राशि तुरंत दिए जाने का फैसला लिया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह की ओर से इसकी जानकारी मिलने के साथ ही तुरंत एक्शन हुआ। उन्होंने परिवारजनों से बात कर दिग्गज के तबीयत का हाल जानकर मदद की घोषणा की।

दरअसल भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव की ओर से बताया गया था कि उनके साथी अंशुमान कैंसर की बीमारी से जूझ रहे हैं। कपिल ने बताया कि उनके साथ खेल चुके अंशुमान को बेहद तकलीफ से गुजरना पड़ रहा है। कपिल ने बीसीसीआई से मदद की गुहार लगाई थी। इस खबर के सामने आने के साथ ही बीसीसीआई सचिव ने अंशुमान गायकवाड़ को 1 करोड़ की मदद पहुंचाने की घोषणा की।

बीसीसीआई का यह फैसला पूर्व कप्तान कपिल देव और संदीप पाटिल की भावनात्मक अपील के बाद आया है, जिन्होंने बीसीसीआई से गायकवाड़ की मदद करने का आग्रह किया था। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने कहा, ''(सचिव) जय शाह ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कैंसर से जूझ रहे पूर्व क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल एक करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया है। भारत के पूर्व कप्तान डीके गायकवाड़ के बेटे अंशुमन गायकवाड़ लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में रक्त कैंसर का इलाज करा रहे हैं। बीसीसीआई बयान के अनुसार, सचिव शाह ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात कर स्थिति का जायजा लेकर सहायता प्रदान की। बोर्ड संकट की घड़ी में गायकवाड़ के परिवार के साथ है तथा गायकवाड़ के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह करेगा।

जब... धोनी से मैं साइना नेहवाल का पति कहकर मिले पारुपल्ली कश्यप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पारुपल्ली कश्यप ने हाल ही में महान क्रिकेटर एमएस धोनी से मुलाकात के बारे में बताया। कश्यप राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। उनकी शादी दुनिया की नंबर एक रह चुकीं बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल से हुई है। हाल ही में कश्यप ने बताया कि उन्हें एक शादी में से मिलने का मौका मिला। कश्यप को लगा कि हर कोई बैडमिंटन नहीं देखता, इसलिए उन्होंने खुद का परिचय धोनी से साइना के पति के रूप में करवाया। फिर धोनी ने जो जवाब दिया उसकी कश्यप को उम्मीद नहीं थी।

दरअसल धोनी ने उन्हें पहचान कर उनसे बात जैसे वे उनके किसी साथी खिलाड़ी से बात कर रहे हों। कश्यप ने बताया, मैं हाल ही में एक शादी में धोनी से मिला। मैंने धोनी से अपना परिचय साइना के पति के रूप में करवाया। मुझे लगा कि शायद कुछ खेल देखने वाले लोग मुझे पहचान ले। मैं क्रिकेट और धोनी का बड़ा फैन हूं। जब मैं उनसे मिला, उन्होंने मुझसे कहा- पता है भाई। मैं भी बैडमिंटन खेलता हूं। मैं जानता हूं आप कौन हैं और आपको यह बताने की जरूरत नहीं है कि आप साइना के पति हैं। वहां मुझसे एक दोस्त की तरह बात करते थे, मानो मैं उनकी टीम का खिलाड़ी हूं।

भारत-पाक मैच में देखने को मिला खेल भावना अद्भुत उदाहरण, उथप्पा ने चोटिल मिस्बाह की मदद की

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बर्मिंघम में खेले गए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के फाइनल मुकाबले में खेल भावना अद्भुत उदाहरण देखने को मिला जब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक को 15 गेंदों पर 18 रन बनाने के बाद चोटिल होकर रिटायर होना पड़ा। खेल भावना दिखाते हुए भारत के चैंपियंस विकेटकीपर रॉबिन उथप्पा को मिस्बाह की मदद करते हुए देखा गया जिन्होंने उन्हें मैदान से बाहर जाने के लिए कंधा दिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच इस घटना ने दुनिया भर के प्रशंसकों का दिल जीत लिया जिससे क्रिकेट की भावना और भी बढ़ गई।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के फाइनल में पाकिस्तान ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। हालांकि, अनुरीत सिंह की अगुवाई में भारतीय तेज गेंदबाजों ने 43 रन देकर तीन विकेट लिए और पाकिस्तान को निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 156 रन पर रोक दिया। शोएब मलिक ने 36 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर पाकिस्तान के लिए शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि सोहेल तनवीर ने 9 गेंदों पर नाबाद 19 रनों का योगदान दिया, जिससे पाकिस्तान चैंपियंस 150 का आंकड़ा पार करने में सफल रहा।

भारत के लिए अनुरीत सिंह के प्रभावशाली प्रदर्शन के अलावा, इरफान पठान (12 रन पर 1 विकेट), पवन नेगी (24 रन पर 1 विकेट) और विनय कुमार (36 रन पर 1 विकेट) महत्वपूर्ण विकेट लेने में प्रभावी रहे। प्रतिस्पर्धी भावना और खेल भावना के यादगार क्षणों से भरे इस मैच ने प्रशंसकों को खुश होने के कई कारण प्रदान किए। इस फाइनल ने न केवल दिग्गज खिलाड़ियों के क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि क्रिकेट की स्थायी भावना को भी रेखांकित किया।

भारतीय ओलंपिक अभियान का जश्न मनाने के लिए 'पेरिस में भारत' मैराथन शुरू

नई दिल्ली। भारत के ओलंपिक अभियान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) से ईस्पोर्ट्स को मान्यता मिलने का जश्न मनाने के लिए रविवार को यहां 'पेरिस में भारत' मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई। भारत के कुल 118 खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे। इनमें भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। आइओसी ने हाल में ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान की थी। आईओसी और सऊदी अरब सरकार के बीच अगले साल सऊदी अरब में ईस्पोर्ट्स ओलंपिक के आयोजन को लेकर करार भी हुआ है। यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, 'पेरिस में भारत कार्यक्रम पारंपरिक खेलों के बीच ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान करता है। इस दौड़ का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को तेजी से बढ़ते भारतीय ईस्पोर्ट्स के साथ जोड़ना है।' इस अवसर पर गिरिराज ने कहा, 'डिजिटल इंडिया के बढ़ते अवसर ईस्पोर्ट्स जैसे नए खेलों का लाभ उठाने की बहुत संभावनाएं प्रदान करते हैं।'

हर कोई भूल गया कि मैंने ही रोहित शर्मा को कप्तान बनाया था : सौरव गांगुली

बेंगलुरू। भारत के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया। बंगाली दैनिक 'आजकल' के साथ बातचीत में, गांगुली ने 2021 टी20 विश्व कप से भारत के जल्दी बाहर होने के बाद सभी प्रारूपों से विराट कोहली के इस्तीफे के बाद रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त करने के अपने फैसले का बचाव किया। भारतीय क्रिकेट में उथल-पुथल भरे दौर के दौरान, कोहली के सार्वजनिक बयान के बाद गांगुली को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्होंने उन्हें भारतीय वनडे कप्तान के पद से हटाने का दावा किया था। गांगुली ने शुरू में मीडिया को बताया था कि कोहली और बीसीसीआई के बीच सौहार्दपूर्ण चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसके बाद गांगुली ने अपने विरोधियों से रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम द्वारा हासिल की गई सफलता को स्वीकार करने का आग्रह किया। गांगुली ने टी20 विश्व कप 2024 पर करते हुए सभी को याद दिलाया कि उन्होंने ही मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी को कप्तान नियुक्त किया था। गांगुली ने कहा कि जब मैंने रोहित शर्मा को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी तो सभी ने मेरी आलोचना की। अब जब भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया है तो सभी ने इसके लिए मुझे गाली देना बंद कर दिया है। वास्तव में, मुझे लगता है कि हर कोई भूल गया है कि वह मैं ही था जिसने उन्हें भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया था।

'हमने अपना सबसे महान गेंदबाज खो दिया', एंडरसन के संन्यास पर बोले जो रूट

लंदन (एजेंसी)। जो रूट को उम्मीद है कि गस एटकिंसन की गेंद से यादगार शुरुआत के बाद इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने संन्यास ले चुके जेम्स एंडरसन को भी 'अब तक का सबसे महान गेंदबाज' बताया। एंडरसन ने 12 जुलाई, शुक्रवार को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

तेज गेंदबाज एंडरसन ने अपने आखिरी टेस्ट पारी में चार विकेट लेकर अपने करियर का शानदार अंत किया। उनका करियर 21 साल तक चला और 41 वर्षीय यह खिलाड़ी 704 विकेट के साथ टेस्ट क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, जो शेन वार्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) से ठीक पीछे हैं। लॉर्ड्स में उसी टेस्ट मैच में गस एटकिंसन ने पदार्पण किया और गेंद से चमकते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता उन्होंने टेस्ट में 12 विकेट लिए और 106 रन दिए और एंडरसन के करियर के सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों को पार कर लिया। इसने इंग्लैंड क्रिकेट के एक नए युग की ओर एक आदर्श बदलाव की नींव रखी, जिसकी अगुआई एटकिंसन जैसे खिलाड़ी कर सकते हैं।

इंग्लैंड के गेंदबाजी विभाग के भविष्य के बारे में रूट की टिप्पणी एटकिंसन के यादगार प्रदर्शन के बाद आई। उन्होंने एंडरसन को 'अब तक का सबसे महान गेंदबाज' बताया, लेकिन उन्होंने यह भी महसूस किया कि इंग्लैंड की टीम को कुछ नई प्रतिभाओं के लिए रास्ता बनाने की जरूरत है। रूट ने कहा, 'मुझे लगता है कि गेंदबाजी विभाग में भविष्य बहुत उज्ज्वल दिखता है। हमने अपना सबसे महान गेंदबाज खो दिया है, लेकिन गस के आने और ऐसा करने से पता चलता है कि हम एक टीम के रूप में कहां हैं। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

इंग्लैंड दो और टेस्ट मैचों के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, उसके बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगा। हालांकि रूट ने कहा कि इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुप्रतीक्षित एशेज सीरीज के लिए कमर कस रही है, जो वर्ष 2025 के उत्तरार्ध में शुरू होगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर एशेज वह सीरीज है जिसका आप हमेशा इंतजार करते हैं, यह वह सीरीज है जिसके लिए आप हमेशा तैयार रहते हैं। जब टीमें मैदान पर उतरती हैं, तो उन्हें उन परिस्थितियों के लिए गस जैसे किसी खिलाड़ी की जरूरत होती है जो 80 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सके और फिर भी गेंद को इधर-उधर घुमा सके और तेज गति से गेंदबाजी कर सके।'

पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स स्पर्धा में उतरेगी सिक्योरिटी गार्ड की बेटी

नई दिल्ली। ट्रैक और फील्ड एथलीट ज्योति याराजी को पेरिस ओलिंपिक के लिए भारतीय दल में जगह मिली है। ज्योति के नाम 100 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उसने कठिन हालातों के बीच भी यहां तक का सफर तय किया है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की ज्योति के पिता एक सिक्योरिटी गार्ड हैं जबक मां घरेलू सहायक के रूप में काम करती हैं। ज्योति ने सबसे पहले हैदराबाद में भारतीय खेल प्राधिकरण के छात्रावास में कोच एन रमेश से दो साल तक ट्रेनिंग ली थी। उसके बाद में वह उत्कृष्टता केंद्र में शामिल होने के लिए गुंटूर गईं थीं। इसके बाद साल 2019 से ही वह भुवनेश्वर में रिलायंस एथलेटिक्स हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में ब्रिटेन के कोच जेम्स हिलियर से ट्रेनिंग लेती रही हैं। ज्योति ने चीन के हांगझोउ में 2022 के एशियाई खेलों में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। इसके अलावा साल 2023 की शुरुआत में इस एथलीट ने कजाकिस्तान में 2023 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत जीता था।

वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स में यूसुफ पठान और रायुडू ने दिखाया दम, जीती ट्राफी

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स ट्रॉफी में इंडिया चैंपियंस टीम ने पाकिस्तान चैंपियस को हराकर ट्रॉफी जीत ली है। भारत ने पाकिस्तान की ओर से रखे गए 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में पांच विकेट खोकर 159 रन बनाकर फाइनल अपने नाम कर लिया। इंडिया चैंपियंस की जीत में ओपनर अंबाती रायुडू और हाल में टीएमसी की ओर से सांसद बने यूसुफ पठान ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर मैच में अहम भूमिका निभाई। फाइनल बर्मिंघम में खेला गया। इस लीग में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके खिलाड़ी खेल रहे थे। इंडिया चैंपियंस टीम को रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायुडू ने अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 रन बनाए। उथप्पा ने दस रन बनाए। उथप्पा के आउट होने के बाद सुरेश रैना भी आउट हो गए। रैना 4 रन ही बना सके। रैना जब आउट हुए उस समय भारत का स्कोर 38 था। इसके बाद रायुडू को गुरकीरत सिंह का साथ मिला। दोनों ने स्कोर को 98 पर पहुंचाया। गुरकीरत 34 रन बनाकर आउट हुए। रायुडू ने 30 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से अर्द्धशतक लगाया। यूसुफ पठान 16 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट हुए वहीं कप्तान युवराज सिंह ने नाबाद 15 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से आमिर यमीन ने सबसे ज्यादा दो झटके। इससे पहले यूनिस खान की कप्तानी वाली पाकिस्तान चैंपियंस ने 6 विकेट पर 156 रन बनाए। अनुभवी शोएब मलिक ने 36 गेंदों पर 41 रन बनाएं। वहीं ओपनर कामरान अकमल ने 24 रन का योगदान दिया। मकसूद 21 रन बनाकर आउट हुए तो मिस्बाह उल हक 18 रन बनाकर रिटायर्ड हुए। भारत की ओर से पेसर अनुरीत सिंह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। विनय कुमार, पवन नेगी और इरफान पठान ने एक-एक विकेट चटकाया। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, विंडीज और साउथ अफ्रीका की टीमों ने हिस्सा लिया था। रायुडू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भविष्य में सीमित ओवरों की टीम के सलामी बल्लेबाज होंगे फेजर : वार्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने युवा बल्लेबाज जेक फेजर-मैकगर्क की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले दिनों में सीमित ओवरों के प्रारुप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। फेजर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया था। टी20 विश्वकप में उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया था हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। वार्नर ने कहा कि टी20 और एकदिवसीय में आने वाले समय में फेजर ही सलामी बल्लेबाज होंगे वार्नर ने कहा कि 50 ओवर क्रिकेट कैसे खेलना है। यह एक चीज है जो मैंने ट्वेंटी 20 से सीखी है। मुझे सात मैचों के बाद बाहर कर दिया गया क्योंकि मैं वास्तव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। फिर मैंने समझा कि एकदिवसीय क्रिकेट कैसे खेलना है और टी20 क्रिकेट कैसे खेलना है। इस साल की शुरूआत में इस युवा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान 2 मैचों में 23 गेंदों पर 51 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने मार्श कप में मात्र 29 गेंदों में शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और सबका ध्यान खींचा था। इसके अलावा आईपीएल में भी 36.66 की औसत और 234.04 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक शामिल थे।

अगर प्लेयर सुरक्षित महसूस नहीं करते तो न जाएं पाकिस्तान : हरभजन सिंह

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी माह में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की भागीदारी पर पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने बयान दिया है। 103 टेस्ट के अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि अगर भारत अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस नहीं करता है तो वह उन्हें पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं, पाकिस्तान आगे बढ़ सकता है और भारत के बिना ही टूर्नामेंट को आगे बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में बोलते हुए हरभजन ने कहा कि यदि हमारे खिलाड़ी पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं हैं, तो हम टीम नहीं भेजेंगे। यदि आप खेलना चाहते हैं, तो खेलें; यदि नहीं, तो न खेलें। भारतीय क्रिकेट पाकिस्तान के बिना भी जीवित रह सकता है। यदि आप लोग भारतीय क्रिकेट के बिना जीवित रह सकते हैं, तो इसे करें।

बीते दिनों खबर आई थी कि बीसीसीआई पाकिस्तान टीम भेजने पर विचार कर रहा है। लेकिन इस पर फौरन बाद ही बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान सामने आ गया। उन्होंने इस विषय पर उठ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। शुक्ला ने एक चैनल पर दी इंटरव्यू में कहा कि हमें नहीं पता कि किस स्रोत ने ऐसी जानकारी दी। बीसीसीआई ने इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। समय के साथ दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। इनके बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से, आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप ही ऐसे आयोजन हैं जहां प्रशंसकों को कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मैच देखने को मिलता है। अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से हटती है, तो श्रीलंका उनकी जगह लेगा, जो 2023 वनडे विश्व कप स्टैंडिंग में 9वें स्थान पर रहा था। पिछले साल, पाकिस्तान के पास एशिया कप 2023 की मेजबानी का अधिकार था लेकिन भारत सरकार ने टीम को यात्रा करने की मंजूरी नहीं दी और उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए गए।

2 ग्रुप में आठ टीमें

भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। हाल ही में आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी, जब सुरक्षा टीम ने आयोजन स्थलों और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था।

शाहीन के बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने की संभावनाएं नहीं : गिलेस्पी

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में शायद ही खेलें। इसका कारण है कि वह पापा बनने वाले हैं और ऐसे समय में अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं। शाहीन और उनकी पत्नी अंशा अपने पहले बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान की टेस्ट टीम के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने कहा, शाहीन बच्चे के जन्म के कारण बांग्लादेश के टेस्ट मैचों से बाहर हो सकते हैं। अगर वह तब तक अपनी पत्नी के साथ रहना चाहते हैं, तो हम उन्हें आराम दे सकते हैं। हाल ही में, शाहीन पाकिस्तान के कोचों के साथ अपने दुर्व्यवहार के बारे में सामने आई रिपोर्टों के कारण सुर्खियों में रहे हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के पाकिस्तान के टी20आई दौरे के दौरान शाहीन की बल्लेबाजी कोच मोहम्मद यूसुफ के साथ तीखी बहस भी हुई थी हालांकि बाद में शाइन ने उनसे माफी मांग ली थी। तब टीम प्रबंधन ने कहा था कि ये मामला हल कर लिया गया है। पाकिस्तान की टीम को सीमित ओवरों की अगली सीरीज नवंबर में ऑस्ट्रेलिया से खेलनी है।

नाइजीरिया में गिरी स्कूल की बिल्डिंग, 22 छात्रों की मौत, कई घायल

–रेस्क्यू टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर 132 लोगों को मलबे से निकाला

नाइजीरिया। नाइजीरिया में अचानक एक स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 22 छात्रों की मौत हो गई। बिल्डिंग के मलबे में कुल 154 लोग फंसे हुए थे। हालांकि मौके पर रेस्क्यू टीम ने ज्यादातर लोगों को बचा लिया है। राहत और बचाव कर्मियों ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए फंसे 154 लोगों में से 132 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन कर बाहर निकाल लिया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने एक फेसबुक पोस्ट में बताया कि इस घटना में घायल 30 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य को पूरा कर लिया गया है और वहां अब कोई भी मलबे में फंसा हुआ नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाइजीरिया के सैंट एकेडमी स्कूल की दो मंजिला बिल्डिंग भरभरा कर ढह गई। तब स्कूल के छात्र पढ़ाई कर रहे थे। अफ्रीका के देशों में इमारत गिरने की घटना कोई नई नहीं है। इसके पीछे वजह है एक तो अफ्रीका के देशों में जो बिल्डिंग बनाने के मानक हैं, वो लचीले हैं, साथ ही सुरक्षा को लेकर भी वहां सजगता नहीं है। इसके अलावा वहां के देशों में भवन बनाने में जिस मटेरियल का इस्तेमाल किया जाता है, उसकी गुणवत्ता भी निम्न स्तर की होती है। इस वजह से बिल्डिंग बेजान रहती है और हादसे का कारण बनती हैं।

सोमालिया में सुरक्षाबलों और कैदियों के बीच गोलीबारी...पांच की मौत

मोगादिशु । सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में सुरक्षाबलों और भागने का प्रयास कर रहे कैदियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। घटना में पांच कैदियों और तीन सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य कैदी घायल हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कस्टोडियल कोर कमांड के प्रवक्ता अब्दिकानी मोहम्मद खलफ ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान तीन सैनिक भी घायल हुए हैं। सेंट्रल जेल से भागने का प्रयास कर रहे हथियारों से लैस कैदी अल-शबाब आतंकवादी समूह के सदस्य थे। जेल से भागने के प्रयास के दौरान जेल अधिकारियों और कैदियों के बीच गोलीबारी हुई। जेल अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि कैदियों ने भागने के लिए हथियार और हथगोले कैसे हासिल किए। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने अल-शबाब सदस्यों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया है। फिलहाल स्थिति शांत है और सुरक्षा बलों ने सभी पांच कैदियों को मार गिराया है।

वियतनाम के उत्तरी पहाड़ी इलाके में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत

हनोई, । वियतनाम के उत्तरी प्रांत हा गियांग में भूस्खलन से दबकर एक मिनीबस में सवार कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी वियतनाम समाचार एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि शनिवार सुबह बाक मी जिले में एक सड़क पर भूस्खलन के कारण वाहन फंस गया तो उसमें सवार सभी लोग मदद के लिए बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि मिनीबस में लगभग 16 लोग सवार थे। ऊपर से हजारों घन मीटर मिट्टी सड़क पर आ गई, जिससे सभी लोग दब गए। नेशनल सेंटर फॉर हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल फोरकास्टिंग के अनुसार, जिस क्षेत्र में दुर्घटना हुई, वहां शुक्रवार शाम 7 बजे से शनिवार सुबह 7 बजे तक 280-290 मिमी बारिश दर्ज की गई। सामान्य सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि वियतनाम में प्राकृतिक आपदाओं में इस वर्ष के पहले छह महीनों में 68 लोग मारे गए या लापता हो गए और 56 अन्य घायल हुए, इसने कहा कि कुल संपत्ति का नुकसान 1.7 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (6.69 करोड़ अमेरिकी डॉलर) से ज्यादा हुआ, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.5 गुना अधिक है।

काठमांडू के होटल से 20 करोड़ की कोकीन के साथ मलेशियाई महिला गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की नारकोटिक्स विभाग ने काठमांडू के एक होटल में छापा मार कर 5 किलोग्राम 820 ग्राम कोकीन के साथ एक मलेशियाई महिला को गिरफ्तार किया है। बरामद कोकीन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20 करोड़ 36 लाख रुपये आंकी गई है। नारकोटिक्स विभाग के एसएसपी दिनेश आचार्य ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सिटी होटल में छापा मारकर 47 वर्षीय मलेशियाई महिला बाथुमालाई भाडुभाली को 5 किलोग्राम 820 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह ड्रग्स तंजानिया से मलेशिया होते हुए नेपाल लाया गया जहां इसकी डिलवरी भारत के किसी शख्स को करनी थी। नेपाल की पुलिस गिरफ्तार मलेशियाई महिला से पूछताछ में जुटी है।

चीन में हेपेटाइटिस बी और संबंधित कैंसर के मामलों में गिरावट

बीजिंग। चीन में हेपेटाइटिस बी और संबंधित हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के आयु-मानकीकृत मामले साल दर साल घट रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार चीन के हेपेटाइटिस बी की रोकथाम और नियंत्रण कार्य में हाल के वर्षों में सकारात्मक प्रगति हासिल हुई है। यह जानकारी हेपेटाइटिस बी के उन्मूलन में तेजी लाने पर शैक्षणिक सम्मेलन-2024 से मिली। चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के उप निदेशक और चीनी निवारक चिकित्सा संघ के अध्यक्ष ली पिन ने कहा कि हेपेटाइटिस बी सबसे अधिक वैश्विक बीमारी बोझ वाले संक्रामक रोगों में से एक है और चीन के सामने एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा भी है। 2016 में विश्व स्वास्थ्य सभा ने 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में वायरल हेपेटाइटिस को खत्म करने का लक्ष्य प्रस्तावित किया था। चीन ने हेपेटाइटिस बी वैक्सीन टीकाकरण कवरेज, नए हेपेटाइटिस बी वायरस संक्रमण के नियंत्रण और हेपेटाइटिस बी से संबंधित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा की रोकथाम और नियंत्रण में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। चीन इंजीनियरिंग अकादमी के सदस्य ज्वांग ह्वी ने कहा कि अगला कदम हेपेटाइटिस बी के निदान और उपचार दरों में सुधार जारी रखना है।

इजरायल ने सीरिया की राजधानी में स्थलों को निशाना बनाया

दमिश्क। इजरायल ने रविवार की आधी रात को सीरिया की राजधानी दमिश्क में सिलसिलेवार हमला करते हुए कई ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे पूरे शहर विस्फोट से गूंज उठा। सीरियाई राज्य टीवी ने कहा कि सीरियाई हवाई सुरक्षा दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में इजरायली हमले को रोक रही है। सीरियाई वायु रक्षा मिसाइलों की लगातार आवाज के बीच इस बार का हमला सामान्य हमलों से बड़ा था। राजधानी के कुछ हिस्सों में एम्बुलेंस के सायरन सुने गए। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि यह हमला बहुत हिंसक था।

पति को हुआ पत्नी पर शक तो ड्रोन से करवाई जासूसी, खुला राज

बीजिंग। पति-पत्नी का रिश्ता गाड़ी के दो पहियों की तरह होता है एक खराब होता है गाड़ी नहीं चलती है। इनका रिश्ता भी पाक और साफ होता है लेकिन कुछ लोग होते हैं जो अपने जीवन साथी पर शक करते हैं और अपने साथ-साथ उसका का जीवन नरक बना देते हैं। अपने जीवन साथी पर शक होने पर जासूसी करवाने का चलन सदियों पुराना है। ऐसा आज भी होता है। चीन के एक शख्स ने तो हद ही कर दी जब उसने अपनी पत्नी पर शक होने पर निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं पड़ताल में जो उसे दिखा वह उसके लिए चौंकाने और निराश करने वाला था लेकिन यह पूरा मामला सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो गया। चीन के हुबेई प्रांत के शियान में रहने वाले 33 साल के जिंग ने देखा कि पिछले एक साल से उसकी पत्नी का उसके लिए बर्ताव रूखा हो गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिंग ने कहा कि कभी-कभी वह जानबूझकर उसे अनदेखा कर देती थी। वही कई बार बाहर जाने लगी थी और कहने लगी थी कि वह अपने माता-पिता से मिलने जा रही है। ऐसी घटनाओं ने उसने उसकी चिंता बढा दी। उसकी पत्नी के जीवन में कई असामान्य घटनाएं जैसे कि काम में बदलाव और झूठ बोलकर बाहर जाना जिंग की चिंताओं को बढ़ा दिया। जिंग ने अपनी पत्नी की गतिविधियों पर नज़र रखने ड्रोन का इस्तेमाल किया। फुटेज से पता चला कि पत्नी वू एक कार में बैठ कर दूर पहाड़ों पर चली गई। वहां वह एक दूसरे शख्स के साथ हाथ पकड़कर चलने लगी और एक पुराने घर में चली गई।

यरुशलम में इज़राइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच, तत्काल युद्ध विराम और गाजा में बंधक बनाए गए इज़राइली बंधकों की रिहाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करते लोग।

जख्मी ट्रंप ने भरी हुंकार! बोले- हार नहीं मानूंगा, चुनाव प्रचार जारी रहेगा

वाशिंगटन। गोली लगने से लहुलुहान हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि मैं खुद को सरेंडर नहीं करुंगा और चुनाव प्रचार लगातार चलता रहेगा। ट्रंप ने अपने समर्थकों को भेजे एक संक्षिप्त ईमेल मैसेज में वादा किया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे अपना प्रेसिडेंट कैंपेन जारी रखेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं कभी भी सरेंडर नहीं करूंगा! डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर वायरल है, जिसमें देखा जा सकता है कि वो भाषण दे रहे हैं, तभी गोलियां चलने लगती हैं। डोनाल्ड ट्रंप अपने दाहिने हाथ से कान को ढकते हैं और डायस के पीछे झुक जाते हैं। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स तुरंत उनके पास पहुंचते हैं। ट्रंप डायस के पीछे से उठते हैं और रैली में आए लोगों की ओर मुट्ठी भींचकर साहस का संदेश देते हैं। उनके दाहिने कान और चेहरे पर खून नजर आ रहा है। इस हमले के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर पहली प्रतिक्रिया दी है। यूएस सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिल्मी के अनुसार, घटना स्थानीय समय के मुताबिक, शाम करीब 6:15 बजे हुई जब संदिग्ध शूटर ने रैली स्थल के बाहर एक ऊंचे स्थान से मंच की ओर कई गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा, यूएस सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने हमलावर को मार गिराया। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप सुरक्षित हैं। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की जांच चल रही है और सीक्रेट सर्विस ने एफबीआई को इस बारे में सूचित कर दिया है। यह चौंकाने वाली घटना मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत से दो दिन पहले हुई, जहां डोनाल्ड ट्रंप औपचारिक रूप से पार्टी के उम्मीदवार बनेंगे। बीवर काउंटी रिपब्लिकन पार्टी के उपाध्यक्ष रिको एल्मोर ट्रंप के सामने विशेष अतिथियों के लिए बने सेक्शन में बैठे थे, तभी उन्हें पटाखों जैसी आवाज सुनाई दी। एल्मोर ने बताया, हर कोई हैरान था और ऐसा लगा कि नहीं कि ये असली गोलियां चली हैं।

गोलीबारी में ट्रंप घायल, हमलावर मारा गया

–खूना खून हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति- 50 फिट दूर छत पर बैठे युवक ने गोली मारी

–ट्रंप ने कहा- मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी गोली

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप को 50 फिट दूर छत पर बैठे एक युवक ने गोली मार दी। उनके कान को चीरती हुई निकली गोली से वे खूना खून हो गए। ट्रंप पर हमला उस वक्त हुआ जब वे पेंसिलवेनिया में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। हमले के बाद सुरक्षाकर्मीयों ने कुछ ही मिनटों के अंदर बिल्डिंग की छत पर बैठे हमलावर को मार गिराया, और जगह कि छानबीन शुरू कर दी है। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शीयों के मुताबिक करीब 3 से 4 राउंड गोली ट्रंप की तरफ चलाई गई। जिसमें हमलावर के अलावा एक व्यक्ति की भी मौत हुई है जबकि एक अन्य घायल है। फिलहाल मृत हमलावर या उससे जुड़े अन्य के बारे में कोई विशेष जानकारी सामने नहीं आई है। जैसे ही ट्रंप पर हमला हुआ, सीक्रेट सर्विसेज के सुरक्षाबलों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया और उन्हें सुरक्षित जगह पर ले गए। ट्रंप पर तब हमला हुआ, जब वे बटलर में अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे, ये कार्यक्रम कई न्यूज चैनल्स पर लाइव भी जा रहा था। ट्रंप के भाषण के दौरान सातवें मिनट में उनके ऊपर ये हमला हुआ।

पुलिस को पता था कि हमलावर छत पर है

एक गवाह ने दावा किया कि उसने डोनाल्ड ट्रंप पर गोली चलाने वाले शख्स को देखा था, जब वह अपनी कैंपेन रैली कर रहे थे। शख्स ने ईवेंट ग्राउंड के नजदीक स्थित एक बिल्डिंग की छत से डोनाल्ड पर हमला किया था। ग्रेग ने बताया कि शूटर के पास राइफल था और वो बिल्डिंग की छत तक पहुंच गया था। उन्होंने कहा, वह व्यक्ति हमसे 50 फीट दूर इमारत में रेंगकर आया। उसके पास एक राइफल थी। उन्होंने कहा कि पुलिस और सीक्रेट सर्विस को इसकी जानकारी दी है कि एक संदिग्ध आदमी छत पर राइफल के साथ मौजूद है। उन्होंने बताया, मैं खुद में यह सोच रहा था कि ट्रंप अभी तक क्यों बोल रहे हैं और अभी तक उन्हें स्टेज से हटाया क्यों नहीं गया है... .और तभी एक दम से पांच बार गोली चलने की आवाज आती है।

फायरिंग का वीडियो सामने आया, बाइडन दिया देश के नाम संदेश

डोनाल्ड ट्रंप की रैली पर हुई फायरिंग का वीडियो आ चुका है। इसमें दिख रहा है ट्रंप रैली को संबोधित कर रहे हैं। उसी वक्त गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजने लगती है। कुछ सेकंड्स के अंतराल पर ट्रंप अपने कान को छूते हैं और पोडियम के पीछे बैठ जाते हैं। इसके बाद रैली में चीख-पुकार और हंगामा मच जाता है। वहीं, सुरक्षा में तैनात जवान भागकर ट्रंप के पास पहुंचते नजर आते हैं। इसके बाद ट्रंप को सुरक्षित उनके वाहन तक ले जाया जाता है। हालांकि ट्रंप के कान पास से खून बहता नजर आ रहा है। अपने वाहन की तरफ जाते हुए ट्रंप रुकते हैं और भीड़ की तरफ मुट्ठी बांधकर हवा में पंच करते हैं। इस दौरान वह कुछ कहते भी नजर आते हैं, जो स्पष्ट नहीं होता है। वहीं दूसरी तरफ घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी देश के नाम अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने ट्रंप के चिकित्सकों से बात की है और वो ठीक ठाक हैं। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका में इस तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें, रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार घोषित किए जाने से ठीक एक दिन पहले पूर्व राष्ट्रपति पर गोलियां चलाई गईं।

तेज आवाज सुनते ही मुझे गड़बड़ी का हुआ अंदेशा - ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा था, मुझे एक गोली मारी गई जो मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी। ट्रम्प ने कहा, मुझे तुरंत पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैंने एक तेज आवाज, गोली की आवाज सुनी और तुरंत महसूस किया कि गोली त्वचा को चीरती हुई निकल गई है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप पर स्पष्ट रूप से हत्या का प्रयास किया गया है, जिसमें रैली स्थल के बाहर एक ऊंचे स्थान से मंच की ओर कई गोलियां चलाई गईं और इसमें शूटर की मौत हो गई है। हमले के बारे में ट्रंप ने बताया, मुझ पर गोली चलाई गई, जो मेरे कान के ऊपरी हिस्से को चीरती हुई निकल गई।

ट्रंप पर जानलेवा हमला... मस्क ने सीक्रेट सर्विस प्रमुख चीटल का इस्तीफा मांगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर पेंसिल्वेनिया में जानलेवा हमला हुआ। ट्रंप यहां रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी एक शूटर ने दूर एक बिल्डिंग की छत से गोलियां चलाई। एक गोली ट्रंप को छूते हुए निकली। ट्रंप तुरंत झुककर नीचे बैठे और इसके साथ ही उनकी सुरक्षा में लगे सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने उन्हें घेर लिया। कुछ ही पल बाद जब ट्रंप को सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने उठाया तब उन्होंने मुट्ठी हवा लहराई। उनके चेहरे पर खून लगा दिखाई दे रहा था। ट्रंप पर हमले की खबर पूरी दुनिया में तेजी से फैली लेकिन अमेरिका में इसके बाद एक बहस छिड़ गई है। ट्रंप की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर पूर्व सीक्रेट सर्विस के रहते राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला कैसे हुआ, जिसमें उन्हें गोली छू गई। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले को लेकर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की प्रमुख भी निशाने पर हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीक्रेट सर्विस के ऊपर होती है। सीक्रेट सर्विस को अमेरिका में बेहद ही चुस्त सुरक्षा एजेंसी माना जाता है, लेकिन ट्रंप पर हमले के बाद इस लेकर सवाल उठ रहे हैं। हमले के बाद अमेरिकी कांग्रेस के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के पैनल ने सीक्रेट सर्विस प्रमुख किंबर्ली ए चीटल को बयान देने के लिए पेश होने को कहा है। किंबर्ली को 22 जुलाई को अपनी गवाही देनी होगी।

हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि सांसद ट्रंप की रैली में हुई गोलीबारी की पूरी जांच करने वाले हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट में जॉनसन ने कहा कि सदन के सांसद जल्द से जल्द समिति की सुनवाई में सीक्रेट सर्विस डायरेक्टर चीटल के साथ-साथ होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और संघीय जांच ब्यूरो के अधिकारियों की गवाही लेने वाले हैं। उन्होंने कहा, अमेरिकी लोगों को सच्चाई जानने का हक है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने चीटल को लिखा पत्र पोस्ट किया, जिसमें उन्हें 22 जुलाई को सुनवाई में उपस्थित होने के लिए कहा गया था। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने सीक्रेट सर्विस को हमलावर के बारे में जानकारी दी थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि उसने एक राइफलधारी स्नाइपर को बिल्डिंग की छत पर जाते देखा था। शख्स ने बताया कि आप उसे राइफल के साथ साफ देख सकते थे। हमने उसकी तरफ इशारा भी किया लेकिन पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। प्रत्यक्षदर्शी का इंटरव्यू शेयर कर दिग्गज टेक मुगल और टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने चीटल के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने लिखा, सीक्रेट सर्विस की प्रमुख और इस सुरक्षा दल के लीडर को इस्तीफा दे देना चाहिए।

उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया की चेतावनी, परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया तो प्योंगयांग शासन को कर देंगे तबाह

सोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया ने रविवार को चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया ने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया तो वह पड़ोसी देश के शासन को तबाह कर देगा।

समाचार एजेंसी योनहाप की खबर के अनुसार, दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'हम कड़ी चेतावनी देते हैं कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बाद उत्तर कोरिया के शासन के बचने की कोई सूरत ही नहीं होगी।÷ सोल की तरफ से यह बयान उत्तर कोरिया के शनिवार को जारी एक बयान की प्रतिक्रिया में दिया गया है।

प्योंगयांग ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के 'कोरियाई प्रायद्वीप में परमाणु ऑपरेशन और परमाणु निषेध के बारे में दिशा-निर्देश' जारी करने की आलोचना करते हुए इसे 'उकसावे की कार्रवाई÷ बताया था। उत्तर कोरिया ने कहा था कि सोल और वाशिंगटन को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। दिशा-निर्देशों पर हस्ताक्षर की तारीफ करते हुए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया की तरफ से दक्षिण कोरिया के खिलाफ किसी भी परमाणु हमले के खिलाफ त्वरित, कठोर और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय ने आज जारी एक बयान में कहा, 'अव्वल तो, उत्तर कोरिया की तरफ से परमाणु खतरा नहीं होता तो इस संयुक्त दिशा-निर्देश की जरूरत ही नहीं होती। उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु क्षमता और परमाणु धमकियों के मद्देनजर दक्षिण कोरिया-अमेरिका संगठन द्वारा उठाया गया यह कदम उचित है।÷ मंत्रालय ने कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते तनाव के लिए उत्तर कोरियाई शासन को जिम्मेदार ठहराया है।

उसने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के विरोध और उत्तर कोरिया के लोगों की पीड़ाओं के बावजूद प्योंगयांग प्रशासन अवैध रूप से परमाणु मिसाइल बनाना जारी रखे हुए है। उत्तर कोरिया के इस साल अप्रैल में परमाणु प्रतिघात से मिलते-जुलते रॉकेट ड्रिल के बाद भी दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय ने इसी तरह की चेतावनी दी थी।

बाइडन ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर किए, चीन का नाराज होना तय

– चीन पहले ही रिजॉल्व तिब्बत एक्ट को अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बता चुका है

वॉशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका ने तिब्बत पर बड़ा कदम उठाया है जिससे चीन का नाराज होना तय माना जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिया है, जिसके बाद यह विधेयक अब कानून बन गया है। इस तरह अमेरिका ने तिब्बती लोगों के प्रति अपना समर्थन बढ़ाया है। अमेरिका ने चीन और तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के बीच संवाद बढ़ाने पर जोर दिया है, ताकि अनसुलझे विवाद को सुलझाया जा सके। बता दें कि चीन ने पहले ही रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का विरोध करते हुए इसे अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बता चुका है। चीन तिब्बत को अपना हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ, तिब्बती लोग चीनी कब्जे का लगातार विरोध करते रहे हैं। दरअसल, राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन बढ़ाने और इसके दर्जे एवं शासन से संबंधित विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए बातचीत को बढ़ावा देने की वकालत की है। अमेरिका के इस स्टैंड का चीन शुरू से ही विरोध करता रहा है। अमेरिका चीन और तिब्बती धर्मगुरु एवं नेता दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने संबंधी एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद यह एक कानून बन गया है। इसे रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का नाम दिया गया है। चीन रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का विरोध करते हुए इसे अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बताया था। पिछले साल फरवरी में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने जबकि इस साल मई में सीनेट ने इस विधेयक को पास कर दिया था। राष्ट्रपति बाइडन ने हाल ही में जारी किए गए एक बयान में कहा कि आज, मैंने एस 138, 'तिब्बत-चीन विवाद समाधान को बढ़ावा देने वाला अधिनियम' पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं तिब्बतियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सुरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए संसद के दोनों सदनों की प्रतिबद्धता को शेयर करता हूं। मेरी सरकार चीन से दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करता रहेगा, ताकि मतभेदों को दूर किया जा सके और तिब्बत पर बातचीत के जरिए समझौता किया जा सके।

ट्रंप पर हमला लोकतंत्र के समक्ष राजनीतिक हिंसा से उत्पन्न खतरे की 'गंभीर चेतावनी' है: अमेरिकी मीडिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी मीडिया ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को रविवार को ''भयावह क्षण'' करार दिया और कहा कि यह देश में लोकतंत्र के समक्ष राजनीतिक हिंसा से उत्पन्न होने वाले खतरे की ''गंभीर चेतावनी'' है।

ट्रंप (78) पर शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान एक युवा हमलावर ने गोली चलाई, जो उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने कहा कि शनिवार को अमेरिकियों को हमारे लोकतंत्र के समक्ष मौजूद राजनीतिक हिंसा के खतरे की चेतावनी मिली।

समाचार पत्र ने कहा, ''अब दोनों दलों के नेताओं और व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से अमेरिकियों की यह जिम्मेदारी है कि वे हिंसा और इसे बढ़ावा देने वाले भड़काऊ बयानों का विरोध करें। अमेरिकियों को भी इस चुनौती के बारे में स्पष्ट रूप से सोचना चाहिए जिसका सामना यह देश कर रहा है। शनिवार की घटना को अपवाद नहीं माना जा सकता। हिंसा अमेरिकी राजनीति को संक्रमित व प्रभावित कर रही है।'' 'द वॉल स्ट्रीट जनरल' ने कहा कि हत्या का प्रयास अमेरिका के लिए एक भयावह क्षण है जो इससे भी बदतर हो सकता था, लेकिन हम यह नहीं कह सकते कि यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक है। समाचार पत्र ने कहा कि राजनीतिक शत्रुता और घृणास्पद बयानबाजी एक ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जिसकी वजह से अमेरिका में हिंसा व हत्या के प्रयास हुए हैं और हममें से कुछ लोगों को अब भी 1968 की घटना अच्छी तरह याद है। हमलावर अपने किए के लिए खुद ही जिम्मेदार है, लेकिन दोनों पक्षों के नेताओं को चुनाव के दौरान भड़काऊ बातें कहनी बंद कर देनी चाहिए, अगर कोई एक उम्मीदवार चुनाव जीत जाता है तो लोकतंत्र खत्म नहीं होगा। समाचार पत्र ने कहा, ''अगर ट्रंप जीतते हैं तो देश में तानाशाही नहीं आ जाएगी।'' सीएनएन ने एक लेख में कहा कि एक पूर्व राष्ट्रपति और नवंबर में होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से नामांकन स्वीकार करने से कुछ ही दिन पहले एक चुनावी रैली में ट्रंप को निशाना बनाया जाना निश्चित रूप से लोकतंत्र और अपना नेता चुनने के प्रत्येक अमेरिकी के अधिकार पर हमला है।

3 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू। अमरनाथ यात्रा में पिछले 15 दिनों में करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। रविवार सुबह 4,889 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा कि पिछले 15 दिनों के दौरान लगभग तीन लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। 4,889 यात्री रविवार सुबह दो सुरक्षा काफिलों में भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुए। पहला सुरक्षा काफिला 78 वाहनों में 1,896 तीर्थयात्रियों को लेकर सुबह 3ः05 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 105 वाहनों में 2,993 तीर्थयात्रियों को लेकर सुबह 3ः55 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। यह पवित्र गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 29 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्यौहार के साथ संपन्न होगी।

हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, 12 सड़कें बंद

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश होने के बाद 12 सड़कों को बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार बैजनाथ में शुक्रवार शाम से 32 मिलीमीटर बारिश हुई। उसके बाद धर्मशाला (22.6 मिमी), जुब्बरहट्टी (21.5 मिमी), मनाली (20 मिमी), कांगड़ा (19.2 मिमी), जोगिंदरनगर (19 मिमी), सलोनी (18.3 मिमी), पंडोह (15.5 मिमी), पालमपुर (14.4 मिमी), पच्छाद (12 मिमी), सुजानपुर टीरा (11.5 मिमी), भरारी (11.2 मिमी) और घमतूर (10.4 मिमी) का स्थान रहा। मानसून की शुरुआत के बाद से राज्य में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। शनिवार की शाम तक 12 सड़कें बंद हैं जिनमें मंडी में पांच, शिमला में चार और कांगड़ा जिले में तीन सड़कें हैं। मौसम कार्यालय ने 16 और 17 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश, तूफान और बिजली गिरने के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और 19 जुलाई तक राज्य में बारिश की भविष्यवाणी की है। लाहौल और स्पीति के केलांग में न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हमीरपुर सबसे गर्म स्थान रहा जहां अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में बारिश से माहौल खुशगंवार हो गया है। इस बारिश के बाद उमस ने लोगों को परेशान कर दिया है। वहीं, देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से आई बाढ़ से लाखों लोग बेघर हो गए हैं और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश के कारण 15 सड़कें पूरी तरह बंद हैं। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में कई जिलों में भी भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण दिल्ली के तापमान में गिरावट आ सकती है। आज दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25-26 डिग्री रह सकता है। वहीं, अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहने की उम्मीद है। दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि 17 जुलाई तक दिल्ली और नोएडा में हल्की बारिश जारी रहेगी। आईएमडी ने पश्चिमी महाराष्ट्र के तटीय जिलों रायगढ़ और रत्नागिरी तथा कोल्हापुर और सतारा में रेड अलर्ट जारी कर 14 जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, ठाणे जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट और मुंबई के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। केरल के कई इलाकों में हो रही भारी बारिश के बीच विभाग ने कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पथनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टयम, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों के कुछ स्थानों में भी तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

ज्यादा मुआवजे के लिए हाईवे पर रातों रात बन गए घर

सिंगरौली। हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा था और यह जिले के 33 गांवों से होकर गुजरेगा। कुछ समय पहले यहां पर हरे भरे खेत दिखाई दे रहे थे लेकिन अब अचानक पूरा दृश्य बादल गया है। प्रस्तावित हाईवे पर लगभग 2,500 नए घर अचानक बन गए हैं। कृषि भूमि पर घर बनाने से ज़मीन के भुगतान की तुलना में मुआवज़ा काफी बढ़ जाता है। हालांकि खेतों में बनने वाली नए घर की दीवारें केवल 4 फुट ऊंचे हैं, जो बच्चों के लिए भी बहुत छोटी होती हैं। घर के ऊपर टिन की छत है। इसे अब स्थानीय स्तर पर 'मुआवजा उद्योग' कहा जा रहा है। इन घरों का निर्माण कथित तौर पर स्थानीय अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से किया जा रहा है, जिन्हें नए निर्माण या भूमि सौदों पर प्रतिबंध के बावजूद कटौती का बड़ा हिस्सा मिलेगा। मार्च में एक सर्वेक्षण के बाद मुआवजे के लिए क्षेत्र निर्धारित किए गए। प्रशासन ने अब कहा है कि नए मकानों के लिए कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। चितरंगी और दुधमानिया क्षेत्रों के गांवों के ड्रोन फुटेज से हाईवे के रास्ते में बने घरों का पता चलता है, जिसका 70 किमी हिस्सा जिले से होकर गुजरेगा। निवासियों का कहना है कि दलालों ने स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों की भागीदारी के साथ निर्माण को अंजाम दिया है। भूमि अधिग्रहण मार्च में शुरू हुआ और प्रशासन ने नए निर्माण और भूमि लेनदेन पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन उसके बाद निर्माण की गति तेज हो गई। स्थानीय निवासी संकठा सिंह चौहान ने कहा, जैसे ही लोगों को मुआवज़े की जानकारी मिली, एक-दो महीने के भीतर मकानों का निर्माण शुरू हो गया। लगभग एक महीने में यहां 2,500 से अधिक मकान बन गए। इनमें से अधिकतर मकान सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से बनाए गए हैं, जैसे कि राजस्व विभाग के लोग।

दक्षिण अफ्रीका नौकरी करने गए राजकोट के युवक को बनाया बंधक, परिवार से मांगे 22.50 लाख

राजकोट । राजकोट के वावडी क्षेत्र का एक युवक नौकरी करने के उद्देश्य से दक्षिण अफ्रीका गया था। युवक जिस कंपनी में युवक बतौर एकाउंटेंट नौकरी कर रहा था, वहीं उसे बंधक बना लिया गया है। कंपनी ने युवक पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसके परिवार से रु. 22.50 लाख की मांग की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के वावडी क्षेत्र में रहनेवाला जय दिनेशभाई कारिया नामक युवक दक्षिण अफ्रीका नौकरी करने गया था। दक्षिण अफ्रीका के किनकासा क्षेत्र स्थित एक कंपनी में जय कारिया बतौर एकाउंटेंट नौकरी पर लगा था। जय ने सोचा भी नहीं होगा कि वह जहां नौकरी करने जा रहा है, वहीं उसे कैद कर लिया जाएगा। कंपनी ने चोरी का आरोप लगाकर जय कारिया को बंधक बना लिया है और उसके परिवार से रु. 22.50 लाख की मांग की है। दक्षिण अफ्रीका में बंधक बनाए गए जय कारिया ने वीडियो कॉल के जरिए अपने परिवार से बात की और अपनी आपबीती बयां की। जय कारिया ने परिवार से कहा कि वह अब उसे भूल जाए और उसके लिए एक रुपया भी बर्बाद ना करें। बेटे की हालत को देख परिवार काफी चिंता है और उसे मुक्त कराने के लिए भारतीय एम्बेसी से बातचीत की है। लेकिन अब तक जय कारिया की रिहाई नहीं हुई।

कनाडा के आतंकवादी लांडा के पांच सहयोगियों को पंजाब पुलिस ने पकड़ा

चंडीगढ़ । कनाडा के आतंकवादी लखबीर सिंह उर्फ लांडा के पांच सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस प्रमुख ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि उनके पास से तीन पिस्तौलें बरामद की गईं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता के तहत जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने कनाडा स्थित आतंकवादी लखबीर उर्फ लांडा के पांच और सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।'' डीजीपी ने कहा कि लांडा गिरोह के गिरफ्तार सदस्यों की संख्या बढ़कर अब 13 हो गई है। यादव ने बताया, ''यह गिरोह पंजाब के कई जिलों में हत्या, जबरन वसूली जैसे कई जघन्य अपराधों और कई अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल है।'' इसके पहले 10 जून को पुलिस ने बताया था कि उसने लांडा के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। आतंकवादी के पांच और सहयोगियों को 30 जून को गिरफ्तार किया गया था।

प्रधानमंत्री का एक पेड़ मां के नाम अभियान जलवायु परिवर्तन को उचित जवाब है: अमित शाह

इंदौर। (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश के इंदौर में रविवार को उस अभियान में हिस्सा लिया, जिसका मकसद एक ही दिन में 11 लाख पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाना है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का उपयुक्त जवाब है। विश्व पर्यावरण दिवस पर पांच जून को मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत देशभर में लगभग 140 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें मध्य प्रदेश में 5.5 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शाह ने कहा, ÷विकास हो रहा है और हम सुविधाएं बढ़ा रहे हैं। मोदी जी ने हमें पीछे देखने और आने वाली पीढ़ी के लिए भी काम करने को कहा है। पर्यावरण की चिंता सिर्फ देश के लिए ही नहीं, बल्कि हर जगह अहम हो गई है। कार्बन डाइऑक्साइड और मोनोऑक्साइड ने ओजोन के स्तर को कम कर दिया है और इसकी परत में छेद कर दिया है।÷ उन्होंने कहा, इससे तापमान में वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन को महसूस किया जा रहा है। मोदी जी द्वारा शुरू किया गया अभियान इसका उपयुक्त जवाब है। गृह मंत्री ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सुबह में कहा, ÷आज एक विशेष दिन है, जब इंदौरवासी 11 लाख पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि मोदी जी द्वारा शुरू किए गये 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वह भी आज इंदौर (मध्य प्रदेश) के रेवती रेंज के बीएसएफ परिसर में पौधे लगाएंगे।

शाह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक रहा है और वृक्षारोपण को सरकार ने जन-जन की चेतना का विषय बनाया है। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम से ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अकादमी के रेवती रेंज में गड्ढे खोदे गए और आज सुबह प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा भूमि पूजन किए जाने के बाद पौधे लगाने का काम शुरू हो गया। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि दोपहर तक 11 लाख में से सात लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छह जुलाई को राज्य में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी।

भाजपा के लिए बहुत अच्छा संदेश नहीं दे रहे विधानसभा के उपचुनाव

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में झटका खा चुकी भाजपा संभलती इससे पहले ही 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों ने एक और बड़ा झटका दिया है। विपक्षी एकता की नींव ने बीजेपी के सभी समीकरणों को बिगाड़ कर रख दिया। इसी वजह से चुनाव में एक तरफ अगर बीजेपी सिर्फ दो सीटों पर जीत दर्ज कर पाई तो वहीं दूसरी तरफ दो राज्यों की 5 सीटों में से चार पर कांग्रे,स बंगाल की चारों सीटों पर टीएमसी और पंजाब की एक सीट पर आम आदमी पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की।

बड़ी बात यह है कि जो पांच दलबदलू नेता इस बार उपचुनाव में हारे हैं, उसमें से चार तो बीजेपी की तरफ से थे। इस कड़ी में सबसे पहले नाम आता है होशियार सिंह का जिन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में देहरा सीट पर बतौर निर्दलीय जीत दर्ज की थी। लेकिन 2024 के मार्च में सबसे बड़ा सियासी खेल हुआ और होशियार सिंह ने बीजेपी का दामन थाम लिया। इस बार बीजेपी को बड़ी उम्मीद थी कि उपचुनाव में होशियार सिंह जीत दर्ज कर लेंगे, लेकिन उन्हें बड़ी हार का सामना करना पड़ा। माना जा रहा है बीजेपी में बड़े पद की वजह से उन्होंने पार्टी ज्वाइन की थी, लेकिन अब तो उनकी विधायकी भी हाथ से छिन चुकी है। बीजेपी की बात करें तो उसे सिर्फ दो ही सीटों पर जीत मिली है।

एक तरफ हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से जीत का स्वाद मिला है तो वही कमलनाथ के गढ़ अमरवाड़ा में भी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। अगर मोटा मोटा समझा जाए तो सात राज्यों की 13 सीटों में इंडिया गठबंधन एनडीए पर पूरी तरह भारी पड़ा है और उसने 10 सीटें हासिल की हैं। बिहार की रुपौली इकलौती ऐसी सीट रही जहां पर दोनों इंडिया और बीजेपी को झटका लगा और निर्दलीय उम्मीदवार ने वहां से जीत हासिल की।

चार वर्षों में एक भी परीक्षा नहीं करा पाई एनआरए, मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा-आरएसएस पर लगाया युवाओं के भविष्य को तबाह करने का आरोप

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने ''शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने'' का बीड़ा उठाया है। उन्होंने पूछा कि राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) ने पिछले चार वर्षों में एक भी परीक्षा क्यों आयोजित नहीं की है। खरगे की प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार को मुंबई में की गई उस टिप्पणी पर आई है, जिसमें उन्होंने जोर दिया था कि पिछले तीन से चार वर्षों में आठ करोड़ नई नौकरियों के सृजन ने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों को ''चुप'' कर दिया है।

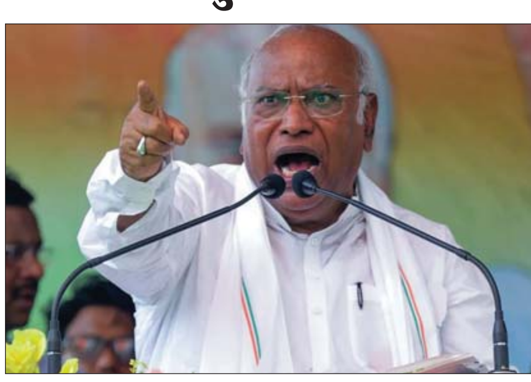

खरगे ने 'एक्स' पर कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी, कल आप मुंबई में नौकरियां देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे। मैं आपको पुनः याद दिलाना चाहता हूं कि आपने एनआरए की घोषणा करते हुए क्या कहा था।'' उन्होंने कहा, ''अगस्त 2020 में आपने कहा था कि एनआरए करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगी और सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से, यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा तथा कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा। इससे पारदर्शिता को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हमारे 3 सवाल हैं - एनआरए ने पिछले चार वर्षों से एक भी परीक्षा क्यों नहीं कराई? क्यों एनआरए को रू.1,517.57 करोड़ का फंड मुहैया कराने के बावजूद, 4 वर्षों में अब तक केवल रू.58 करोड़ खर्चा किया गया है? एनआरए सरकारी नौकरियों की भर्ती के लिए बनी संस्था थी। क्या जानबूझकर एनआरए को निष्क्रिय रखा गया, ताकि एससी, एसटी, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस श्रेणी के युवाओं से उनके आरक्षण का हक छीना जा सके?''

खरगे ने आरोप लगाया कि एनटीए के जरिये ''धांधली, पेपर लीक व घोटाला कराया गया'' और एनआरए से परीक्षा ही नहीं करवाई गई। एनटीए नीट-यूजी जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विवाद में है। खरगे ने आरोप लगाया कि शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस करने का और युवाओं के भविष्य को तंग-तबाह करने का बीड़ा भाजपा-आरएसएस ने उठाया है। उन्होंने कहा, ''हमने एनआरए का मुद्दा पहले भी उठाया था, पर मोदी सरकार मौनव्रत धारण कर के बैठी हुई है।''

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया था कि एनआरए पिछले चार वर्षों में 58 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पाई है। रमेश ने कहा, ''केंद्र सरकार ने 2020 में युवाओं के लिए 'एक देश, एक परीक्षा' की घोषणा की और इसकी जिम्मेदारी बड़े जोर-शोर से एनआरए को सौंप दी।'' रमेश ने कहा, ''लेकिन, यह एजेंसी पिछले चार वर्षों में 58 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पाई है।''

किसी भी नेता पर कटाक्ष न करें, राजनीति में हार-जीत लगी रहती है: अमेठी सांसद

अमेठी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद अब अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर टिप्पणी करने वालों से कहा कि राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। सांसद किशोरी लाल ने बातचीत के दौरान कहा कि राहुल गांधी हमेशा ही सार्वजनिक जीवन में मर्यादा का पालन करते हैं। अमेठी सांसद ने कहा कि हमें ऐसी भाषा से बचना चाहिए। राहुल गांधी ने सही बात की है और मैं भी अपने आपको उसी में शामिल करता हूं। कुछ लोग मेरे नाम से भी कर रहे थे, वो भी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई हारता है, तो कोई जीतता है, लेकिन हमारे ये संस्कार नहीं हैं कि किसी के प्रति इस तरह की भाषा का प्रयोग करें और करना भी नहीं चाहिए। किसी भी राजनेता को इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। कांग्रेस सांसद शर्मा ने इस बार लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हराया था। इसके बाद से पूर्व केंद्रीय स्मृति ईरानी पर हमले बढ़ गए हैं। उन्हें खूब ट्रोल किया

जा रहा है। हाल ही में उन्होंने दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास को खाली किया, जिसके बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर उन पर हमले शुरू हो गए। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर कहा कि स्मृति ईरानी और अन्य नेताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां न करें। जीवन में हार-जीत लगी रहती है। उन्होंने ये टिप्पणी ऐसे समय में की थी, जब अमेठी में हार के बाद स्मृति ईरानी अपना सरकारी बंगला खाली कर रही थीं। इस दौरान लोग सोशल मीडिया पर उन पर कटाक्ष कर रहे थे। स्मृति ईरानी अपने आक्रामक व्यवहार के लिए जानी जाती हैं। वह अपने भाषणों में कांग्रेस और गांधी परिवार को घेरती रही हैं।

यदि दुख बांटने के लिए पैरोल मिलती है, तो खुशी के मौके पर क्यों नहीं : बॉम्बे हाई कोर्ट

- दोषियों को थोड़े समय सशर्त रिहाई दी जाती है, ताकि वे पारिवारिक मामलों की व्यवस्था कर सकें

मुंबई (एजेंसी)। बंबई उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे उसके बेटे को विदा करने के लिए पैरोल प्रदान की और कहा कि यदि दुख बांटने के लिये पैरोल दी जा सकती है तो, खुशी के अवसर पर यह मिलनी चाहिए। अदालत ने कहा कि दोषियों को थोड़े समय के लिए सशर्त रिहाई दी जाती है, ताकि वे बाहरी दुनिया से संपर्क में रह सकें और अपने पारिवारिक मामलों की व्यवस्था कर सकें, क्योंकि जेल में रहते हुए भी अपराधी किसी का बेटा, पति, पिता या भाई होता है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने नौ जुलाई के अपने आदेश में कहा कि पैरोल और फरलो के प्रावधानों को समय समय पर दोषियों के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के रूप में देखा गया है। अदालत विवेक श्रीवास्तव नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय में अपने बेटे की शिक्षा के लिए ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों का प्रबंध करने तथा उसे विदा करने के लिए पैरोल मांगी थी। अभियोजन पक्ष ने इस दलील का विरोध करते हुए दावा किया कि पैरोल आम तौर पर आपातकालीन स्थितियों में दी जाती है और शिक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करना व बेटे को विदा करना ऐसे आधार नहीं हैं जिन पर पैरोल दी जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष के इस तर्क को समझने में विफल रहा। अदालत ने कहा, दुख एक भावना है, खुशी भी एक भावना है और अगर दुख साझा करने के लिए पैरोल दी जा सकती है, तो खुशी के मौके या पल को साझा करने के लिए क्यों नहीं। अदालत ने श्रीवास्तव को दस दिन की पैरोल मंजूर कर ली। श्रीवास्तव को 2012 के एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था और वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। उसे 2018 में दोषी ठहराया गया था और 2019 में उसने अपनी सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।

शहादत दिवस पर कश्मीर के नेताओं को किया नजरबंद, घर में डाले ताले

-केंद्र सकरार हमारी यादों से उन्हें मिटाने की कोशिश कर रही है- महबूबा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के नेता उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने दावा किया कि उन्हें कश्मीर शहादत दिवस पर मजार-ए-शुहादा पर जाने से रोकने के लिए घर में नजरबंद कर दिया गया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने घर के गेट पर लगे ताले की तस्वीर शेयर की।

उन्होंने कहा कि उन्हें मजार-ए-शुहादा जाने से रोकने के लिए मेरे घर के दरवाजे पर ताला लगा दिया गया है। महबूबा ने अपने ट्वीट में लिखा- आज इस दिन शहीद हुए प्रदर्शनकारियों की याद में इसे मनाना भी अपराध घोषित कर दिया गया है। हर साल 13 जुलाई को जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के नेता उन प्रदर्शनकारियों को श्रद्धांजलि देने के लिए श्रीनगर में मजार-ए-शुहादा जाते हैं, जिन्हें 1931 में तत्कालीन राजा की सेना ने गोली मार दी थी। केंद्र पर निशाना साधते हुए पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि यह हमारी यादों से उन्हें मिटाने की कोशिश कर रहे हैं।

महबूबा ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को खंडित कर शक्तिहीन कर दिया गया और वह सब कुछ छीन लिया जो हमारे लिए पवित्र था। इस तरह के हमले केवल हमारे अधिकारों और सम्मान के लिए लड़ाई जारी रखने के हमारे दृढ़ संकल्प को मजबूत करेंगे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भी अपने एक्स अकाउंट पर जम्मू-कश्मीर में न्यायसंगत, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक शासन स्थापित करने के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वालों को श्रद्धांजलि देने से रोकने के लिए पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई है। उमर ने कहा कि एक और 13 जुलाई शहादत दिवस पर दरवाजे बंद करने का एक और दौर...देश में हर जगह इसे मनाया गया होगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर में प्रशासन इन बलिदानों को नजरअंदाज करना चाहता है। यह आखिरी साल है जब वे ऐसा कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि इंशा अल्लाह अगले साल हम 13 जुलाई को इसे गंभीरता और सम्मान के साथ मनाएंगे।

बता दें 13 जुलाई 1931 को श्रीनगर में सेंट्रल जेल के बाहर डोगरा सेना की ओर से की गई गोलीबारी में 22 प्रदर्शनकारी मारे गए थे। घाटी की मुख्यधारा की दोनों राजनीतिक पार्टियां और अलगाववादी समूह इस बात का दावा करते हैं कि डोगरा शासन से कश्मीर की आजादी की पहली लड़ाई इसी दिन शुरू हुई थी।

अब ऊंचे इलाकों में तैनात रहेगी भारतीय सेना, आतंकियों पर रखेगी पैनी नजर

गोरखपुर (एजेंसी)। जम्मू (ईएमएस)। कई बार देखने में आया है कि आतंकी किसी ऊंची पहाड़ी पर बैठ जाते हैं और वहीं से फायरिंग करते हैं। इससे भारतीय सेना को उन्हे ध्वस्त करने में काफी कठिनाई होती है। इससे निजात पाने के लिए अब सेना ऊंचे पहाड़ों पर तैनात रहेगी और वहीं से गतिविधियों पर पैनी नजर रखेगी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में हालिया वृद्धि के लिए केवल पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अवैध गतिविधियों को भी इसके लिए लिए जिम्मेदार ठहराया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार एक नई रणनीति लागू कर रही है, जिसमें कठुआ में एक हफ्ते के भीतर शांति बहाल करने के लिए ऊंचे इलाकों में सेना की तैनाती शामिल है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कठुआ में पत्रकारों से कहा, पाकिस्तान से घुसपैठियों द्वारा हाल ही में (जम्मू क्षेत्र में) की गई आतंकवादी घटनाएं निंदनीय हैं। लेकिन बार-बार यह कहना कि पाकिस्तान ने ऐसा किया है, पर्याप्त नहीं है। हमें खुद से और अपनी अंतरात्मा से पूछना होगा कि हमने उन सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए क्या किया है, जिनसे आतंकवाद को फायदा हो रहा है। जितेंद्र सिंह ने कहा, जब कश्मीर में (आतंकवादियों पर) दबाव बढ़ा, तो उन्होंने अपना ध्यान जम्मू पर केंद्रित कर दिया। हमारा प्रयास सेना को लाने का था जबकि अर्धसैनिक बल पहले से ही वहां मौजूद हैं। सेना की तैनाती के बाद (आतंकवाद से लड़ने के लिए) एक नई रणनीति बनाई जा रही है। सेना ने पहाड़ियों पर मोर्चा संभाल लिया है ताकि आतंकवादी आगे हमले नहीं कर सकें।

जितेंद्र सिंह ने कहा, सरकार पहले से ही (आतंकवाद के खिलाफ) सख्त कार्रवाई कर रही है लेकिन समाज की भी अपनी जिम्मेदारी है। यह दोहराना कि वे पाकिस्तान से आए हैं, पर्याप्त नहीं है। पाकिस्तान 1947 से ही शरारतें करता आ रहा है और आगे भी करता रहेगा यह नहीं सुनेगा। लेकिन सवाल यह है कि हम क्या कर रहे हैं और हमें यह खुद से पूछना होगा?÷ जितेंद्र सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खनन, गोवंश तस्करी के साथ-साथ सरकार और गरीबों की जमीन पर कब्जा करने का उभरता नया फैशन एक दुष्चक्र है जो कुछ हद तक आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कठुआ को बदनाम करता है। मंत्री ने कहा कि वह गृह मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में हैं और हाल के हमलों के बाद जम्मू में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए थल

सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से भी मुलाकात की। बता दें कि आतंकवादियों ने 9 जून से 30 दिनों के अंदर शांतिपूर्ण जम्मू क्षेत्र के रियासी, डोडा और कठुआ जिलों में पांच हमले किए, जिसमें सात तीर्थयात्रियों और छह सुरक्षाकर्मियों सहित 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने पांच आतंकियों को भी मार गिराया है।